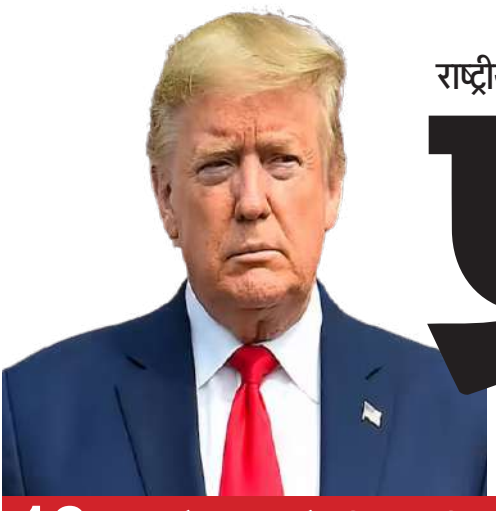

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 ट्रंप को चुनाव के लिए महिला सहयोगी की तलाश, उपराष्ट्रपति.....

केंद्र के अध्यादेश पर आप का साथ दे सकती है कांग्रेस, नए बयान से..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 64 | नई दिल्ली, सोमवार, 17 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राजग में शामिल हुई ओबीसी नेता ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा

नई दिल्ली, एजेंसी

आगामी लोकसभा चुनावों से पहले छोटे-छोटे दलों को साधने की कोशिश में जुटी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को रविवार को सफलता मिली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। राजभर के राजधानी दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के बाद यह घोषणा की गई। शाह ने एक ट्वीट में कहा, ओम प्रकाश राजभर से दिल्ली में भेंट हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। मैं राजग परिवार में उनका स्वागत करता हूं।₹ इसके साथ ही शाह ने इस मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राजभर के आने से उत्तर प्रदेश में राजग मजबूत होगी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन द्वारा गरीबों व वंचितों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा। राजभर ने एक ट्वीट में कहा, "भाजपा और सुभासपा साथ आए। सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा, सुशासन और वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों तथा हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी मिलकर लड़ेंगी।" उन्होंने कहा कि दिल्ली में शाह से भेंट हुई और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले राजग में शामिल होने का निर्णय लिया। राजभर ने उत्तर प्रदेश का पिछला विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन में लड़ा था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिलने के बाद वह सपा से अलग हो गए थे। उन्होंने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था। राजभर की पार्टी ने वर्ष 2017 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ा था। सरकार बनने पर राजभर को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। ओम प्रकाश राजभर का विशेष रूप से राजभर समुदाय के बीच प्रभाव है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस समुदाय की अच्छी खासी तादाद है। राजभर राजग में ऐसे समय में शामिल हुए हैं, जब भाजपा अपना कुनबा बढ़ाने की कोशिश कर रही है। भाजपा ने संसद के मानसून सत्र से पहले 18 जुलाई को राजग की एक बैठक बुलाई है। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सहयोगी दलों को पत्र लिखकर इस बैठक के लिए आमंत्रित किया है। नड्डा ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के जीतन राम मांझी, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के सुखदेव सिंह ढींडसा सहित विभिन्न नेताओं को पत्र लिखा है। उम्मीद की जा रही है कि राजभर अब 18 जुलाई की बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक को लोकसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। राजभर के राजग में शामिल होने से उत्तर प्रदेश में भाजपा को मजबूती मिलेगी। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीट है। 'पूर्वांचल' के एक अन्य ओबीसी नेता दारा सिंह चौहान ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके भी जल्द ही भाजपा में शामिल होने की संभावना है। चौहान पहले भाजपा में ही थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह सपा में शामिल हो गए थे।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
सेंसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

संक्षिप्त खबरें

यमुना में जलस्तर घटने पर उत्तरी दिल्ली के निवासी अपने घरों की ओर लौटे

यमुना नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद उत्तरी दिल्ली के लोग अपनी दुकानों और घरों की तरफ लौटने लगे हैं। ये लोग बाढ़ आने के कारण अपने घरों और दुकानों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए थे। कुछ लोग कश्मीरी गेट के पास मॉनेस्ट्री बाजार में अपनी दुकानों का जायजा लेने के लिए लौटे, जहां पिछले हफ्ते भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई थी और निवासियों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी थी। बाढ़ के कारण प्रशासन को आईटीओ बैराज के जाम हो चुके द्वारों को खोलने के लिए नौसेना की मदद लेनी पड़ी। नौसेना ने शुक्रवार को बैराज का एक द्वार खोल दिया, जबकि 32 में से चार द्वार अब भी जाम हैं। रविवार को यमुना नदी का जलस्तर 205.98 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को रात आठ बजे यह 208.66 मीटर पर था। यमुना नदी में जलस्तर शनिवार को घटना शुरू हुआ था, लेकिन देर शाम को बारिश के कारण कई सड़कों पर जलभराव से स्थिति और बिगड़ गई। मौसम विभाग ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का अनुमान जताया है।

चंद्रयान-3 के पीछे 25% महिला वैज्ञानिक, इस सफलता के लिए शुक्रिया करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

आज से डेढ़ सौ साल पहले एक महिला थी। नाम था कॉर्नेलिया सोराबजी। बॉम्बे यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई करने वाली देश की पहली महिला थीं। पता है वो देश की पहली महिला वकील नहीं थीं क्योंकि जब वो कानून पढ़कर हिंदुस्तान लौटीं तो यहां के कानून ने उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस नहीं करने दी। बावजूद इसके कि उनके पास कानून की डिग्री थी। इस देश का कानून तब ये कहता था कि काला कोर्ट पहनकर, गले में टाई बांधकर कोर्ट रूम में जज के सामने वही बोल सकता है, जो मर्द बनकर पैदा हुआ हो। अगर कोई स्त्री बनकर पैदा हुई है तो इस कोर्ट के दरवाजे उसके लिए बंद हैं। कहने का आशय ये है कि तब महिलाओं को इस देश में कानून प्रैक्टिस करने की इजाजत नहीं थी। डिग्री होने और ऑक्सफोर्ड की टॉपर होने के बावजूद कॉर्नेलिया प्रैक्टिस नहीं कर पाईं। ऐसी ही एक और महिला थीं मैरी पुणेन लुकसे। देश की पहली महिला सर्जन। जब वह मेडिसिन की पढ़ाई करने तिरुवनंतपुरम के महाराजा कॉलेज में गईं तो कॉलेज ने उन्हें दाखिला नहीं दिया। इनकार की वजह यह थी कि लड़कियों में मेडिसिन पढ़ने की काबिलियत नहीं होती। उस कॉलेज का ये नियम था कि लड़की को एडमिशन नहीं मिलेगा। वो लड़की जो बिना कॉलेज जाए घर बैठकर पिता की मेडिसिन की किताबें पढ़ा करती थी, उसे मद्रास यूनिवर्सिटी जाकर इतिहास में एडमिशन लेना पड़ा क्योंकि साइंस कॉलेज के दरवाजे उसके लिए बंद थे। ऐसी अनंत कहानियां हैं। इतनी कि डिजिटल स्पेस के अनंत पन्ने भी उन कहानियों के लिए नाकाफी पड़ जाएं। उन कहानियों से शुरू करके आज हम उस जगह आ पहुंचे हैं, जहां दो रोज पहले बहुत सारे अखबारों की खबरें हैं कि चंद्रयान-3 मिशन में शामिल हैं 25 फीसदी महिला वैज्ञानिक। तकरीबन 615 करोड़ की कुल लागत वाले इस प्रोजेक्ट चंद्रयान-3 की लैंडिंग की जिम्मेदारी एक महिला वैज्ञानिक ऋतु करिधाल ने निभाई है, जो इस मिशन की डायरेक्टर भी हैं। आज देश के सभी स्कूल-कॉलेजों के, लॉ, मेडिसिन और इंजीनियरिंग कॉलेज के दरवाजे लड़कियों के लिए भी खुले है। वो नियम खत्म कर दिए गए, जिसके तहत पहले लड़कियों के दाखिले तक पर पाबंदी हुआ करती थी। ज्ञान और शिक्षा की जिस दुनिया में सैकड़ों सालों से मर्दों की आवाजाही पर कभी कोई पाबंदी नहीं थी। वो ही दरवाजे औरतों के लिए हमेशा से बंद थे। उस दुनिया में घुसकर जितने कम समय में महिलाओं ने अपनी जगह बनाई है, उसे देखकर उस अदम्य इच्छाशक्ति की सिर्फ कल्पना की जा सकती है। कितनी भूख, कितनी तड़प और कितनी बेचैनी है औरतों में ज्ञान की। इस दुनिया में अपनी हिस्सेदारी की। ये सब कुछ वो तब कर पा रही हैं, जब उनकी राह के रोड़े बिल्कुल कम नहीं हुए हैं। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही थी। एलिशिया मंटानो नाम की एक अमेरिकी महिला 800 मीटर की रेस में हिस्सा ले रही हैं। वो महिला 8 महीने प्रेग्नेंट थीं। हालांकि यह घटना 2014 की है, लेकिन किसी कारण से पिछले दिनों अचानक यह तस्वीर सोशल मीडिया पर बुरी तरह वायरल होने लगी। उसे औरत के दौड़ने में कोई दिक्कत नहीं थी। दिक्कत उस तस्वीर को साझा कर रहे मर्दों के लिखे शब्दों में थी। वो लिख रहे थे कि औरत देवी है, औरत महान है। औरत चाहे तो क्या नहीं कर सकती। दुनिया की कोई दीवार उसके रास्ते में नहीं आ सकती।

वो आठ महीने का पेट लेकर भी दौड़ सकती है। ऊपर से सुनने में यह बात इतनी दिक्कत तलब नहीं लगती, जितनी कि ये है। औरतों ने ज्ञान, शिक्षा, सत्ता और संपत्ति की दुनिया में बराबर की हिस्सेदारी मांगी है तो मर्दों को उनसे बदला लेने का ये सबसे आसान तरीका लगता है कि फिर वो औरतों को हर वक्त, हर समय मर्दों के बराबर दौड़ने को कहें। औरतों को इस तरह ललकार रहे मर्दों के शरीर को ऐसी किसी तकलीफ से गुजरना नहीं पड़ता, जिस तकलीफ से औरतें गुजरती हैं। उन्हें लगता है कि नौ महीने पेट में बच्चा रखना मजाक है, हर आधे घंटे पर उल्टी करना मजाक है, महीने में पांच दिन शरीर से रिसता हुआ खून, पेट में हो रही ऐंठन और दर्द मजाक है। अगर कोई औरत ये कहे कि वह प्रेग्नेंसी में, पीरियड्स के समय, मेनोपॉज के दौरान मर्दों की तरह दौड़ने-भागने का काम नहीं कर सकती और उसे थोड़ा आराम चाहिए, तो ये सब बातें भी मजाक हैं। वो दरअसल कामचोर है और बहाने कर रही है। मर्द जो खुद कभी प्रेग्नेंट नहीं होते, न उनके पेट चीरे जाते हैं, न वो बच्चा गिराने की गोली खाते हैं, न उनका अबॉर्शन या मिसकैरिज होता है, न उन्हें पीरियड्स होते हैं, लेकिन वो इन सारे तकलीफदेह अनुभवों से गुजर रही औरतों से उम्मीद करते हैं कि अगर उन्हें मर्दों की दुनिया में मर्दों के बराबर जगह चाहिए तो वो इन सारी तकलीफों को भूल जाएं। वो शरीर का सारा दर्द भुलाकर बस दौड़ती रहें। और उस दौड़ने का नतीजा क्या होता है? इतना दौड़ने के बावजूद उन्हें सबकुछ मर्दों के बराबर नहीं मिलता। लड़कों से ज्यादा लड़कियां विज्ञान पढ़ रही हैं, टॉप कर रही हैं, लेकिन वो सब की सब टॉप वैज्ञानिक नहीं बन पा रहीं। विज्ञान पढ़ने और वैज्ञानिक बनने के बीच उनके रास्ते में हजारों दीवारें हैं। ये वो दीवारें हैं, जिसका सामना किसी मर्द को कभी नहीं करना पड़ता। चंद्रयान-3 की टीम में जितने भी पुरुष वैज्ञानिक थे, उन्हें कभी पीरियड, प्रेग्नेंसी और मेनोपॉज जैसी तकलीफों का सामना नहीं करना पड़ा। उनका शरीर हॉर्मोन्स की रोलर-कोस्टर राइड से नहीं गुजरा, लेकिन औरतें इन सब चीजों का सामना कर रही थीं। साथ ही वो घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियां भी संभाल रही थीं। उनके पास वैसा सपोर्ट सिस्टम नहीं था, जो पुरुषों के पास था। इसलिए हम औरतों का 25 फीसदी होना भी मर्दों के 75 फीसदी पर भारी है। हालांकि असली सेलिब्रेशन तो उस दिन होगा, जब यह संख्या 50 फीसदी होगी, बल्कि यूं कहें कि उससे भी ज्यादा।

महाराष्ट्र पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 23 गिरफ्तार

पालघर, एजेंसी

महाराष्ट्र पुलिस ने पालघर में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर कनाडा के लोगों से धोखाधड़ी करता था और उन्हें ऑनलाइन ऑर्डर का भुगतान करने के लिए धमकाता था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बालासाहेब पाटिल ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को पुलिस ने वाडा तालुका के नाने गांव में एक आवासीय परिसर की छठी मंजिल पर संचालित किए जा रहे कॉल सेंटर पर छापा मारा। पाटिल के मुताबिक, ₹आरोपी 'एक्स-लाइट','आईबीम' और 'एक्स-टेन' जैसे ऐप का इस्तेमाल कर कनाडा के नागरिकों का नंबर हासिल कर लेते थे। इसके बाद ये लोग उनसे ऐसे ऑनलाइन सामान का भुगतान करने को कहते थे, जिसका ऑर्डर उन्होंने कभी दिया ही नहीं होता था। पाटिल ने बताया कि कॉल सेंटर में काम करने वाले लोगों को पीड़ितों से बातचीत के लिए एक खास स्क्रिप्ट दी जाती थी और अगर पीड़ित उनकी बात नहीं मानते थे, तो आरोपी उन्हें आपराधिक तथा कानूनी कार्रवाई की धमकी दिया करते थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, आरोपी पीड़ितों से बिटकॉइन सहित अन्य तरीकों से भुगतान करने के लिए कहते थे। उन्होंने बताया कि अरोपी पकड़ में आने से बचने के लिए ₹वॉइस कॉल और रोबोटिक कॉल का सहारा लेते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कनाडा में कई लोगों के साथ ठगी की है और संदेह है कि उन्होंने अन्य देशों में भी लोगों को फोन किया होगा। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापा मारकर 23 लोगों को गिरफ्तार किया है और गिरोह में शामिल चार लोग फरार हैं, जिन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। वाडा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सुरेश कदम ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

मादक पदार्थों पर सम्मेलन को संबोधित करेंगे शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को यहां 'मादक पदार्थ तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन के दौरान श्री शाह के नेतृत्व में मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो द्वारा सभी राज्यों के मादक पदार्थ रोधी कार्य बलों के साथ समन्वय से देश के विभिन्न हिस्सों में लगभग 2,416 करोड़ रुपये मूल्य के एक लाख 44 हजार किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट किया जाएगा। नष्ट किए जाने वाले मादक पदार्थों में ब्यूरो की हैदराबाद इकाई द्वारा 6590 किलोग्राम, इंदौर द्वारा 822 किलोग्राम और जम्मू द्वारा 356 किलोग्राम नशीले पदार्थ नष्ट किए जाएँगे। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों की विधि प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा असम में 1,486 किलोग्राम, चंड़ीगढ़ में 229 किलोग्राम, गोवा में 25 किलोग्राम, गुजरात में 4,277 किलोग्राम, हरियाणा में 2,458 किलोग्राम, जम्मू- कश्मीर में 4,069 किलोग्राम, मध्य प्रदेश में 1,03,884 किलोग्राम, महाराष्ट्र में 159 किलोग्राम, त्रिपुरा में 1,803 किलोग्राम और उत्तर प्रदेश में 4,049 किलोग्राम समेत कुल 1,44,122 किलोग्राम मादक पदार्थों की नष्ट किया जायेगा। सरकार ने नशामुक्त भारत बनाने के लिए नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। एक जून 2022 से। इस वर्ष 15 जुलाई तक ब्यूरो की सभी क्षेत्रीय इकाइयों तथा राज्यों के कार्रवाई बलों ने मिलकर करीब 8,76,554 किलो ग्राम जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने में सफलता प्राप्त की है, जो लक्ष्य से 11 गुना से भी अधिक है। नष्ट किए गए इन मादक पदार्थों का मूल्य लगभग 9,580 करोड़ रुपये है। सोमवार को नष्ट किए जाने वाले मादक पदार्थों को मिलाकर एक वर्ष में नष्ट किए गए मादक पदार्थों की मात्रा करीब 10 लाख किलोग्राम हो जाएगी जिसका मूल्य लगभग 12 हजार करोड़ रुपये है। नशामुक्त भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए यह विशेष अभियान इसी उत्साह और तत्परता के साथ आगे भी सक्रिय रूप से जारी रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ओपेन जिम का निरीक्षण किया

लखनऊ, एजेंसी

भारत सरकार के रक्षामंत्री एवं लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने रविवार को निराला नगर में आठ नंबर चौराहे के पास मृत्युंजय (शास्त्री) पार्क में स्थापित ओपन जिम का अवलोकन किया। रक्षामंत्री ने पार्क में लगी जिम पर अभ्यास भी किया। स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह के प्रयास से एच ए एल के सीएसआर फंड से पार्कों में जिम लगाने का कार्य नगर निगम के माध्यम से किया जा रहा है। प्रथम चरण में शहर के करीब 80 पार्कों में जिम लगाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस मौके पर राजनाथ सिंह के साथ लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, लखनऊ महानगर अध्यक्ष व विधान परिषद के सदस्य मुकेश शर्मा, विधायक डा.नीरज बोरा एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके बाद राजनाथ सिंह उमराव धर्मशाला, डालीगंज में महानगर पदाधिकारियों एवं पार्षदों के साथ आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे। भाजपा महानगर कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार रक्षामंत्री 17 जुलाई सोमवार शाम 04:00 बजे आईआईएम रोड स्थित महर्षि विश्वविद्यालय में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। वह आईआईएम तिराहे से सीतापुर रोड पर बनकर तैयार ओवरब्रिज को जनता को समर्पित करेंगे। इस कार्यक्रम के उपरांत राजनाथ सिंह दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री की फ्रांस और यूएई की यात्रा ठोस परिणाम लेकर आएंगे : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हालिया यात्राओं को 'सफल' करार दिया और रविवार को कहा कि आने वाले समय में इन यात्राओं के ठोस परिणाम भी सामने आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात की सफल यात्रा के बाद शनिवार को स्वदेश लौटे। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, "प्रधानमंत्री की फ्रांस और यूएई की यात्रा सफल रही और इसके परिणाम भी सकारात्मक रहे।" पुरी ने प्रधानमंत्री की अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, मिस्र, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और जापान की आधिकारिक यात्राओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सब यात्राओं की उपलब्धि में 'भारत की कहानी रही है। उन्होंने कहा, "निश्चित तौर पर इन सभी यात्राओं के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय क्षेत्र में बहुत सकारात्मक परिणाम रहे हैं।" उन्होंने कहा, "बाहरी दुनिया के साथ हमारे आदान-प्रदान की गति और जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले आने वाले हफ्तों में जिस तरह के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, मुझे लगता है कि यह दुनिया के कई हिस्सों में भारत की कहानी है।" प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के बारे में उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि यह ठोस परिणामों पर भी आधारित थी। इससे भी अधिक यह अगले 25 वर्षों में सहयोग के लिए आधार भी प्रदान करती है।"

बारिश का कहर भारी बारिश के कारण पंजाब के 14 जिले प्रभावित हुए.....

पंजाब-हरियाणा में बारिश का कहर: कम से कम 55 लोगों की मौत, राहत कार्य जारी

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब और हरियाणा में इस सप्ताह भारी बारिश के कारण आई बाढ़ का पानी कई इलाकों में कम होना शुरू हो गया है और दोनों राज्यों के प्रभावित इलाकों में राहत कार्य जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पंजाब के 14 और हरियाणा के 13 जिले बारिश से प्रभावित हुए हैं और दोनों राज्यों में वर्षा जनित हादसों में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब में बारिश जनित घटनाओं में अब तक 29 लोगों की जान गई है जबकि हरियाणा में यह संख्या 26 है। पंजाब के बाढ़ प्रभावित विभिन्न जिलों में 25,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया, जबकि हरियाणा में 5,300 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने बताया कि हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज में शाम छह बजे प्रवाह दर 53,370 क्यूसेक और रात आठ बजे 54,619 क्यूसेक थी। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जल-जनित बीमारियों का खतरा है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ऐसे किसी भी प्रकोप को रोकने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं और लोगों को दवाएं वितरित की जा रही हैं। बारिश और बाढ़ से पटियाला, मोगा, लुधियाना, मोहाली, जालंधर, संगरूर, पठानकोट, तरनतारन, फिरोजपुर, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, होशियारपुर, रूपनगर और एसबीएस नगर सहित पंजाब के 14 जिले प्रभावित हुए हैं। वहीं, भारी बारिश के कारण अंबाला, फतेहाबाद, फरीदाबाद, पंचकूला, झज्जर, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, पानीपत, सोनीपत, पलवल, सिरसा और यमुनानगर सहित हरियाणा के 13 जिले प्रभावित हुए हैं। पंजाब के मानसा जिले में शनिवार को घग्गर नदी में दो जगह तटबंध टूट गए, जिसके बाद हरियाणा की सीमा से लगे कई गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि पहली दरार बुढलाडा में चांदपुरा बांध के पास एक तटबंध में और दूसरी सरदुलगढ़ क्षेत्र के रोड़की गांव में आई। उन्होंने बताया कि कई गांवों में बाढ़ को रोकने के लिए दरारों को भरने का काम जारी है, लेकिन पानी का तेज बहाव समस्या पैदा कर रहा है। जिला प्रशासन ने कहा कि गांवों में बाढ़ का पानी घुसने की स्थिति में ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला ने शनिवार को फरीदाबाद जिले के बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। चौटाला ने ट्रैक्टर से मंझावली का दौरा किया और नाव पर बागपत क्षेत्र में एवं मोहना-बागपत पुल के पास बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावित लोगों को नावों की मदद से निकालने का निर्देश कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन स्थानों पर नावें नहीं पहुंच सकती, वहां हेलीकॉप्टर से लोगों को निकाला जाए। उन्होंने यहां बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को सूखा राशन, भोजन, पीने का पानी और दवाएं उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। जिला प्राधिकारियों ने सेना, सीमा सुरक्षा बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य किया। इस दौरान उन्होंने, सूखा राशन, दवाएं, पीने का पानी और पशुओं के लिए चारा भी वितरित किया। अधिकारियों ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस और एनडीआरएफ के दलों के संयुक्त राहत कार्य के तहत शनिवार सुबह 500 से अधिक लोगों को फरीदाबाद के बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, घग्गर नदी अब भी उफान पर है, जिससे संगरूर जिले के खनौरी और मूनक ब्लॉक जलमग्न हो गए है। वहीं, पटियाला जिले में शुतराणा, समाणा और सनौर इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। उपमंडल मजिस्ट्रेट, पातड़ां (पटियाला) मनदीप कुमार ने शनिवार को बताया कि बाढ़ प्रभावित कुछ इलाकों से बाढ़ का पानी कम होना शुरू हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि पटियाला में प्राधिकारियों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से मृत जानवरों को हटाने के लिए फोन आने शुरू हो गए हैं और इस संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए जा रहे हैं। मानसा जिले में, शनिवार को सिधाणी गांव में घग्गर नदी के किनारे 30 फुट के कटाव के कारण कई गांवों में बाढ़ का खतरा है। जालंधर के लोहियां ब्लॉक मंडला छन्ना इलाके में सतलुज नदी के किनारे तटबंध में 350 फुट चौड़ी दरार को भरने का काम जारी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंडला छन्ना में दरार को भरने के काम का निरीक्षण करने के लिए शुक्रवार को अपने जालंधर दौरे के दौरान उपायुक्त को गिद्दड़पिंडी रेलवे पुल के नीचे नदी के तल से गाद और रेत को साफ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश के कारण फसलों, मकानों और अन्य को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक विशेष गिरदावरी (नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण) की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार अधिक उपज देने वाली धान की किस्मों के मुफ्त पौधे उपलब्ध कराएगी।

केएफसी, डोमिनोज और क्रोमा का नगर निगम ने किया 10-10 हजार का चालान

देहरादून, एजेंसी। खुले में कूड़ा डालने के आरोप में राजपुर रोड स्थित तीन बड़े प्रतिष्ठानों का चालान किया गया है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खन्ना ने बताया कि राजपुर रोड स्थित डोमिनोज, केएफसी, क्रोमा और मैक डोनाल्ड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पाया गया कि ये प्रतिष्ठान सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। ये सभी खुले में ही कूड़े का निस्तारण कर रहे थे। इस आरोप में केएफसी, डोमिनोज और क्रोमा का 10-10 हजार रुपये का चालान किया गया। जबकि, मैक डोनाल्ड को अलग से कूड़ादान लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही इसका एक हजार रुपये का चालान किया गया। यहां ग्राहक खुले में पैकेट फेंक रहे थे। यहां पर कोई अलग से कूड़ादान नहीं रखा गया था। इस संबंध में आसपास के प्रतिष्ठानों के संचालकों को चेतावनी भी जारी की गई है।

कुरियर से डेबिट कार्ड भेजने का झांसा देकर 73 हजार ठगे

देहरादून, एजेंसी। डेबिट कार्ड के लिए आवेदन करने के बाद एक युवक साइबर ठगों के झांसे में आ गया। साइबर ठगों ने उन्हें कुरियर से डेबिट कार्ड भेजने का झांसा देकर 73 हजार रुपये ठग लिए। एसओ रायपुर कुंदन राम ने बताया कि हरीश विजल्वाण निवासी नथुवाला ने पुलिस को शिकायत की थी। हरीश ने जून में पीएनबी के डेबिट कार्ड के लिए आवेदन किया था। इसके कुछ दिन बाद 15 जून को उन्हें एक नंबर से कॉल आया और कहा कि उनका डेबिट कार्ड कुरियर से भेजा जा रहा है। कुरियर एक्टिवेट कराने के लिए तीन रुपये भेजने होंगे। इसके लिए कॉल करने वाले ने एक लिंक भेजा। इस लिंक पर क्लिक करन के बाद तीन रुपये तो खाते से कट गए। कुछ देर बाद कई ट्रांजेक्शन के मैसेज आने शुरू हो गए। कुल मिलाकर उनके खाते से 73 हजार रुपये साइबर ठगों ने निकाल लिए।

नहीं बन रहे अमरनाथ यात्रा के मेडिकल सार्टिफिकेट

देहरादून, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के लिए मेडिकल प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लोग कोरोनेशन अस्पताल में भटक रहे हैं। इस बार डॉक्टरों का बोर्ड गठित नहीं होने के कारण मेडिकल सार्टिफिकेट नहीं बनाए जा रहे हैं। जिससे यात्री परेशान हैं। भारतीय जनता पार्टी महानगर देहरादून वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ढिल्लों ने बताया कि जनवरी में शासन की ओर से निर्देश हुए थे कि मेडिकल सार्टिफिकेट बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन मेडिकल बोर्ड गठित करेगा, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि कुछ लोग कोरोनेशन अस्पताल में मेडिकल सार्टिफिकेट बनवाने के लिए गए थे, लेकिन वहां से मायूस लौट आए। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक और सीएमओ भी संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे। अब इस संबंध में स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार से शिकायत की गई है।

कांवड़ियों को पत्थर मारने को लेकर हुआ हंगामा

देहरादून, एजेंसी। हरिद्वार से कावंड लेकर सहसपुर आ रहे कांवडियों को पत्थर मारने के मामले को लेकर बड़ा रामपुर में हंगामा हो गया। कांवड़ियो का आरोप था कि किसी अज्ञात रेहड़ी वाले ने उनके ऊपर पत्थर फेंके। सहसपुर पुलिस मौके पर पहुंची और कांवड़ियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन हंगामा बढ़ता देख सेलाकुई व विकासनगर से भी पुलिस को बुला लिया गया। समाचार लिखे जाने तक कांवडिये पत्थर मारने वाले पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर रहे थे। शुक्रवार की रात लगभग साढ़े दस बजे सहसपुर के युवक कांवड़ लेकर हरिद्वार से लौट रहे थे। जब वह बड़ा रामपुर गांव से गुजर रहे थे तो उनके ऊपर किसी ने पत्थर फेंक दिए। आरोप है कि अज्ञात रेहड़ी वाला पत्थर फेंककर फरार हो गया। पत्थर फेंके जाने की घटना के विरोध में युवकों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा की सूचना मिलते ही सहसहपुर थाना प्रभारी गिरीश नेगी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवकों को समझाने का प्रयास किया लेकिन हंगामा बढ़ता देख उन्होंने सेलाकुई पुलिस को भी मौके पर बुलवा लिया। उधर युवक लगातार हंगामा करते हुए पत्थर फेंकने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग करते रहे। पुलिस युवकों को समझाने का प्रयास कर रही है।

यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें : पहले दिल्ली के लिए थीं कई बसें, अब दिनभर में सिर्फ चार

देहरादून, एजेंसी। दिल्ली में आई बाढ़ के कारण हालात अभी सामान्य नहीं हो पाए हैं। उत्तराखंड डिपो की दिल्ली जाने वाली बसें शुक्रवार को भी इसके असर से पूरी तरह प्रभावित रहीं। उत्तराखंड परिवहन निगम की कई बसें दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर जाकर वापस नहीं लौट पाई हैं, जबकि कई बस चालक दिल्ली जाने से कतरा रहे हैं। इस कारण बसों का शेड्यूल गड़बड़ा गया है। प्रत्येक 15 से 20 मिनट पर दिल्ली के लिए उपलब्ध वाल्वो और सामान्य बसों के लिए अब कई घंटे इंतजार करना पड़ रहा है। देहरादून, हरिद्वार और ऋषिकेश से एक दिन में डेढ़ सौ रोडवेज बसें दिल्ली को रवाना होती हैं। जबकि शुक्रवार को पूरे दिन में चार बसें ही दिल्ली के लिए मिलीं, कई घंटे लोगों को बसों के लिए परेशान होना पड़ा। आईएसबीटी पर बस के इंतजार में खड़े यात्री आनंद रावत ने बताया कि वह शाम को चार बजे दिल्ली की बस पकड़ने के लिए आ गए थे, तो मालूम चला कि थोड़ी देर पहले ही बस दिल्ली के लिए रवाना हुई है। अब अगली बस छह बजे जाएगी। दिल्ली जाने वालों की संख्या काफी है लेकिन बस चालक दिल्ली जाने से बच रहे हैं।

मैदान की बाढ़ में डूबा नैनीताल पर्यटन, वीकेंड पर होटलों में 50 प्रतिशत भी बुकिंग नहीं

नैनीताल, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली समेत हरियाणा, उत्तर प्रदेश व पंजाब के कई हिस्सों में आई बाढ़ के साथ मौसम विभाग का हाई अलर्ट सरोवर नगरी के इस वीकेंड सीजन को डूबो गया।

सैलानियों की आमद सिमट कर रह गई और पर्यटन कारोबारी हाथ पर हाथ धरे रह गए। पर्यटकों की कम आदम की वजह से छोटे-बड़े होटलों में 50 प्रतिशत कमरों की बुकिंग भी नहीं हो सकी।

पिछले करीब एक दशक से नगर में वीकेंड पर सैलानियों का बढ़ी संख्या में पहुंचने का प्रचलन चला आ रहा है। जिसके चलते नगर में शुक्रवार से रविवार के बीच सैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ती है

और नगर के होटलों के अधिकांश कमरे अमूमन पैक हो जाते हैं।

मगर पर्यटन सीजन में मानसूनी बारिश के बाद वीकेंड पर सैलानियों की आमद इतनी कम हो गई कि इक्के दुक्के सैलानी ही नजर आए। जिस कारण मालरोड समेत नगर के पर्यटन स्थल स्नोव्यू, हिमालय दर्शन, केव गार्डन, चिड़ियाघर व वॉटर फॉल सैलानियों के अभाव में सूने नजर आए। टैक्सी चालक व नाव चालक पूरे दिन सैलानियों की राह ताकते नजर आए। भोजनालय व गिफ्ट सेंटर खाली रहे।

इसी क्रम में पार्किंग स्थल खाली नजर आए। पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि विभिन्न प्रदेशों में बाढ़ का असर नगर के पर्यटन पर पढ़ा है। बरसात के राहत देने के बाद ही सैलानियों की आमद बढ़ेगी। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय बिष्ट व पीआरओ रुचिर साह के अनुसार हिमाचल में आपदा के अलावा पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में बाढ़ के अलावा मौसम विभाग के अलर्ट की वजह से पर्यटकों की आमद में कमी आई है जबकि नैनीताल सहित कुमाऊं के पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें खुली हैं। दिल्ली में जमकर हो रही बारिश का असर कुमाऊं से संचालित होने वाली ट्रेनों पर पड़ रहा है।

तीन दिन रद्द रहेंगी दून से चलने वाली आठ ट्रेन, पढ़ें अपडेट तभी करें यात्रा

देहरादून, एजेंसी। बीते कुछ दिनों से रद्द हो रही ट्रेनों के चलते यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कोई अपने घर नहीं जा पा रहा तो कई व्यापारी खरीददारी के लिए दूसरे शहर नहीं जा पा रहे थे। ऐसे में ट्रेन को लेकर अपडेट जानने के बाद ही यात्रा करना बेहतर होगा।

अगर आप अगले तीन दिन में रेल यात्रा कर दून से देश के अन्य शहरों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए खास है। रेलवे ट्रेक पर चल रहे काम के चलते अगले तीन दिन तक दून से चलने वाली आठ ट्रेनें रद्द रहेंगी। ऐसे में संबंधित ट्रेन की पूरी जानकारी लेने के बाद ही यात्रा करना बेहतर होगा। बीते दिनों हुई लगातार बारिश के चलते रेलवे ट्रेक पर भारी मात्रा में मलबा आने के साथ कई जगह जलभराव होने से ट्रेनों का संचालन बाधित हुआ है। रेलवे ट्रेक पर मलबा हटाने और ट्रेक की मरम्मत करने का काम किया जा रहा है। जिसके चलते देहरादून से चलने वाली काठगोदाम एक्सप्रेस, जनता एक्सप्रेस, मसूरी एक्सप्रेस, नैनी जनशताब्दी एक्सप्रेस, अमृतसर एक्सप्रेस, लिंक एक्सप्रेस, उपासना और जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 से 17 जुलाई तक रद्द रहेगी। स्टेशन अधीक्षक शशांक शर्मा ने कहा, 15 से 17 जुलाई तक इन सभी आठ ट्रेनों की रूट पर काम किया जाना है। जिसके चलते इन ट्रेनों का संचालन नहीं हो सकेगा। यात्रियों को हिदायत देते हुए कहा, किसी भी समस्या से बचने के लिए ट्रेन की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा की जाए। दून से वंदे भारत एक्सप्रेस समेत पांच ट्रेनें रवाना हुई तो यात्रियों को बड़ी राहत मिली।

उत्तराखंड में 10 दिन पदयात्रा करेंगे राहुल गांधी,अग्निवीर योजना का करेंगे विरोध

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि पार्टी का मानना है कि है कि अग्निवीर योजना युवाओं के साथ ही नहीं देश के साथ भी धोखा है। देश की सुरक्षा और संप्रभुता के साथ खिलवाड़ है। कहा कि यात्रा में राहुल गांधी के साथ ही प्रियंका गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी उत्तराखंड में प्रस्तावित स्वाभिमान न्याय यात्रा में भाग लेंगे। पार्टी की यह यात्रा अग्निवीर योजना के विरोध को केंद्र में रखकर निकाली जाएगी, जो राज्य में 50 से 60 दिन तक निकलेगी। राहुल गांधी यात्रा में 10 दिन भाग लेंगे। इधर, पार्टी का कहना है कि जैसे ही प्रदेश में राहुल गांधी की यात्रा की घोषणा की गई है, भाजपा खेमे में हड़कंप मच गया है। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि आश्चर्य की बात है की आज एक साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद उत्तराखंड भाजपा को अचानक अग्निवीर योजना याद आई और उसे अपने नेताओं से अग्निवीर के बचाव में प्रेसवार्ता तक करवानी पड़ी। माहरा ने कहा कि पिछले सवा साल से अग्निवीर योजना ने प्रदेश के युवाओं का एक सैनिक बनने का सपना तोड़ दिया है। उनके साथ अग्निवीर के नाम पर छलावा किया जा रहा है।

रोशन होंगे गांव के गली-मोहल्ले

देहरादून, एजेंसी। कालसी, विकासनगर और सहसपुर विकासखंड के कई गांवों के गली मुहल्ले जल्द ही सोलर लाइट की रोशनी से जगमग होंगे। जिला पंचायत करीब 50 लाख रुपये की लागत से विभिन्न गांवों में सोलर लाइट लगाने जा रहा है। इसके लिए निविदाएं भी आमंत्रित कर दी गई हैं।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि लंबे समय से ग्रामीण अंचलों में पथ प्रकाश की व्यवस्था करने की मांग कर रहे थे। जिसे देखते हुए जिला पंचायत ने यह कदम उठाया है। योजना के तहत कालसी विकासखंड के जिला पंचायत क्षेत्र आरा और जिला पंचायत क्षेत्र उद्पाल्टा अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों के साथ ही विकासनगर विकासखंड अंतर्गत जिला पंचायत क्षेत्र केदारावाला, एटनबाग, जस्सोवाला के विभिन्न गांवों में सोलर लाइटें लगेंगी।लाइन जीवनगढ़, कालूवाला, छरबा, मलूकावाला आदि गांवों में भी सोलर लाइटें लगाई जाएंगी। साथ ही सहसपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भुड्डी और जिला पंचायत क्षेत्र माजरी ग्रांट तृतीय के विभिन्न गांवों में सोलर लाइटें लगाई जाएंगी।

सांसद निशंक ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

ऋषिकेश, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने शुक्रवार को विधानसभा के दूधली में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों के लिए व्यवस्थाओं को पुख्ता रखे। दरअसल दूधली में बडकली और चुस्सूपानी गांव बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

सांसद ने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं का सुना। उन्होंने सिंचाई विभाग को व्यवस्थाओ में सुधार लाने और प्रभावित लोगों की की समस्याओं के

निदान के लिए निर्देश दिए। सांसद ने बाढ़ आपदा और जलभराव आदि को लेकर भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी आने वाले समय में हर स्तर पर तैयार रहे। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री राजेन्द्र तडियाल, पूर्व राज्यमंत्री करन बोरा, नगर मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र नेगी, महामंत्री रविन्द्र बेलवाल, माजरी अध्यक्ष प्रताप बस्सी, अल्पसंख्यक आयोग सदस्य परमिंदर सिंह बाउ, चंद्रभान पाल,श्रवण प्रधान, मान सिंह , सुभाष पेगवाल,आदि मौजूद थे।

सवारी बिठाने को लेकर विवाद, विक्रम संचालन किया ठप

देहरादून, एजेंसी। प्रेमनगर में सवारी बिठाने को लेकर विक्रम और टाटा मैजिक संचालकों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा की मामला आरटीओ तक पहुंच गया। विक्रम संचालकों ने आरटीओ पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए विक्रमों का संचालन बंद कर दिया। रविवार को विक्रम संचालकों ने बैठक बुलाई है। जानकारी के मुताबिक प्रेमनगर में एक विक्रम संचालक ने दो सवारियां बिठाई थीं। इस पर मैजिक संचालकों ने एतराज किया और सवारियों को उतारकर मैजिक में बिठा दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि इसी बीच मैजिक संचालकों ने एक विक्रम संचालक के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसकी जानकारी विक्रम एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अरोड़ा को मिली तो वह मौके पर पहुंचे और शिकायत करने थाने पहुंच गए। इसी बीच मैजिक संचालक आरटीओ पहुंच गए और विक्रम संचालकों पर नियम विरुद्ध सवारियां बिठाने का आरोप लगाया। इसके बाद विक्रम संचालक भी आरटीओ पहुंच गए। संजय अरोड़ा ने आरोप लगाया कि आरटीओ ने मामला सुलझाने के बजाय विक्रमों को ही शहर से बाहर करने की धमकी दी।

मालन नदी पर टूटे पुल की होगी विजिलेंस जांच, सीएम धामी से मिलीं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण

देहरादून, एजेंसी। विधायक ऋतु खंडूड़ी ने शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान खंडूड़ी ने मुख्यमंत्री को बताया कि मालन नदी पर वर्ष 2010 में लोनिवि की ओर से करीब 1250 लाख की धनराशि से तैयार पुल मात्र 13 वर्षों में ध्वस्त हो गया।

कोटद्वार में मालन नदी पर बने पुल के ध्वस्त होने की सरकार विजिलेंस जांच कराएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोटद्वार विधायक व विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को इसके लिए आश्वासन दिया है। इसके साथ ही कुंभी चौड़ स्थित बंद पड़े झूला पुल को ध्वस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री

ने वैकल्पिक मार्ग मावकोट-कण्वाश्रम के चौड़ीकरण और सुगम बनाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मालन नदी पर बने पुल के ढह जाने के संबंध में स्थानीय विधायक ऋतु खंडूड़ी ने शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान खंडूड़ी ने मुख्यमंत्री को बताया कि मालन नदी पर वर्ष 2010 में लोनिवि की ओर से करीब 1250 लाख की धनराशि से तैयार पुल मात्र 13 वर्षों में ध्वस्त हो गया। इसके कारण 38 वर्षीय हल्दुखाला कोटद्वार निवासी प्रसन्न मोहन डबराल की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए हैं।

दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने आए युवक समेत दो गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। मूल अभ्यर्थी के स्थान पर एसएससी की परीक्षा देने आए युवक को पकड़ लिया गया। जबकि, उसे छोड़ने आए युवक को भी परीक्षा केंद्र के बाहर से दबोच लिया गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर मूल अभ्यर्थी समेत तीनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घटना कैंट थाना क्षेत्र के नींबूवाला स्थित एक शिक्षण संस्थान की है। शुक्रवार को यहां एसएससी सीजीएल टियर-1 की परीक्षा चल रही थी। इस दौरान परीक्षा केंद्र में तैनात अधिकारी जितेश सिंह को एक अभ्यर्थी पर शक हुआ। इसके आधार पर उन्होंने कैंट पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने युवक को पकड़ा और पूछताछ शुरू की। उसके आधार कार्ड से प्रवेशपत्र की फोटो का मिलान कराया गया तो अलग-अलग पाई गई।

पता चला कि वह किसी और के स्थान पर परीक्षा देने आया है। उसकी पहचान मुकुल आनंद निवासी कचहरी खैरा, बिहार के रूप में हुई। पूछताछ में मुकुल ने बताया, वह महेश चंद्र मीणा निवासी करौली, राजस्थान के स्थान पर परीक्षा देने आया था। उसे विपुल कुमार निवासी बिहार परीक्षा केंद्र छोड़ने आया था।

मुख्यमंत्री पहुंचे तो ठीक हो रहा था सब रजिस्ट्रार का सीसीटीवी

देहरादून, एजेंसी। सब रजिस्ट्रार कार्यालय में जिस जगह दस्तावेज से छेड़छाड़ हुई वहां का सीसीटीवी कैमरा ही काम नहीं कर रहा था। शनिवार को जब मुख्यमंत्री औचक निरीक्षण करने पहुंचे तो इस लापरवाही खुलासा हुआ। उनके सामने ही कर्मचारी इस सीसीटीवी कैमरे को ठीक कर रहा था। मुख्यमंत्री ने सब रजिस्ट्रार कार्यालय में दस्तावेज की सुरक्षा और फर्जीवाड़ा करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार दोपहर अचानक कलक्ट्रेट पहुंच गए। यहां पहले वह जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और फिर सब रजिस्ट्रार कार्यालय के बारे में पूछा। अधिकारी उन्हें सब रजिस्ट्रार कार्यालय ले गए। यहां उन्होंने सारी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद जहां दस्तावेज में छेड़छाड़ हुई वहां की स्थिति का जायजा लिया। उस वक्त वहां छत पर एक व्यक्ति चढ़ा हुआ था। मुख्यमंत्री ने जब इसके बारे में पूछा तो पता चला कि वह सीसीटीवी कैमरा ठीक कर रहा है।

इस पर जिलाधिकारी सोनिका ने बताया, यहां का सीसीटीवी कैमरा खराब था। अब इसे ठीक कराया जा रहा है।

हरीश, हरक और मदन बिष्ट ने कोर्ट में दाखिल किए जवाब

देहरादून, एजेंसी। स्टिंग मामले में वॉयस सैंपल देने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत समेत तीन नेताओं ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से सीबीआई स्पेशल कोर्ट में जवाब दाखिल किया। उन्होंने सीबीआई को वॉयस सैंपल देने पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद ही निर्णय लेने की बात कही। बहस में उन्होंने इस मुकदमे की वर्तमान में चल रही कार्रवाई पर भी सवाल उठाए।

उधर, स्टिंग करने वाले पत्रकार एवं वर्तमान विधायक उमेश कुमार के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया, वह जांच में सहयोग के लिए तैयार हैं। लेकिन, फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसले के लिए 17 जुलाई की तिथि नियत की है। मामला सीबीआई के पास जाने के बाद करीब छह साल से जांच में कोई प्रगति नहीं दिखाई दे रही थी। इस बीच पिछले माह अचानक पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, विधायक मदन बिष्ट और स्टिंग करने वाले पत्रकार उमेश शर्मा को वॉयस सैंपल देने के लिए नोटिस जारी हुए थे। सीबीआई कोर्ट ने खुद या अधिवक्ताओं के माध्यम से जवाब दाखिल करने को कहा था।

चार जुलाई को हरीश रावत, हरक सिंह रावत और मदन बिष्ट ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था। इसी क्रम में इन तीनों के अधिवक्ताओं विवेक गुप्ता, निलय रत्न कुकरेती, ओमप्रकाश सती, एसएस रावत और मनमोहन कंडवाल शनिवार को सीबीआई स्पेशल कोर्ट में उपस्थित हुए। अधिवक्ता कंडवाल ने बताया, नेताओं की ओर से हाईकोर्ट में एक रिट दायर की गई थी। वॉयस सैंपल देने हैं या नहीं, इस पर फैसला कुछ दिनों में आना है। ऐसे में उन्होंने कोर्ट से कहा है, हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद ही वे वॉयस सैंपल पर निर्णय लेंगे। इसके बाद कोर्ट ने सीबीआई के अधिवक्ता को सुना और फैसले के लिए 17 जुलाई की तिथि नियत कर दी है।

हरीश रावत के अधिवक्ता विवेक गुप्ता ने कोर्ट में जोरदार बहस की। उन्होंने कहा, वर्ष 2016 के इस मुकदमे में अब हो रही कार्रवाई आश्चर्य की बात है। सीबीआई ने इससे पहले हरीश रावत को फोन से या नोटिस भेजकर वॉयस सैंपल देने को नहीं कहा। अब एकाएक यह कैसी कार्रवाई है? इसके अलावा इस मुकदमे को वापस लेने के लिए शासनादेश भी हो चुका था।

अग्निवीर योजना पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने

देहरादून, एजेंसी। अग्निवीर योजना पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गए हैं। योजना के खिलाफ कांग्रेस स्वाभिमान यात्रा चलाएगी। पार्टी ने कर्नल कोठियाल और शौर्य डोभाल को फील्ड में उतारा।

सैन्य बहुल उत्तराखंड में सेना की अग्निवीर योजना पर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस आमने-सामने आ गए हैं। कांग्रेस ने लोक सभा चुनाव से पहले अग्निवीर योजना के जरिये राज्य के युवाओं को अपने पक्ष में करने के लिए स्वाभिमान यात्रा निकालने का एलान किया है। जवाब में शनिवार को भाजपा ने भी योजना के समर्थन में जनजागरण अभियान छेड़ा। पहले दिन उसने पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कर्नल अजय कोठियाल और इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक व पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शौर्य डोभाल को मैदान में उतारा। दोनों नेताओं ने कांग्रेस की स्वाभिमान यात्रा को युवाओं को भ्रमित करने का प्रयास करार दिया। उन्होंने अग्निवीर योजना की खूबियां बताई।

प्रदेश पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कोठियाल ने कहा, अग्निवीर योजना अभी मात्र एक वर्ष हुए हैं और लिहाजा इसका सर्वाधिक परिणाम आगे आएगा। सेना की औसत आयु को कम कर यह योजना भारतीय सेना की क्षमता में वृद्धि करने वाली है। सेवा के दौरान वेतन और बाद में दी जाने वाली एकमुश्त रकम युवाओं के लिए लाभकारी साबित होगी। सेना की संख्या में कटौती किए बिना, चार वर्ष की अवधि के बाद 25 फीसदी को सेना में आगे बढ़ाए जाने से यह योजना अग्निवीर के रूप में चार गुना रोजगार के अवसर तैयार कर रही है।

चिंतन शिविर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में विकसित करेगा खुद का मॉडल

देहरादून, एजेंसी। मांडविया ने कहा किसी दूसरे देश के मॉडल पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि भौगोलिक और पर्यावरण के स्तर पर भारत और दुनिया के बाकी देशों के बीच काफी अंतर है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि स्वास्थ्य को लेकर भारत अपना एक मॉडल विकसित करेगा। किसी दूसरे देश के मॉडल पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि भौगोलिक और पर्यावरण के स्तर पर भारत और दुनिया के बाकी देशों के बीच काफी अंतर है।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में शुक्रवार को दो

दिवसीय स्वास्थ्य चिंतन शिविर के उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस चिंतन बैठक से जो कुछ निकलेगा, वह देश के स्वास्थ्य लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा ताकि देश अमृतकाल में स्वस्थ और विकसित राष्ट्र बन सके।

केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न राज्यों से कुष्ठ, टीबी, सिकल सेल एनीमिया जैसी बीमारियों का बोझ हटाने और राज्यों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

साउथ एक्स के क्लब की लिफ्ट में फंसे 10 युवक-युवतियों

नई दिल्ली। दिल्ली के साउथ एक्स में स्थित एक क्लब से आ रहे 10 लोगों के लिफ्ट में फंस गए। लोगों के लिफ्ट में फंसने होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने डीएफएस की टीम को बुलाकर लोगों को बाहर निकाल लिया। इस घटना के जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह करीब पौने छह बजे एक पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें कॉलर ने बताया कि वह साउथ एक्स क्लब से आ रहे थे तभी वह 10 लोग लिफ्ट में फंस गए हैं। टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी डीएफएस की टीम को दी। इसके बाद डीएफएस की टीम ने लिफ्ट में फंसे 10 युवक-युवतियों को लिफ्ट का शीशा तोड़कर रेस्क्यू कर लिया है।

विमान के अपहरण की झूठी सूचना से एयर इंडिया के कॉल सेंटर में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पुणे स्थित एयर इंडिया के काल सेंटर में 13 जुलाई को एक व्यक्ति ने फोन कर सूचना दी कि उसने सुना है कि एयर इंडिया के नई दिल्ली से तेलअवीव जाने वाले विमान को हाइजैक किया जाएगा। कॉल सेंटर से इस सूचना को तत्काल आइजीआई एयरपोर्ट की सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियों को साझा किया गया। गुवाहटी पुलिस टीम को किया सूचित आइजीआई थाना पुलिस के अनुसार छानबीन में यह सूचना झूठी निकली। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फोन करने वाले शख्स की पहचान असम में गुवाहाटी के अनुराग के रूप में हुई है। गुवाहाटी पुलिस टीम को इस बारे में जानकारी दी गई है। मामले की छानबीन जारी है।

PAC की मीटिंग के लिए केजरीवाल के आवास पहुंचे राघव चड्ढा-आतिशी

नई दिल्ली। बेंगलुरु में विपक्ष की बैठक से पहले आम आदमी पार्टी ने राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक बुलाई है, जिसमें शामिल होने के लिए राघव चड्ढा, गोपाल राय और आतिशी सीएम केजरीवाल के आवास पर पहुंच गए हैं। इस बैठक में विपक्षी एकता की मीटिंग में शामिल होने या न होने के बारे में अहम फैसला लिया जाएगा। बीजेपी ने साधा निशाना बीजेपी के नेता दुष्यंत गौतम ने बेंगलुरु में होने वाली विपक्ष की बैठक पर हमला बोला है। दुष्यंत गौतम ने कहा कि दिल्लीवालों का दुर्भाग्य है कि ऐसी नासमझ सरकार बैठी है, जिसने 8.5 सालों में नहीं सीखा कि हमें जनता को कैसे राहत पहुंचानी है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में दवाई, बैड की समस्या रही और अब बाढ़ आ गई, ये सब केजरीवाल की पार्टी की कमियां है, जिसका भुगतान दिल्ली की जनता को करना पड़ रहा है।

लाइसेंस निलंबित करने के डीजीसीए के आदेश को चुनौती देने वाली पायलट की याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए माना कि एयरलाइंस के लिए अपने चालक दल के खून और मूत्र परीक्षण करना व्यावहारिक नहीं है। अदलात ने कहा कि सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स के तहत चालक दल के सदस्यों को सांस विश्लेषक परीक्षणों में गलत जानकारी से बचाने के लिए पर्याप्त एहतियाती उपाय हैं। न्यायमूर्ति गौरांग कंठ की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि पायलट ने सीएआर और विमान नयम-1937 में दिए गए प्रविधानों का उल्लंघन किया था। जिम्मेदारी भरा है पायलट का काम- कोर्ट अदालत ने कहा कि पायलट का काम जिम्मेदारी भरा है।

अबू धाबी से लौटते ही नरेन्द्र मोदी ने जाना बाढ़ से जूझ रही दिल्ली का हाल:एलजी वीके सक्सेना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विदेश से दिल्ली लौटने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना से फिर बात की और राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने में हुई प्रगति के बारे में जानकारी ली। इससे पहले विदेश यात्रा के दौरान भी वह एलजी से दिल्ली के बारे में जानकारी ले रहे थे।

भारी वर्षा के बाद दिल्ली के कई हिस्सों में पानी भर गया है, क्योंकि यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालाँकि, नदी के जल स्तर में शनिवार को गिरावट देखी गई, जिससे अधिकारियों को सड़कें खोलने और यातायात की आवाजाही को आसान बनाने की अनुमति मिली, क्योंकि कई क्षेत्रों से बाढ़ का पानी कम हो गया है।

एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली पहुंचते ही पीएम ने दिल्ली के एलजी से यमुना नदी के कारण दिल्ली में बाढ़ जैसी स्थिति और बचाव कार्यों पर जानकारी ली।मोदी फ्रांस और यूएई की तीन दिवसीय यात्रा पर थे। वहीं एलजी सक्सेना ने यमुना तटबंध की मरम्मत करने व आइटीओ बैराज के गेट खोले जाने पर श्रमिकों व सेना को धन्यवाद दिया है। एलजी ने टवीट कर कहा कि श्रमिकों व भारतीय सेना के जवानों और अधिकारियों को नमन है।उनके अथक प्रयास और परिश्रम से ही डब्ल्यूएचओ बिल्डिंग के सामने यमुना के तटबंध को दुरुस्त किया जा सका है और आइटीओ बैराज पर गाद से जाम गेटों को खोला जा सका है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिल्ली में बाढ़ की स्थिति में निरंतर सुधार हो। अधिकारियों के साथ किया दौरा

जानकारी

- भारी वर्षा के बाद दिल्ली के कई हिस्सों में पानी भर गया है, क्योंकि यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

वहीं, एलजी वीके सक्सेना ने अधिकारियों संग शनिवार को भी राजधानी में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राजघाट आदि इलाकों में बाढ़ प्रभावित इलाके को देखा और अधिकारियों को पानी निकालने के लिए ज्यादा तेजी के साथ प्रयास करने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि बाढ ग्रस्त क्षेत्रों में जो भी लोगों अपने घरों में मौजूद हैं, उन्हें जरूरत का सामाना उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें पानी को निकालने के उपायों की जानकारी दी और बताया कि लोगों को राहत देने के लिए हर प्रकार के कार्य किये जा रहे हैं।

बच्चों के बाद अब तीन युवकों की डूबने से मौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- द्वारका के डीसीपी एम हर्ष वर्धन ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे थाना द्वारका सेक्टर-23 के अंतर्गत तीन लड़कों के डूबने की सूचना मिली।

राजधानी दिल्ली में भारी बारिश का कहर कम नहीं हो रहा है। द्वारका में शनिवार को तीन युवकों की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शवों को बाहर निकाल लिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुक्रवार को भी बाहरी दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में मेट्रो निर्माण कार्य के पास हो रखे जलजमाव में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई थी।

द्वारका के डीसीपी एम हर्ष वर्धन ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे थाना द्वारका सेक्टर-23 के अंतर्गत तीन लड़कों के डूबने की सूचना मिली। चार लड़कों का एक समूह द्वारका सेक्टर-19 में फुटबॉल खेलकर लौट रहा था। इसी दौरान तीने बच्चे निमार्णाधीन गोल्फ कोर्स की दीवार फांद गए और तीन गोल्फ कोर्स पर पानी के गड्ढे में घुस गए।

बाढ़ की वजह से नहीं हुआ हादसा

इससे तीनों की डूबने से मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं लगता कि यह हादसा बाढ़ के कारण हुआ, यह दुर्घटनावश डूबने का मामला है। चौथे लड़के ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस की एक टीम अग्निशमन सेवा टीम के साथ वहां पहुंची। तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए। मामले में आगे की जांच चल रही है। तीनों लड़कों की उम्र लगभग 20 वर्ष है। शुक्रवार को हुई तीन बच्चों की मौत मुकुंदपुर इलाके में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य के पास हो रखे जलजमाव में शुक्रवार दोपहर नहाने गए तीन नाबालिग डूब गए। पुलिस उन्हें पानी से निकालकर बाबू जगजीवन राम अस्पताल लेकर गई, जहां तीनों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

नाबालिगों की पहचान जहांगीरपुरी के एच ब्लाक के पीयूष, निखिल व आशीष के रूप में हुई है। तीनों की उम्र दस से 13 वर्ष के बीच है। पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया। जहांगीरपुरी थाना पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

आईपी फ्लाईओवर के पास भरा सीवर का पानी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बीते दिनों हुई बारिश और यमुना का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में पानी भर गया जो अब धीरे-धीरे खाली हो रहा है। शनिवार को यमुना में बाढ़ का पानी होने के बाद रविवार को स्थिति सुधरने की उम्मीदें लगाई जा रही है।

वहीं, शनिवार को कई सड़कों से पानी खाली होने के बाद उन्हें फिर से यातायात के लिए खोल दिया गया, लेकिन अभी भी कई मार्गों पर बाढ़ का पानी भरे होने से कई रास्ते बंद हैं, जिसको लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

इन रास्तों से न करें यात्राः दिल्ली पुलिस अब जानकारी आ रही है कि रिंग रोड पर राजघाट से निजामुद्दीन की तरफ आईपी फ्लाईओवर के पास सीवर का पानी भर जाने के यातायात बंद है। इसके आलावा रिंग रोड को मथुरा रोड से जोड़ने वाले भैरो मार्ग पर रेलवे ब्रिज के नीचे जलभराव के कारण यातायात बंद किया गया है।

यात्रियों को जाम से बचने के लिए शांति वन, राजघाट, जेएलएन मार्ग, बीएसजेड मार्ग के माध्यम से वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने की सलाह दी जाती है। पुलिस ने रविवार सुबह ट्वीट कर बताया कि रेलवे ब्रिज के नीचे जलभराव के कारण भैरो मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित है। यात्रियों को सहाल दी जाती है कि वह इस रास्ते से यात्रा ना करें। पुलिस ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि राजौरी गार्डन फ्लाईओवर पर एक ट्रक के खराब होने के कारण राजौरी गार्डन से पंजाबी बाग की ओर जाने वाले कैरिजवे में रिंग रोड पर यातायात प्रभावित रह सकता है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे इसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। वहीं, शनिवार देर शाम के समय हुई बारिश के कारण कुछ सड़कें जल भराव और पेड़ों के गिरने से प्रभावित हैं। यात्रियों को तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने और अपनी सुविधा के लिए इन मार्गों से बचने की सलाह दी जाती है।

मजदूरों को वितरित किए भोजन के 4 हजार पैकेट

नई दिल्ली। कड़ी मेहनत कर आमजन के जीवन के लिए आशियाना बनाने व जीवन की रक्षा करने में मजदूर वर्ग का अहम योगदान होता है। सरकार को ऐसे लोगों के प्रति ध्यानदेने की आवश्यकता है। उक्त बात मनोनीत पार्षद मनोज जैन ने करीब 4 हजार श्रमिकों को भोजन के पैकेट वितरित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इन मजदूरों की कड़ी मेहनत के बल पर ही शहर में बड़े-बड़े आशियाने खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि रेत-मिट्टी के हजारों बोरे जमुना के किनारे ऊंचाई बनाकरपानी को रोकने का काम किया जा रहा है। लेकिन दुख की बात यह है कि सरकार द्वारा इनके लिए खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है।

जलस्तर घटा तो मिली थोड़ी राहत, यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन यात्रियों के लिए खोला गया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में यमुना का जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। डीएमआरसी के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि जलस्तर में गिरावट दर्ज होने के बाद ब्लू लाइन पर यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश और निकास फिर से खोल दिया गया है। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण गुरुवार को स्टेशन पर प्रवेश और निकास बंद कर दिया गया था। ब्लू लाइन के यमुना बैंक स्टेशन से यात्रियों का आवागमन शुरू कर दिया गया है। इसके अप्रोच रोड पर पानी भरने के कारण इस स्टेशन से यात्रियों का आवागमन 13 जुलाई को बंद कर दिया गया था। इसके बाद इस स्टेशन से सिर्फ इंटरचेंज की सुविधा भी। तीन दिन बाद इस स्टेशन को खोल दिया गया है।

दिल्ली मेट्रो अधिकारियों ने गुरुवार को जलभराव के कारण यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के दुर्गम हो जाने के बाद वहां प्रवेश निलंबित कर दिया था। डीएमआरसी ने एक ट्वीट में कहा, यमुना नदी के बढ़ते जल स्तर के कारण, यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क फिलहाल दुर्गम है। कृपया अपनी यात्रा की योजना इसके अनुसार ही बनाएं और वैकल्पिक मार्गों पर विचार करें। हालांकि, इंटरचेंज सुविधा उपलब्ध है। नदी पिछले एक सप्ताह से उफान पर है, जो बुधवार को बढ़कर 207.71 मीटर हो गई, जिसने 1978 में बनाए गए 207.49 मीटर के अपने सर्वकालिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में बाढ़ आ गई। इस बार जलस्तर 208.66 मीटर पहुंच गया, जो पिछले बार से 1.17 मीटर ऊपर था और खतरे के निशान (205.33 मीटर) से 3.33 मीटर बह रही थी। रविवार दोपहर 2 बजे यमुना का जलस्तर 205.78 मीटर दर्ज किया गया है। उम्मीद लगाई जा रही हैं कि आज रात तक यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे पहुंच जाएगा। दिल्ली में यमुना का चेतावनी बिंदु 204.50 मीटर है।

दिल्ली के शास्त्री पार्क में व्यक्ति का शव पड़ा मिला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने कहा कि (रविवार) सुबह करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति का शव यहां शास्त्री पार्क इलाके के बेला फार्म में पड़ा है।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला, जिसके शरीर पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति की पहचान का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है और इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने कहा कि (रविवार) सुबह करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति का शव यहां शास्त्री पार्क इलाके के बेला फार्म में पड़ा है।

मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस दल ने एक व्यक्ति का शव बरामद किया, जिसकी गर्दन और पेट पर चोट के निशान थे।

उपायुक्त ने कहा माना जा रहा है कि चोट किसी धारदार हथियार से लगी है।

उन्होंने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति को किसी और स्थान पर मारा-पीटा गया और बाद में शव को बेला फार्म में फेंक दिया। उन्होंने कहा कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही व्यक्ति की पहचान का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है और मामले की जांच चल रही है।

कांग्रेस दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी- वेणुगोपाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस ने रविवार को साफ किया कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी और देश में संघवाद को ध्वस्त करने के केंद्र सरकार के ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी का रुख साफ है कि वह राज्यपालों के जरिए विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में हस्तक्षेप करने के केंद्र के ऐसे किसी भी कदम का विरोध करेगी और उसने संसद में दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश पर विधेयक पेश किये जाने पर इसका विरोध करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हम संघवाद को खत्म करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हम विपक्ष द्वारा शासित राज्यों को राज्यपालों के जरिए चलाने के केंद्र सरकार के रवैये का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, हम दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का समर्थन नहीं करने वाले हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस का स्पष्ट विरोध एक सकारात्मक घटनाक्रम है। आप के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राघव चड्ढा ने ट्वीट किया, कांग्रेस ने दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का स्पष्ट विरोध करने की घोषणा की है। यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस संसद में आने वाले महत्वपूर्ण मामलों पर फैसला लेने के लिए सत्र से पहले आम तौर पर संसद की अपनी रणनीति समिति की बैठक बुलाती है। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश का समर्थन करेगी या विरोध, इस पर वेणुगोपाल ने कहा, कल, हमने बैठक की थी और हमने पहले ही फैसला ले लिया है। उन्होंने कहा, न केवल दिल्ली अध्यादेश, बल्कि देश की संघीय व्यवस्था को नष्ट करने वाला और राज्यपाल का इस्तेमाल कर राज्य के मामलों में दखल देने के किसी भी प्रयास का हम समर्थन नहीं करेंगे। इसी तरह, दिल्ली अध्यादेश का भी हम समर्थन नहीं कर रहे हैं। यह बहुत स्पष्ट है। कांग्रेस के दिल्ली अध्यादेश मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने के साथ ही वेणुगोपाल ने उम्मीद जतायी कि आप अब बेंगलुरु में विपक्ष की आगामी बैठक में भाग लेगी। कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे लगता है कि कल वे बैठक में भाग ले रहे हैं। हमारा ऐसा मानना है।बहरहाल, आप ने अभी यह साफ नहीं किया है कि वह सोमवार से बेंगलुरु में शुरू हो रही कई विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी या नहीं। पार्टी ने पहले कहा था कि जब तक कांग्रेस संसद में दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का विरोध करने में उसका समर्थन नहीं करेगी, तब तक वह ऐसी किसी बैठक में शामिल नहीं होगी।

सौतेले बाप ने पिता-पुत्री के रिश्ते को किया शर्मसार गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दक्षिण पश्चिमी जिले के वसंत विहार थाना इलाके में एक सौतेले पिता द्वारा पिता-पुत्री के रिश्ते को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। आरोपित पिता पिछले करीब छह सालों से अपनी दो नाबालिग बेटियों के साथ दुष्कर्म और यौन शोषण की वारदात को अंजाम दे रहा था।

सात जुलाई को वसंत विहार थाना पुलिस ने बच्चियों और उनकी मां की शिकायत पर आरोपित पिता के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित सौतेले पिता की पहचान रबिंद्र के रूप में हुई है।

16 और 14 साल की बेटियों के साथ की दरिंदगी

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों पीड़ित 16 व 14 वर्षीय किशोरियां अपनी मां और सौतेले पिता के साथ रहती थीं। पीड़ित बच्चियों की मां किसी निजी कंपनी में काम करती हैं। दिन में जब वह काम के लिए चली जातीं तो आरोपित बच्चियों के साथ अश्लील हरकतें करता और उनका यौन शोषण किया करता था। 10 साल की हुई बेटी तो बाप ने शुरू की अश्लील हरकत करना बच्चियों के सगे पिता साल 2012 में उनकी मां के साथ बच्चियों को छोड़कर चले गए थे, जिसके बाद साल 2013 में पीड़ित बच्चियों की मां ने रबिंद्र से शादी कर ली। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन जब बड़ी बेटी करीब 10 साल की हुई तो आरोपित ने उनके साथ अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दी, जिसके बाद यह सिलसिला लगातार चलता रहा। इससे परेशान होकर बड़ी बेटी ने जब सौतेले पिता की दरिंदगी के बारे में अपनी मां को बताया तो पूरा मामला खुलकर सामने आया। तंग आकर मां को सुनाई आपबीती 16 वर्षीय किशोरी ने अपनी मां को बताया कि उसके सौतेले पिता रबिंद्र पिछले करीब छह सालों से उनके साथ यौन शोषण व दुष्कर्म कर रहे हैं। पहली बार आरोपित ने 2017 में पीड़ित किशोरी के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। मामला सामने आने के बाद छोटी बेटी ने बताया कि आरोपित सौतेले पिता ने उनका भी यौन शोषण किया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपित सौतेले पिता को गिरफ्तार लिया है।

आज दिल्ली के शाहदरा जिले में स्थित राहत शिविर का दौरा किया

नई दिल्ली। मौजूदा बाढ़ के हालातो को देखते हुए केजरीवाल सरकार के सभी मंत्रियो को दिल्ली के अलग -अलग जिले के बचाव, राहत और पुनर्वास कार्य की निगरानी और पर्यवेक्षण संबंधित कार्यो की जिम्मेदारी सौपी गई है` इसी के तहत आज दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के शाहदरा जिले में पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का सभी संबंधित अधिकारियों के साथ दौरा कियो` शिविर में सफाई और मेडिकल सुविधा सुनिश्चित करने के विशेष निर्देश दिए गए है। सभी संबंधित अधिकारियो को बाढ़ राहत शिविरों में रहने,खाने-पीने,शौचालय, सहित सभी जरूरी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए` साथ ही जिलाधिकारी को टीमें अलर्ट पर रखने और जरुरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें तैनात किए जाने के निर्देश भी जारी किए गए राहत शिविरों का जायजा लेने के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मिडिया से बातचीत करते हुए बताया कि आपदा की इस परिस्थिति में केजरीवाल सरकार ने हर तरह के खतरे से निपटने के लिए कमर कस ली है` बाढ़ के हालातो को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा सभी मंत्रियो को दिल्ली के अलग अलग जिले के बचाव, राहत और पुनर्वास कार्य की निगरानी और पर्यवेक्षण संबंधित कार्यो की जिम्मेदारी सौपी गई है` इसी के चलते आज हमने शाहदरा जिले के पुराना लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का जायजा लिया है` साथ ही राहत और बचाव कार्यो की समीक्षा भी की` यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए यहाँ सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियो को त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी दिए गए है उन्होंने बताया की आपदा प्रभावित लोगो के लिए सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की इससे प्रभावित होने वाले लोगों को की मदद करे और उन्हें हर जरुरी सुविधाएँ मुहैया करवाएं` इसी के चलते बाढ़ प्रभावित इलाको से लोगों को निकालने और उन्हें सुरक्षित इन राहत शिविरों में लाने का काम तेजी से चल रहा है` इन राहत शिविरों में लोगों के लिए रहने,भोजन,पानी, मेडिकल व अन्य जरुरी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है। इन शिविरों में लोगों की सुविधा के लिए दरी और गद्दें की भी व्यवस्था की गई है। खासतौर पर इन कैम्पों में बहुत से बच्चे भी है जिनके लिए मेडिकल सुविधा सुनिश्चित की गई है

भाजपा कार्यकताओं पर लाठीचार्ज का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई से जांच की मांग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पटना में भाजपा कार्यकताओं पर 13 जुलाई को हुए पुलिस लाठीचार्ज का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में शनिवार को एक जनहित याचिका दाखिल हुई,जिसमें लाठीचार्ज की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित एसआइटी से कराए जाने की मांग की गई है। लोगों ने यह भी कहा कि यदि यह संभव हो तो मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए।

यह याचिका पटना के रहने वाले भूपेश नारायण ने दाखिल की है। इसमें बिहार सरकार के अलावा बिहार के डीजीपी, पटना के एसएसपी, पटना के डीएम और बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को प्रतिवादी बनाया गया है। सीबीआई को भी मामले में प्रतिवादी बनाया गया है। यह याचिका वकील बरुण कुमार सिन्हा के जरिये दाखिल की गई। इस जनहित याचिका में कहा गया है कि 13 जुलाई को भाजपा द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से निकाले जा रहे मार्च को किसी भी कीमत पर तितर-बितर करने की साजिश रची गई थी। इसी मंशा से गांधी मैदान में जहां भाजपा कार्यकर्ता और नेता एकत्र हुए थे, वहां बड़ी संख्या में पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई थी। कहा गया है कि भाजपा द्वारा शांतिपूर्ण मार्च निकाले जाने की सूचना पहले ही प्रशासन को दे दी गई थी। इस प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा सरकार की शिक्षक भर्ती नीति और राज्य के युवाओं को राज्य की नौकरियों में रोजगार से वंचित रखने को लेकर था।

मार्च शांति पूर्ण ढंग से निकल रहा था, लेकिन जैसे ही मार्च डाक बंगला चौक पहुंचा पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को घेर लिया और लाठीचार्ज करना शुरू कर दिया। आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए और वाटर कैनन का भी पुलिस ने प्रयोग किया। पुलिस द्वारा किये गए बर्बर लाठीचार्ज में आई चोटों से भाजपा के जहानाबाद यूनिट के पदाधिकारी विजय कुमार की मौत हो गई। सांसद जनार्दन सिगरीवाल और विधायक केदार गुप्ता को सिर और छाती पर चोटें आईं।

आप को बता दें कि इस लाठी चार्ज में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं को गंभीर चोटें आईं। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को पता है कि बिहार सरकार ने पुलिस की कार्रवाई से हुई मौत और आई चोटों के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है। इसीलिए, यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट सीबीआइ को आदेश दे कि वह पुलिस लाठीचार्ज के मामले की स्थानीय पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआइआर अपने हाथ में ले ले और घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की भूमिका की जांच करे।

90 नहीं अब और भी सस्ता मिलेगा टमाटर

- मौजूदा बाजार कीमत के आधार पर टमाटर को और सस्ते दामों में बेचा जाएगा और सोमवार से इस लिस्ट में और भी शहर जुड़ जाएंगे।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर सहित अन्य शहरों में अब केंद्र सरकार खुदरा बाजारों में 80 रुपये किलो टमाटर बेचेगी। इससे लोगों को सब्जी पर बढ़ती महंगाई से राहत मिलेगी। इससे पहले टमाटर 90 किलो मिल रहे थे। शुक्रवार को केंद्र ने मोबाइल वैन के जरिए दिल्ली-एनसीआर में 90 रुपये किलो की रियायती दर पर टमाटर बेचना शुरू कर दिया। इस लिस्ट में शनिवार को और भी शहर जोड़े गए थे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि देश में कई स्थानों पर, जहां कीमतें असाधारण रूप से ज्यादा थीं, टमाटर को 90 रुपये किलोग्राम की रियायती दर पर बेचने के सरकार के हस्तक्षेप के कारण टमाटर की थोक कीमतों में कमी आई है। इन शहरो में शुरू हो गई बिक्रीबयान में कहा गया कि देशभर में 500 से अधिक जगहों पर स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करने के बाद रविवार (16 जुलाई) से टमाटर को 80 रुपये प्रति किलोग्राम बेचने का फैसला किया गया है। सहकारी समितियों और ठउउऋके माध्यम से दिल्ली, नोएडा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, पटना, मुजफ्फरपुर और आरा में कई जगहों पर रविवार को बिक्री शुरू हो गई है।

मौजूदा बाजार कीमत के आधार पर टमाटर को और सस्ते दामों में बेचा जाएगा और सोमवार से इस लिस्ट में और भी शहर जुड़ जाएंगे। साथ ही कहा कि भारत सरकार उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) केंद्र की ओर से मोबाइल वैन के माध्यम से टमाटर बेच रहे हैं। मानसून की बारिश और कम मौसम के कारण प्रमुख शहरों में खुदरा बाजार में टमाटर की कीमतें 250 रुपये प्रति किलोग्राम तक के ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। सरकार के अनुसार, शनिवार को अखिल भारतीय औसत कीमत लगभग 117 रुपये प्रति किलोग्राम थी। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, टमाटर की औसत अखिल भारतीय खुदरा कीमत शनिवार को 116.86 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि अधिकतम दर 250 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम दर 25 रुपये प्रति किलोग्राम थी। टमाटर का मॉडल प्राइस 100 रुपये प्रति किलो था।

भव्यता के साथ संपन्न शिव रात्रि का पर्व

प्रात : किरण संवाददाता

उत्तर पूर्वी दिल्ली : पुरी दिल्ली में जगह- जगह कावरियो के लिए ठहरने व जलपान की व्यवस्था का इंतजाम रहा वही आकर्षक का केंद्र रहा ब्रह्मपुरी स्थित मौनी बाबा मंदिर रहा

जहाँ मौनी बाबा मंदिर काँवर सेवा समिति के द्वारा पूरे मंदिर प्रांगण में भगवान महाकाल की आकृति बर्फ के द्वारा सजाई गई, पूरे पंडाल में कावरियों के द्वारा भजन नृत्य का दृश्य भी अद्भुत रहा तरह- तरह की झंकियों नें लोगो का मन मोह लिया भोजन प्रसाद में भोंलो के लिए टिक्की, छोले भठूरे, आइसक्रीम, चाट, दूध पकोड़ी आदि का भरपूर इंतजाम रहा इस सुंदर व्यवस्था को सुचारु रूप से व्यवस्थित किया गया जिसमे परशुराम रावत, अशोक शास्त्री, राम कुमार भदौरिया, जीत राम शर्मा, सुनील राठी सतीश राघव, दीपक टिल्लू, संजय (संजू) आदि बहुत से लोग शामिल रहे

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जुलाई, 2023

दिल्ली में बाढ़ पर आप-भाजपा में रार के बीच आया असम के उट का बयान, दोष देने से समस्या का समाधान नहीं होता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में बाढ़ को लेकर आम आदमी पाट और भाजपा में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब इस मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का भी बयान आया है।

उन्होंने कहा कि मैं कई बयान देख रहा हूं कि पानी हरियाणा और यूपी से आ रहा है, हमें अरुणाचल प्रदेश और भूटान से भी पानी मिलता है लेकिन हम पानी के लिए उनकी आलोचना नहीं करते क्योंकि हमारा मानना है कि यह एक प्राकृतिक घटना है और हमें एक वैज्ञानिक समाधान स्थापित करना होगा। इसके लिए दूसरे राज्य की सरकार को दोष देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है, यह आपकी समस्या है और आपको इसे स्वयं ही हल करना होगा।

आप नेताओं ने दिल्ली के खिलाफ साजिश रचने का लगाया आरोप आप नेताओं ने इससे पहले भाजपा पर हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से यमुना में भारी मात्रा में पानी छोड़ कर दिल्ली में बाढ़ की साजिश रचने का आरोप लगाया था। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा था, हथिनीकुंड से तीन जगहों दिल्ली, हरियाणा और यूपी को पानी जाता है। दिल्ली में जलस्तर खतरे के निशान को पार करने के बावजूद पानी की एक बूंद भी हरियाणा और यूपी की ओर नहीं भेजी गई, क्यों? क्या ऐसा इसलिए था क्योंकि ये दोनों राज्य बीजेपी शासित हैं? बीजेपी को जवाब देना चाहिए। क्या यह दिल्ली के लोगों के खिलाफ एक साजिश थी? क्या बोले हिमंता बिस्वा सरमा? उन्होंने कहा कि मैं कई बयान देख रहा हूं कि पानी हरियाणा और यूपी से आ रहा है, हमें अरुणाचल प्रदेश और भूटान से भी पानी मिलता है लेकिन हम पानी के लिए उनकी आलोचना नहीं करते क्योंकि हमारा मानना है कि यह एक प्राकृतिक घटना है और हमें एक वैज्ञानिक समाधान स्थापित करना होगा। इसके लिए। दूसरे राज्य की सरकार को दोष देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है, यह आपकी समस्या है और आपको इसे स्वयं ही हल करना होगा इखढ ने की जांच की मांग भाजपा ने रविवार को इस बात की न्यायिक जांच की मांग की कि क्या अअढ सरकार द्वारा शहर में यमुना नदी और नालों से गाद निकालने का काम किया गया था? अगर किया गया तो इस पर कितना पैसा खर्च किया गया था। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार द्वारा यमुना और नालों से गाद निकालने का कोई काम नहीं किया गया और इस विफलता के कारण दिल्ली में बाढ़ आई। सचदेवा ने आप सरकार पर भ्रष्टाचार और लापरवाही को बाढ़ का कारण बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता वाली बाढ़ नियंत्रण पर शीर्ष समिति की बैठक पिछले दो वर्षों में नहीं हुई है।

सूचना

- आप नेताओं ने इससे पहले भाजपा पर हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से यमुना में भारी मात्रा में पानी छोड़ कर दिल्ली में बाढ़ की साजिश रचने का आरोप लगाया था।
- दूसरे राज्य की सरकार को दोष देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है, यह आपकी समस्या है

यमुना में बाढ़: भाजपा ने आप पर लापरवाही का आरोप लगाया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने रविवार को इस बारे में न्यायिक जांच कराने की मांग की कि शहर की आप सरकार ने यमुना से गाद और नालों की सफाई कराई है या नहीं, और अगर कराई है तो इस पर कितना धन खर्च हुआ है। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने यमुना और नालों से गाद की सफाई नहीं कराई और इसी कारण से दिल्ली में बाढ़ आई है।

सचदेवा ने कहा, हम इसकी न्यायिक जांच कराने की मांग करते हैं कि केजरीवाल सरकार ने यमुना और नालों से गाद निकलवाई है या नहीं और अगर ऐसा हुआ है तो इस पर कितना खर्च हुआ है। बाढ़ के लिए आप सरकार के भ्रष्टाचार और लापरवाही को जिम्मेदार बताते हुए सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत बाढ़ नियंत्रण संबंधी सर्वोच्च समिति की पिछले दो साल में कोई बैठक नहीं हुई है। भाजपा के विधि प्रकोष्ठ की सह-समन्वयक बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर आरोप लगाया कि वह बाढ़ से निपटने में अपनी असफलताओं पर झूठ का पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। इससे पहले आप नेताओं ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया था कि उसने हरियाणा के हथिनीकुंज बैराज से यमुना में बहुत ज्यादा पानी छोड़ा है और दिल्ली में बाढ़ लाने का षड्यंत्र रचा है।

आईटीओ बैराज के बंद फाटक खोलने पहुंची नौसेना की टीम

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आईटीओ ब्रिज बैराज के सभी फाटक नहीं खुलने से यमुना के बहाव में बाधा आ रही है। समस्या दूर करने के लिए शनिवार को मुंबई से नौसेना की टीम दिल्ली पहुंची। रविवार को इनकी मदद से चार बंद फाटकों को खोलने की कोशिश होगी।

आईटीओ ब्रिज बैराज पर 32 फाटक हैं, जिनमें से पांच पिछले कई दशकों से नहीं खुले थे। इससे ओखला की तरफ पानी का बहाव सही तरह से नहीं हो रहा है। बीते दो दिनों से इसे खोलने की कोशिश हो रही है। सेना की मदद से शुक्रवार रात एक फाटक को खोला गया है। शनिवार को शेष चार फाटक खोलने की कोशिश जारी रही, लेकिन सफलता नहीं मिली है। जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर कहा कि मुंबई से नौसेना की टीम दिल्ली पहुंच गई है। गोताखोर भी बुलाए गए हैं। रविवार को सभी फाटक खोल दिए जाने की उम्मीद है।

भारतीय सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स कर्नल तेजिंदर सिंह ने बताया कि मैं और मेरी टीम यहां आए और प्रारंभिक मूल्यांकन किया और अपने संसाधन जुटाए। स्थिति का विश्लेषण करने के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि एक बंड की आवश्यकता है हमने अपने संसाधन जुटाए और शुरूआती बांध का निर्माण शुरू किया जिसमें लगभग 8-9 घंटे लगे। यह बांध यमुना नदी को शहर में प्रवेश करने से रोक रहा है।

भारतीय नौसेना गोताखोरी टीम के कैप्टन संजय कादियान ने कहा कि हमें जानकारी मिली कि यहां 5 गेट नहीं खुल रहे हैं। हमसे गेट काटने को कहा गया। मैं अपने साथ 6 गोताखोर लाया। आकलन करने पर पता चला कि यहां गाद भरने से दिक्कत हो रही है। सबसे ज्यादा गाद वाला पहला गेट कल शाम को खोला गया था। अब हम गेट नंबर 2 को खोलने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली अध्यादेश के खिलाफ आप को मिला कांग्रेस का साथ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी संसद के मानसून सत्र से पहले NCCSA के अध्यादेश को राज्यसभा में रोकने के लिए विपक्षी दलों को लामबंद करने में जुटी है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी को समर्थन देने की बात कही है, जिसके बाद राघव चड्ढा ने ट्वीट करते हुए कहा है कि अब कांग्रेस ने भी समर्थन दे दिया है। इसके बाद राघव चड्ढा ने एएनआई से बात करते हुए कहा, मैंने ट्वीट करके अपनी बात रखी है। ढअउ की बैठक बुलाई गई है। बैठक में जो चर्चा होगी होगी उसके बात हम चर्चा कर निर्णय लेंगे। आप को मिला कांग्रेस का साथ

दरअसल, कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि आप कल बैठक में शामिल होने जा रही हैं, जहां तक अध्यादेश का सवाल है। हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि हम इस अध्यादेश का समर्थन नहीं करने जा रहे हैं।

वहीं, कांग्रेस महासचिव की इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए आप के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली अध्यादेश का स्पष्ट विरोध करने की घोषणा की है। आप नेता राघव चड्ढा का ट्वीट सामने आने के बाद उम्मीदें लगाई जा रही हैं कि आम आदमी पार्टी को कांग्रेस का ठउउरअ पर समर्थन मिल गया है। हालांकि, अभी इस बारे में कोई भी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। हम अध्यादेश के विरोध में हैं- पवन खेड़ा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने भी कहा, हमारा मत हमेशा स्पष्ट था कि संघीय ढांचे पर कभी भी और कहीं भी कोई हमला हो, हम उसके खिलाफ हैं। जब से ये(भाजपा) सरकार आई है, पिछले 9 साल से संघीय ढांचे पर हमले बोले जा रहे हैं। ये संघ की विचारधारा ही ऐसी है कि ये लोग संघीय ढांचे को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। राज्यों के अपने अधिकार क्षेत्र होते हैं जिस पर मोदी सरकार हमले करती आई है। दिल्ली का जो अध्यादेश केंद्र सरकार लाई है, हम उसके विरोध में हैं।

बेंगलुरु में लगे केजरीवाल के पोस्टर बेंगलुरु में केजरीवाल के पोस्टर लग गए है। जैसे ही कांग्रेस ने अध्यादेश को लेकर आम आदमी पार्टी का समर्थन देने की बात की है, वैसे ही बेंगलुरु में उनके स्वागत के लिए पोस्टर लग गए हैं।

यमुना में जलस्तर घटने पर उत्तरी दिल्ली के निवासी अपने घरों की ओर लौटे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

यमुना नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद उत्तरी दिल्ली के लोग अपनी दुकानों और घरों की तरफ लौटने लगे हैं। ये लोग बाढ़ आने के कारण अपने घरों और दुकानों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए थे।

कुछ लोग कश्मीरी गेट के पास मॉनेस्ट्री बाजार में अपनी दुकानों का जायजा लेने के लिए लौटे, जहां पिछले हफ्ते भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई थी और निवासियों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी थी। बाढ़ के कारण प्रशासन को आईटीओ बैराज के जाम हो चुके द्वारों को खोलने के लिए नौसेना की मदद लेनी पड़ी। नौसेना ने शुक्रवार को बैराज का एक द्वार खोल दिया, जबकि 32 में से चार द्वार अब भी जाम हैं। रविवार को यमुना नदी का जलस्तर 205.98 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को रात आठ बजे यह 208.66 मीटर पर था।

यमुना नदी में जलस्तर शनिवार को घटना शुरू हुआ था, लेकिन देर शाम को बारिश के कारण कई सड़कों पर जलभराव से स्थिति और बिगड़ गई। मौसम विभाग ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का अनुमान जताया है।

इमरान हुसैन ने बाढ़ राहत शिविरों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निदेर्शों का पालन करते हुए दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने आज दिल्ली के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के सभी कैबिनेट मंत्रियों को बाढ़ से प्रभावित छह जिलों में लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने की जिम्मेदारी सौंपी है इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने दिल्ली के खाद्य-आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है । मुख्यमंत्री के निदेर्शों का अनुपालन और दिल्ली में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए खाद्य-आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन जिलाधीश मध्य के साथ साथ प्रवीण कुमार गुप्ता(मध्य जिला प्रभारी), विवेक पांडे, अशोक कुमार चौधरी, भूपेश चौधरी, प्रवीर कुमार सिंह, अजय कुमार एवं गुरप्रीत सिंह (जिन्हें सभी प्रकार के बचाव, राहत एवं पुनर्वास कार्यों की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए मुख्य सचिव, दिल्ली के द्वारा नियुक्त किया गया) के साथ मध्य जिले के सभी बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया । इस दौरान एडिशनल जिलाधीश, मध्य, एसडीएम (कोतवाली) और एसडीएम (सिविल लाइन्स) सहित स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी, डीजेबी, एमसीडी से संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। मंत्री ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में चल रहे बाढ़ राहत शिविरों में बचाव, राहत और पुनर्वास कार्यों का निरीक्षण किया। जिसमें राहत शिविरों में आवश्यक सेवाएं, भोजन, पानी, बिजली, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना शामिल है।गीता कॉलोनी, आईटीओ पुल पर बाढ़ राहत शिविर में विजिट के दौरान इमरान हुसैन ने बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत की और उन्होंने माननीय मंत्री को बताया कि पर्याप्त पानी और शौचालय की सुविधा उपलब्ध रिलीफ कैंप में है और जरूरतमंद लोगों को दवाएं भी दी जा रही हैं। माननीय मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शिविरों में सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं और प्रभावित लोगों के सामने आने वाली किसी भी अन्य समस्या का समय पर समाधान किया जाये । बाढ़ प्रभावित लोग केजरीवाल सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं जैसे भोजन, पानी, चिकित्सा सुविधा और पर्याप्त ठहरने व टेंट की वयवस्था जैसी सुविधाओं से संतुष्ट पाए गए। राहत और बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए खाद्य-आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने गोल्डन जुबली पार्क और ओल्ड आयरन ब्रिज एरिया में बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया और प्रभावित लोगों से बातचीत की। मंत्री ने शिविर में कम से कम 100 और लोगों के लिए अतिरिक्त टेंट की व्यवस्था के निर्देश दिए। मंत्री ने शिविर में पानी का टैंकर, पशु चारा एवं प्रकाश व्यवस्था तत्काल उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। मंत्री ने जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए राहत शिविरों के आस पास फोगिंग करने का भी निर्देश दिया। बेला गाँव बाढ़ राहत शिविर में निरीक्षण के दौरान इस शिविर स्थल पर स्थानांतरित किए गए लोगों ने मंत्री को बताया कि यहां पर्याप्त पानी और भोजन की सुविधा उपलब्ध है।

सीयूईटी के परिणाम हुए घोषित

सीयूईटी स्नातक के परिणाम जारी हो गए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण एक से दो दिन में शुरू हो सकता है। डीयू प्रशासन के सूत्रों की माने तो सोमवार से दूसरे चरण की प्रक्रिया को जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद डीयू में प्रवेश के लए आवेदन करने वाले छात्र कालेज और कोर्स के विकल्प भर सकेंगे।

उम्मीद की जा रही है कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में डीयू प्रवेश की पहली सूची जारी कर देगा। दिल्ली विश्वविद्यालय ने 14 जून को प्रवेश प्रक्रिया शुरू करते हुए कामन सीट अलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) की शुरूआत की थी। सीयूईटी के परिणाम घोषित होने तक पहला चरण चल रहा था। अभी तक 228398 छात्रों ने डीयू में प्रवेश के लिए पंजीकरण कराए हैं। 167940 ने अभी तक पंजीकरण शुल्क भी जमा कर दिया है। पहले चरण में छात्रों ने अपनी व्यक्तिगत जानकारियां भरी हैं। डीयू ने 78 स्नातक और 198 बीए प्रोग्राम का संयोजन किया है पेशउम्मीद की जा रही है कि सोमवार से दूसरा चरण शुरू हो जाएगा। इसके बाद छात्र 68 कालेजों में 71 हजार सीटों के लिए कोर्स का चुनाव कर सकेंगे। डीयू ने 78 स्नातक और 198 बीए प्रोग्राम का संयोजन पेश किया है। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि कालेज और कोर्स के विकल्प भरने के बाद जुलाई के अंत तक प्रवेश की पहली सूची जारी कर दी जाएगी।

सीयूईटी के परिणाम छात्रों को नहीं भरने होंगे। उन्हें केवल कालेज व कोर्स के विकल्प ही देने होंगे। परिणाम विश्वविद्यालय सीधे एनटीए से लेगा। इसके आधार पर मेरिट सूची जारी की जाएगी। जो छात्र प्रवेश से वंचित रह जाएंगे। उनके लिए मिड एंट्री की व्यवस्था भी गई है। वे पंजीकरण कराकर प्रवेश ले सकेंगे।अगर छात्रों के सीयूईटी के अंक समान होंगे तो ऐसी स्थिति में 12वीं के तीन विषयों के अंकों के आधार पर मेरिट का चुनाव किया जाएगा। डीयू ने इस वर्ष 16 अगस्त से सत्र शुरू किए जाने की घोषणा की है। हालांकि सीयूईटी के परिणामों में देरी से यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है।

राजस्थान का कुख्यात गैंगस्टर कैलाश मांझू चढ़ा दिल्ली पुलिस के हत्थे36 के आंकड़े

- एनएसए की तरह राजस्थान पुलिस ने राज पाशा लगाया हुआ है जिससे वह राजस्थान छोड़कर पड़ोसी राज्यों में छिपता फिर रहा है।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

स्पेशल सेल के काउंटर इंटेलीजेंस ने राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर कैलाश मांझू को गिरफ्तार कर लिया है। उसे दक्षिण दिल्ली इलाके से गिरफ्तार किया गया। कैलाश, जोधपुर के एक गांव का सरपंच रह चुका है। उसके पिता और पत्नी भी सरपंच रह चुके हैं। उसके पास से प्वाइंट 32 बोर की एक पिस्टल व आठ कारतूस बरामद किए गए हैं।

स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कैलाश कुछ समय पहले अपने किसी शूटर से मिलने दिल्ली आया था। राजस्थान पुलिस से सूचना मिलते ही उसे हथियार के साथ दबोच लिया गया। वह कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई का कट्टर दुश्मन माना जाता है। स्पेशल सेल का कहना है कि कैलाश 2008 में अपराध की दुनिया में कदम रखा। उसका राजस्थान के कुछ इलाकों में काफी दबदबा है इसलिए वह और उसके परिवार के कई सदस्य सरपंच का चुनाव जीत चुके हैं।

50 से अधिक संगीन आपराधिक मामले हैं दर्ज कैलाश पर राजस्थान के कई थानों में 50 से अधिक संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उस पर एनएसए की तरह राजस्थान पुलिस ने राज पाशा लगाया हुआ है जिससे वह राजस्थान छोड़कर पड़ोसी राज्यों में छिपता फिर रहा है। सेल का कहना है कि कई वर्ष पूर्व राजस्थान की जेल में कैलाश की लारेंस से मुलाकात हुई थी, जिसके बाद दोनों ने गठजोड़ कर साथ-साथ रंगदारी रैकेट शुरू किया था। उसी दौरान लारेंस ने जब मांझू के ही गांव के कुछ प्रभावशाली और अमीर लोगों को धमकी देकर उनसे रंगदारी वसूलना चाहा तब यह बात कैलाश को नागवार गुजरी और दोनों अलग होकर एक दूसरे के कट्टर दुश्मन बन गए। उसके बाद लारेंस ने पंजाब के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने हाथ मिला लिया। दोनों ने अपने गुर्गों के जरिए कैलाश व उसके भाई गैंगस्टर राकेश मांझू पर जानलेवा हमला करया। उनपर अलग-अलग जगहों पर फायरिंग कराई। आनंदपाल गिरोह से कनेक्शन कैलाश मांझू राजस्थान के कुख्यात डॉन आनंदपाल के गिरोह से भी जुड़ा हुआ है। आनंदपाल का राजस्थान के कुछ जिलों में लारेंस की तरह ही आतंक है। आनंदपाल के कई शूटरों को स्पेशल के डीसीपी मनीषी चंद्रा की टीम पहले गिरफ्तार कर चुकी है।

जिन लोगों के महत्वपूर्ण दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह गए, उनके लिए शिविर लगाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को घोषणा की कि सरकार उन लोगों के लिए विशेष शिविर लगाएगी, जिनके आधार कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह गए हैं। केजरीवाल ने उत्तरी दिल्ली के मोरी गेट में एक राहत शिविर का दौरा करने के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, सरकार उन लोगों के लिए विशेष शिविर लगाएगी, जिनके आधार कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बाढ़ के पानी में बह गए हैं। हम छात्रों के लिए फिर से स्कूल की वर्दी और किताबों की व्यवस्था करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार जलभराव की समस्या से जूझ रही सड़कों से पानी निकाल रही है और प्रभावित इलाकों में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। दिल्ली में रविवार को दोपहर एक बजे तक यमुना नदी का जलस्तर घटकर 205.85 मीटर पर आ गया था। जब केजरीवाल से पूछा गया कि क्या आम आदमी पार्टी (आप) बेंगलुरु में सोमवार और मंगलवार को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी, तो उन्होंने कहा कि राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) इस पर फैसला करेगी। कांग्रेस ने शनिवार को संकेत दिया था कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण को लेकर केंद्र के अध्यादेश का विरोध करेगी और आप का साथ देगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा, मुझे लगता है कि वे (आप नेता) कल बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। जहां तक अध्यादेश का सवाल है, हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। हम इसका समर्थन नहीं करेंगे।

बाढ़ प्रभावित नोएडा और दिल्ली में जानवरों को बचाने के लिए गैर सरकारी संगठन आगे आए

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में यमुना के जलस्तर में रिकॉर्ड वृद्धि के बाद जनजीवन अस्त-व्यस्त है। बाढ़ की वजह से दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है।

जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में संपत्तियों को नुकसान हुआ है तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए जटिल स्थिति पैदा हो गई है। यमुना में आई बाढ़ के बाद बचावकर्मियों की प्राथमिकता ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रभावित इलाकों से निकालने की रही। हालांकि, कई मामलों में आवारा कुत्तों, बेसहारा गायों, सांड़ और बिल्ली जैसे जानवरों को वहीं छोड़ दिया गया।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) पिछले कुछ दिनों में दिल्ली और नोएडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 900 से अधिक जानवरों को बचाने के लिए आगे आया। इसके अलावा, दो गैर सरकारी संगठनों ने भी 400 से अधिक कुत्तों को इन इलाकों से सुरक्षित निकाला।

फ्रेंडिकोज और नोएडा स्थित ह्यहाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स नामक गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने शहर के विभिन्न हिस्सों में अभियान चलाया और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से प्रभावित निचले इलाकों में फंसे सैकड़ों कुत्तों को बचाया।

दिल्ली में कहर बरपाने के बाद यमुना का जलस्तर शनिवार सुबह से कम होने लगा, लेकिन यह अभी भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से दो मीटर ऊपर बह रही है।

फ्रेंडिकोज के एक सदस्य ने बचाव अभियान के बारे में बताया कि उनके स्वयंसेवक समूह ने पिछले तीन दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित इलाकों से 150 से अधिक कुत्तों और 10 से अधिक गायों तथा अन्य संबंधित जानवरों को बचाया।उन्होंने कहा कि फ्रेंडिकोज स्वयंसेवक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फैले हुए हैं और बचाव अभियान चला रहे हैं। संबंधित संगठन के सदस्य ने कहा, ह्यहमने मयूर विहार, डीएनडी रोड, पूर्वी दिल्ली, नोएडा सेक्टर-135 से कुत्तों को बचाया। हमने जितना संभव हो सका, दिल्ली-एनसीआर में यमुना के पूरे हिस्से को कवर करने की कोशिश की। पिछले तीन दिनों में 150 से अधिक कुत्तों को बचाया गया है।

हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स नामक एनजीओ ने राष्ट्रीय राजधानी के निचले इलाकों में फंसे संकटग्रस्त जानवरों को बचाने के लिए अभियान चलाया और कम से कम 300 कुत्तों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। एनजीओ ने बचाए गए जानवरों के लिए नोएडा के सेक्टर 135 में एक चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया है।

एनजीओ के संस्थापक संजय महापात्र ने कहा, ह्यहमने निचले इलाकों में फंसे जानवरों को बचाया और कम से कम 300 कुत्तों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हमने नोएडा सेक्टर 135 से 10-12 भैंसों को भी बचाया। बचाए गए जानवरों के इलाज के लिए एक चिकित्सा शिविर स्थापित किया गया है

मौसम विभाग ने दिल्ली में और अधिक बारिश की संभावना व्यक्त की है। विशेषज्ञों की मानें तो अधिक बारिश की वजह से यमुना विकराल रूप ले सकती है और बाढ़ का पानी निकलने में सामान्य से ज्यादा समय लग सकता है तथा सड़कों पर जलभराव से दिल्लीवासियों की समस्या और भी बढ़ सकती है। दिल्ली पिछले एक सप्ताह से बाढ़ और जलभराव से जूझ रही है।

दिल्ली में आज झमाझम बारिश के आसार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में यमुना के पास कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने लोगों की चिंता बढ़ा दी हैं।

आईएमडी का कहना है कि अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली, हरियाणा और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जिसको लेकर विभाग ने शनिवार को येलो अलर्ट जारी किया था। इससे तापमान में भी आंशिक गिरावट के आसार हैं।

दो घंटें में बदलेगा दिल्ली का मौसम

मौसम विभाग ने रविवार सुबह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 3 घंटों के दौरान दिल्ली के मौसम में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन आने वाले 2 घंटों के दौरान दिल्ली के अलग-अलग स्थानों (जाफरपुर, पालम, आईजीआई हवाई अड्डे, आयानगर) के आसपास के इलाकों में हल्की से तेज बारिश हो सकती है।

अगले चार दिन दिल्ली में होगी बारिश वहीं, आईएमडी के वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने शनिवार को कहा, अगले 5 दिनों तक दिल्ली, हरियाणा और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावनाएं हैं। हम 17 और 18 जुलाई को बारिश में मामूली वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, दिल्ली में स्थानीय बारिश के कारण नहीं बाढ़ नहीं आई है, बल्कि हिमाचल और अन्य राज्यों से यमुना नदी में काफी पानी आया है, जिसकी वजह से यमुना में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है। उधर शनिवार को भी दिन भर सूरज और बादलों के बीच लुकाछिपी चलती रही, लेकिन देर शाम को दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश देखने की मिली थी। जिससे राजधानी का मौसम सुहावना हो गया है। कई स्थानों पर हल्की वर्षा भी हुई।

दिल्ली की हवा हुई साफ

शनिवार को एयर इंडेक्स में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस वजह से दिल्ली में हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी के करीब पहुंच गई लेकिन एयर इंडेक्स 100 होने के कारण हवा की गुणवत्ता संतोषजनक श्रेणी में बरकरार रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार वर्षा होने के कारण एयर इंडेक्स में सुधार होगा और अगले दो दिन दिल्ली में हवा की गुणवत्ता संतोषजनक बनी रहेगी।

सीपीसीबी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 100 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में है। एक दिन पहले दिल्ली का एयर इंडेक्स 73 था। गुरुग्राम का एयर इंडेक्स 88 व नोएडा का एयर इंडेक्स 95 दर्ज किया गया जो संतोषजनक है। फरीदाबाद का एयर इंडेक्स 158, गाजियाबाद का 108 व ग्रेटर नोएडा का एयर इंडेक्स 104 दर्ज किया गया जो मध्यम श्रेणी में है।

80 रुपये किलो के भाव पर बेचेगी टमाटर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर और कुछ अन्य क्षेत्रों में रविवार से टमाटर 80 रुपये किलोग्राम के भाव पर बेचने की घोषणा की है। टमाटर की ऊंची कीमतों से आम लोगों को राहत देने के लिए पहले सरकार इसकी बिक्री 90 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कर रही थी। सरकार ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल वैन के जरिये रियायती 90 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। शनिवार को कुछ अन्य शहरों में सरकार ने रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, सरकार के हस्तक्षेप के बाद टमाटर की थोक कीमतों में कमी आई है। सरकार ने देश में कई स्थानों पर 90 रुपये की रियायती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी। बयान में कहा गया है कि देश में 500 से अधिक स्थानों से मिली सूचनाओं के आधार पर सरकार ने स्थिति का आकलन किया है। अब सरकार ने रविवार 16 जुलाई से 80 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर टमाटर की बिक्री करने का फैसला किया है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी के बाइक के साथ एक गिरफ्तार

थावे। चोरी की बाइक के साथ पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि एसआई पिंटू कुमार पुलिस बल के साथ बिहार सिनेमा हॉल के पास वाहन जांच कर रहे थे। उसी दौरान सेमरा के तरफ से बाइक चलाते हुए एक युवक आया और पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। जिसे पुलिस बल द्वारा पकड़ लिया गया। युवक से बाइक का कागजात मांगने पर कोई साक्ष्य प्रस्तुत नही किया। जिसे पुलिस मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान बताया कि यह बाइक चोरी का है। जिसे मैं चलाता हुँ। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार युवक कुचायकोट थाना के मरियारा फार्म के अनिल कुमार बताया जाता है। उससे पूछताछ के बाद बाइक चोरी के आरोप में उसे रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मोमोज खाने से युवक की मौत मामले में पिता ने दो पर कराई प्राथमिकी

थावे। थावे थाना क्षेत्र के सिहोरवा गांव के युवक की मोमोज खाने से हुयी मौत के बाद मृतक के पिता ने थाने में दो लोंगो के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। विशुन मांझी ने अपने फर्द बयान में आरोप लगाया है कि मेरा पुत्र विपिन कुमार पासवान 13 जुलाई को हर दिन की भांति आठ बजे सीवान जिले के बड़हरिया थाना के ज्ञानी मोड़ पर दीनबंधु भगत के मोबाइल दुकान पर काम करने गया था। सात बजे अपने घर पर सुनील पासवान ने फोन किया कि बिपिन के साथ कुछ घटना घटी है। तब हम सभी लोग सपरिवार के साथ ज्ञानी मोड़ मोमो बेचने वाले दुकान पर पहुचे तो विपिन भी मोमो खा रहा था। कुछ समय बाद वह गिर गया। इलाज के लिए बड़हरिया डॉक्टर के पास ले गए। जहॉ डॉक्टर द्वारा जांच कर मृत घोषित कर दिया गया। जिसको लेकर मृतक विपिन के पिता विशुन मांझी ने थाने में सीवान जिले के बड़हरिया थाना के मुसहरी गांव के अवध किशोर राम और बच्चा सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया है कि शंका है कि अवध किशोर और बच्चा सिंह द्वारा मोमोज में जहरीला पदार्थ खिलाया गया है। जिसके कारण मेरे पुत्र की मृत्यु हो गई है। थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार ने बताया कि मामले की जांच पडताल की जा रही है।

दरियापुर मुखिया संघ का चुनाव संपन्न

छपरा। दरियापुर प्रखण्ड क्षेत्र के पंचायत सरकार भवन बेला में मुखिया संघ की बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुखिया उपेंद्र सिंह ने की। बैठक में मुखिया संघ के पुनर्गठन को लेकर सभी सदस्यों के बीच चर्चा की गई। जिसके उपरांत पूर्व के कार्यकारिणी को भंग करते हुए फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। जिसमें सभी सदस्यों के द्वारा सर्वसम्मति से सज्जनपुर मटिहान के युवा मुखिया चंद्रशेखर सिंह को मुखिया संघ का अध्यक्ष मनोनित किया गया।

डोमिसाइल नीति लागु करने के लिए जन अधिकार पार्टी का राज्यव्यापी रोड जाम कार्यक्रम

फोटो न0- 11 जानकारी देते जाप नेता

छपरा। बनियापुर में जन अधिकार पार्टी के सुप्रीमो राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव जी के नेतृत्व मे शिक्षक भर्ती सहित बिहार के सभी प्रतियोगी परीक्षा मे डोमिसाइल नीति लागु करने आदि मागो के समर्थन मे राज्यब्यपी सड़क जाम का रूआयोजन किया गया है। इस क्रम मे जन अधिकार पार्टी छपरा जिले के एनएच-331 आईजेड छपरा से मलमलिया की वो जाता है उस रोड पर चक्का जाम किया गया है। जिस कार्यक्रम मे जनाधिकार पार्टी के कार्यक्रम मे जिले भर मे हजारो की संख्या मे शामिल होकर चक्का जाम कार्यक्रम मे शामिल होकर अपने प्रमुख मांगे शिक्षक भर्ती सभी प्रतियोगि परीक्षाओ मे डोमिसाई नीति लागु करने था। किसानो की समस्याओ सहित किसानो के लिए खाद की उपलबंधता सुनिश्चित करने की मांग किया मौके पर जिलाध्यक्ष दिलीप राय मसरख के अध्यक्ष मिथलेस राय बनियपुर अध्यक्ष मंटू राय विजय यादव उदय यादव जितेंद्र राय बीरु सिंह साहेब यादव सहित अन्य पार्टी के कार्यकर्ता शामिल थे।

सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम आयोजित कर दी गई विदाई

मांझी। रविवार को स्थानीय प्रखंड के सम्वेदना प्रोजेक्ट बालिका इंटर कॉलेज, दाऊदपूर, के प्रांगण में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मधुलिका श्रीवास्तव के सेवानिवृत्त होने के बाद विदाई सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य प्रभात कुमार सिंह, तथा संचालन प्रमोद कुमार सिंह ने किया तथा कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्राचार्य शुभनारायण सिंह, रघुनाथ प्रसाद, एवं बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के मूल्यांकन पारिषद सचिव कुमार अर्णज, जिला सचिव विद्यासागर विद्यार्थि एवं संयुक्त सचिव प्रकाश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रभात कुमार सिंह एवं सभी शिक्षकों ने सभी अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र एवं फूल माला पहनाकर किया।

उचकागांव में 17 से 31 तक टीवी मरीजों की खोज के लिए चलेगा अभियान

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उचकागांव में टीवी मरीजों के खोजी अभियान की तैयारी को लेकर शनिवार की शाम प्रखंड स्वास्थ्य प्रभारी डॉ ओपी लाल की अध्यक्षता में मुखिया जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड स्वास्थ्य प्रभारी डॉ ओपी लाल व स्वास्थ्य प्रबंधक मनोज कुमार ने कहां की 2025 तक टीवी बीमारी से भारत को मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। यह तभी संभव है जब प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों के जनप्रतिनिधि व आम नागरिक सजग रहते हुए मरीजों की पहचान कराने में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रखंड के सभी पंचायतों में 17 जुलाई से 31 जुलाई तक डोर टू डोर टीवी मरीजों की पहचान के लिए खोजी अभियान चलाया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को बुखार, खांसी आदि की शिकायत मिलती है तो वे ऐसे मरीजों की सूचना प्रखंड स्वास्थ्य विभाग को देंगे। ऐसे मरीजों की कीट के माध्यम से टीवी बीमारी के बारे में जांच की जाएगी। सरकार के द्वारा एक हजार की आबादी पर 50 संदिग्ध मरीजों की जांच के लिए प्रखंड स्तर पर किट उपलब्ध कराई गई है। टीवी मरीज के पहचान होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से छह महीने की दवा की निशुल्क कोर्स चलाई जाएगी। यदि पंचायत क्षेत्र का कोई टीवी का मरीज प्राइवेट क्लीनिक से भी दवा करते हैं तो उसकी भी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को मिलेगी तो ऐसे मरीजों को भी निशुल्क दवा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में 27 व मीरगंज नगर क्षेत्र में सात टीवी के मामले पूर्व से ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित किया गया है। जिनकी दवा की कोर्स स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चलाई जा रही है। ऐसे मरीजों की पहचान होने पर पंचायत क्षेत्र के कोई जनप्रतिनिधि अथवा सक्षम व्यक्ति गोद लेते हुए उन्हें प्रति मरीज छह माह की पौष्टिक आहार भी उपलब्ध करा सकते हैं। मरीजों को पौष्टिक आहार मिलने से बीमारी रहने के बावजूद भी टीवी की बीमारी मरीज में हावी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि जिस पंचायत में दो या दो से कम टीवी के मामले सामने आएंगे। उस पंचायत को टीवी मुक्त पंचायत घोषित करते हुए सम्मानित किया जाएगा। मौके पर प्रखंड प्रमुख विश्वजीत यादव, बीडीओ मनोज कुमार पंडित, बीपीआरओ आदित्य अंशु, मुखिया प्रमोद सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

हथुआ में होगा साहित्य, समाज व पत्रकारिता पर एक दिवसीय सेमिनार

हथुआ प्रात : किरण सवांददाता

भारतीय राजनीति परिपेक्ष्य में साहित्य, समाज व पत्रकारिता का क्या योगदान है इसको लेकर सितम्बर में एक दिवसीय कार्यक्रम होगा। जिसमें देश विदेश के पत्रकार, साहित्यकार व समाजसेवक शामिल होंगे। उक्त निर्णय बिहार प्रेस मेंस यूनियन के हथुआ अनुमंडल इकाई की बैठक में सदस्यों ने लिया। हथुआ अवस्थित संध्या होटल एवं बैंक्वेट में यूनियन के अध्यक्ष बागेश्वरी नाथ तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से कार्यक्रम तय किया गया। एक दिवसीय कार्यक्रम सितम्बर में करने का निर्णय लिया गया। जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूर्व से निबंधन करवाना होगा। प्रथम सत्र में विद्वानों द्वारा साहित्य, समाज और पत्रकारिता पर अपना विचार व्यक्त करेंगे। दूसरे सत्र में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आयोजन समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए आयोजित समिति गठित की जाएगी। बैठक में सदस्यों ने स्मारिका प्रकाशन पर भी बल दिया। बैठक के सम्बन्ध में संघ के महासचिव डॉ सत्य प्रकाश ने बताया कि आगामी 24 सितम्बर को साहित्य, समाज व पत्रकारिता पर कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। जिसमें पत्रकार, साहित्यकार व समाज के प्रबुद्ध वर्ग शामिल होंगे। कार्यक्रम की रूप रेखा तय करने के लिए एक टीम गठित की गई है जो कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समाज के प्रबुद्ध वर्ग अपना आलेख स्मारिका के लिए 10 सितम्बर तक दे सकते है। जिसका प्रकाशन यूनियन के तरफ से करते हुए कार्यक्रम में इसका लोकार्पण किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए देश के नामी गिरामी साहित्यकारों, पत्रकारों व सामाजिक स्तर पर जुड़े लोगों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। इस मौके पर पत्रकार दिनेश मिश्र, सोमेश्वर तिवारी, अरुण कुमार सिंह, नंद जी प्रसाद, जनार्दन ओझा निराला, अजय कुमार पाण्डेय, शंकर जी अहीर, प्रिंस उपाध्याय, सुनील कुमार मिश्र, संजय राय आदि थे।

धार्मिक कार्यक्रम व जुलूस के लिए साटा करने पर लगेगा पांच लाख का जुर्माना

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार के दिन थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने डीजे व आर्केस्ट्रा संचालकों के साथ बैठक आयोजित की। जिसमें थाना क्षेत्र के कई डीजे व आर्केस्ट्रा संचालक शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों व जुलूस में प्रशासन ने डीजे बजाने व आर्केस्ट्रा संचालक पर पूरी तरीके से रोक लगा दी है। जिसको ध्यान में रखते हुए सभी डीजे व आर्केस्ट्रा संचालकों को थाना क्षेत्र या जिले के किसी भी धार्मिक कार्यक्रम व धार्मिक जुलूस के लिए साटा करने पर रोक लगाने का निर्देश दिया जा रहा है। निर्देश के बावजूद भी यदि डीजे व आर्केस्ट्रा संचालकों ने धार्मिक कार्यक्रम व धार्मिक जुलूस में डीजे का साटा किया अथवा ऐसे कार्यक्रमों में पकड़े पाए गए तो प्रशासन डीजे को जप्त करते हुए डीजे व आर्केस्ट्रा संचालकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करेगी। वहीं संबंधित डीजे या आर्केस्ट्रा संचालक से या संचालक की संपत्ति जब्त करते हुए पांच लाख रुपए तक की जुमार्ने की राशि वसूल की जाएगी। इस दौरान डीजे व आर्केस्ट्रा संचालकों से लिखित शपथ भी कराई गई।

बिना हेलमेट पहने मीरगंज थाना से चिता दल हुआ रवाना

हथुआ प्रात : किरण संवाददाता

यदि आपके पास वाहन जांच के दौरान हेलमेट नहीं है तो पुलिस तुरन्त जुरबाना लगा देती है। लेकिन यदि पुलिस बिना हेलमेट पहने सड़क पर अपनी बहन दौड़ा रही हो तो उसपर कौन जुरबना लगाएगा। यह बड़ी बात है। ऐसा ही माजरा मीरगंज थाना से रवाना हुए चिता दल के साथ हुआ। मीरगंज थानाध्यक्ष विशाल आनंद की देखरेख में लोगों की सुरक्षा के ख्याल से एक पुलिस दल का गठन किया गया। जिसका नाम चिता दल रखा गया है। मोटरसाइकिल पर सवार चिता दल पूरे मीरगंज शहर के चैक चैराहे, गली, बाजार में गस्त लगाएगी। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों की सुरक्षा होगी। थानाध्यक्ष ने इस दल को रवाना किया। मोटरसाइकिल पर सवार किसी भी पुलिस कर्मी के पास हेलमेट नहीं था। ना ही किसी ने पहनना अपना कर्तव्य समझा। जब पुलिस अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक साथ सड़क पर निकली तो लोग देखकर हैरान हो गए। लोग पुलिस को बिना हेलमेट पहने वाहन चलाने पर मन ही मन सवाल भी खड़ा किया कि जब पुलिस बाइक जांच करती है तो पहले हेलमेट नहीं पहनने पर चालान काटती है। लेकिन जब पुलिस ही बाइक चलाते समय हेलमेट नहीं पहने तो इसका कौन चालान काटेगा। इसपर लोगों ने मन ही मन पुलिस को कानून की धज्जियां उडाने वाला कहा। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष से संपर्क नहीं हो सका। ऐसे में देखे पुलिस के वरीय अधिकारी बिना हेलमेट पहने बाइक चलाते पुलिस कर्मियों पर करवाई करती है या नहीं। यह समय ही बताएगा। लेकिन पुलिस इन सब मामलों में कानून की धज्जियां उड़ाती नजर आ रही है। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

बैकुंठपुर में शुरू हुआ कंपोजिट सिलेंडर का वितरण

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज जिले में रेवतीथ गांव स्थित प्रियम इंडेन गैस एजेंसी में पहली बार कंपोजिट सिलेंडर का वितरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है। विदित हो कि देश के महानगरों में कंपोजिट सिलेंडर का वितरण पिछले दो सालों से चल रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन रविवार को गैस एजेंसी के संचालक अभिजीत कुमार सिंह उर्फ समीर बाबू ने किया। बताया कि वर्तमान में यह सिलेंडर दस किलोग्राम में उपलब्ध है। इसकी कीमत 862 रुपए निश्चित की गई है। जबकि सिलेंडर की सुरक्षा जमा राशि 35 सौ रुपए है। श्री सिंह ने आगे बताया कि स्टील सिलेंडरों की तुलना में इस सिलेंडर के कई फायदे हैं। इसका हल्का वजन होगा, संभालने में आसान, गैस की स्तर का दिखाई देगा तथा फर्श पर कोई दाग का ना होना सबसे बड़ी खासियत है। इससे फर्श पर जंग नहीं लगता है। प्रियम गैस एजेंसी के प्रोपराइटर समीर बाबू ने बताया कि मौजूदा ग्राहक स्टील सिलेंडर के बदले कंपोजिट सिलेंडर भी ले सकते हैं।

उचकागांव में नवागत सीओ ने सीओ व बीडीओ पद का लिया प्रभार

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर नवागत शिव रामेश्वर राम ने प्रखंड के सीओ और बीडीओ के पद का प्रभार ग्रहण किया। इसके पूर्व नवागत सीओ रामेश्वर राम के आगमन पर प्रखंड प्रमुख विश्वजीत यादव सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने उन्हें फूल माला पहनाकर सम्मानित कर स्वागत किया। स्वागत के पश्चात प्रखंड के निवर्तमान सीओ रवीश कुमार और बीडीओ मनोज कुमार पंडित ने बारी-बारी से उन्हें अपने पद का प्रभार ग्रहण किया। बीडीओ मनोज कुमार पंडित में नवागत बीडीओ कुमार प्रशांत के स्थानांतरण के पश्चात अभी तक उचकागांव नहीं पहुंच पाने के कारण उचकागांव बीडीओ के पद का प्रभार नवागत सीओ रामेश्वर राम को सौंप दिया। प्रभार की सभी औपचारिकताएं पूरी करने के पश्चात निवर्तमान बीडीओ मनोज कुमार पंडित और सीओ रवीश कुमार अपने नव पदस्थापित क्रमशः पश्चिमी चंपारण के भीतहां और पूर्वी चंपारण के पकड़ी दयाल प्रखंड में अपना पदभार ग्रहण करने के लिए रवाना हो गए। सीओ पद का प्रभार ग्रहण करने के पश्चात नवागत सीओ रामेश्वरम राम ने कहा कि अपने कार्यकाल में अंचल क्षेत्र के जमीनी विवाद के मामलों को ज्यादा से ज्यादा निपटाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं दाखिल खारिज के मामले में भी तेजी लाई जाएगी।

सांसद व जिला पदाधिकारियों ने किया रेलवे ओवरब्रिज का अनावरण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। रेलवे प्रशासन द्वारा महाराजगंज-मशरख रेल खण्ड पर सागर सुल्तानपुर हाल्ट-मशरख स्टेशन के मध्य किमी सं-39/1-2 पर स्थित रेलवे क्रासिंग संख्या 14 सी पर लगने वाले ट्रैफिक जाम के निवारण एवं ट्रेनों के सुगम परिचालन हेतु सड़क उपरिगामी पुल का उद्घाटन रविवार को महाराजगंज-मशरख रेल खण्ड पर मशरख के चैनपुर बंगरा के रेलवे ओवरब्रिज पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल द्वारा फलक अनावरण कर किया गया। इस अवसर पर आयोजित उदघाटन समारोह में माननीय सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने अपने सम्बोधन में मशरख के चैनपुर बंगरा में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण करने लिए रेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा इसके पूर्व रेलवे क्रासिंग संख्या 14 सी जो की नेशनल हाई-वे सं 227। जो गोपालगंज से छपरा एवं सीवान से पटना आने-जाने वाले लगभग 15000 सड़क वाहनों को लम्बे जाम में फंसना पड़ता था। मशरख के इस नवनिर्मित रेलवे ओवर ब्रिज के खुल जाने से मशरख सहित आस-पास क्षेत्र के निवासियों को सुविधा होगी बल्कि मशरख से गुजरने वाले लाखों लोगों को भी अब सीवान, छपरा, गोपालगंज एवं महराजगंज से आने-जाने में बहुत सुविधा होगी।

विशेष रूप से मशरख एवं महराजगंज ग्रामीण अंचल से इलाज, शिक्षा एवं व्यापार के लिए उक्त महानगरों में जाने वाले सड़क यात्रियों को इसका पूरा लाभ मिलेगा। इसके साथ उन्होंने बताया कि वैसे तो उपरिगामी पूल के निर्माण में होने वाला व्यय में केन्द्र एवं राज्य का बराबर योगदान किया जाता है। किन्तु इस उपरि गामी पूल के निर्माण में कुल व्यय 35 करोड़ पूर्ण रूप से केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया है। इसके लिए मैं माननीय रेलमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने ने मेरे अनुरोध पर अल्प समय मे इस परियोजना को मूर्त किया जिसके सकारात्मक परिणाम भविष्य में परिलक्षित होंगे। इसके पूर्व वाराणसी मंडल के मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री कौशलेश सिंह ने महाराजगंज के माननीय सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को अपने बहुमूल्य समय में से इस कार्यक्रम के लिए समय निकालने के लिए आभार प्रकट करते हुए स्वागत किया

इसके साथ ही माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने बताया की जनता की माँग एवं महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के प्रयासों के परिणाम स्वरूप रेलवे प्रशासन द्वारा जनता की सुविधा हेतु महाराजगंज-मसरख रेल खण्ड पर किमी सं-39ध1-2 एवं नेशनल हाई वे 227। की रेलवे क्रासिंग संख्या 14 सी पर लगने वाले जाम से निजात पाने हेतु रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण किया है। उन्होंने बताया की इस रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण से महाराजगंज समेत आस-पास की जनता को भी सीवान, छपरा, गोपालगंज एवं पटना तक सड़क यात्रा में समय की बचत होगी और सड़क यात्रियों को बहुत सुविधा होगी।

इसके साथ ही महाराजगंज-मसरख रेल खण्ड पर चलने वाली गाड़ियों के परिचालन समयपालन में सुधार होगा जो प्रायः गेट जाम के कारण गेट सिगनल लाल होने के कारण विलम्बित होतीं थीं। इस ब्रिज के खुल जाने से क्षेत्रीय जनता के साथ-साथ रेलवे को भी गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन में सुविधा होगी साथ ही संरक्षा बढ़ेगी और फटक पर दुर्घटना की सम्भावना समाप्त हो गयी हैं।

बाबा साहब के विचारों पर चलकर ही बनेगा उनके सपनों का भारत: प्रेमशंकर

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के बैकुंठपुर प्रखंड के बांसघाट मंसुरिया पंचायत स्थित क्षेत्रीय विधायक के गांव हरेंद्र राम के दरवाजे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर परिचर्चा का आयोजन राष्ट्रीय जनता दल कार्यकताओं के द्वारा रविवार को आयोजित की गयी। पार्टी द्वारा निर्देशित दलित बस्ती में आयोजित अंबेडकर परिचर्चा की अध्यक्षता पार्टी के पंचायत अध्यक्ष जटा राय ने की। आयोजित परिचर्चा बैठक में बाबा साहब के विचारधाराओं पर प्रकाश डालते हुए गांव के लोगों को इससे अवगत कराया गया। बाबा साहब के विचारों को पार्टी द्वारा चलाए जा रहे परिचर्चा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों की भीड़ जुटी। जिसमें बाबा साहब के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए प्रखंड अध्यक्ष मोइनुल हक मीनू एवं प्रखंड प्रभारी मोतीलाल पंडित की देखरेख तथा विधायक प्रेम शंकर प्रसाद की उपस्थिति में बाबा साहब के सोंचों व जमीनी विचारों से अवगत कराया गया। बाबा साहब के विचारों को पार्टी द्वारा चलाए जा रहे परिचर्या में विधायक प्रेम शंकर प्रसाद ने कहा कि मौजूदा समय में युगदृष्टा, दलित समाज की मुक्ति के प्रणेता बाबा साहब का विचार अत्यंत प्रासंगिक है। पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष श्री मीनू ने कहा कि बाबा साहेब के विचार दर्शन से हीं उनके सपनों के भारत को साकार किया जा सकता है। बैकुंठपुर के संगठन प्रभारी मोतीलाल पंडित ने बताया कि भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों का अनुकरण आज के समाज के लिए अति आवश्यक है। बताया कि बाबा साहब के मूल्यों व आदर्शो को हमें आत्मसात करना चाहिए। मौके पर पार्टी कार्यकर्ता हरेंद्र राम, रितेश कुमार, किताबुद्दीन, राजेंद्र महतो, नूर आलम व फिरोज आलम आदि थे।

फुलवरिया में नए बीडीओ ने योगदान करते ही कर्मियों को दी कई दिशा-निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया। फुलवरिया प्रखंड कार्यालय में बीडीओ के पद पर शनिवार को नये प्रखंड विकास पदाधिकारी सुश्री पूजा कुमारी ने योगदान कर लिया है। योगदान लेने के साथ ही बीडीओ ने सभी प्रखंड व अंचल कर्मियों के साथ एक विशेष बैठक कर उन्हें सलाह दिया कि अगर सरकार का काम करना है तो सभी लोग अपने पुराने रवैया में बदलाव लाये नहीं तो कार्रवाई के शिकार हो सकते है। बीडीओ ने बताई कि हम सबका पहली प्राथमिकता होगी कि सरकार का काम हो।

उन्होंने आम जनता से अपील किया कि अपने काम के लिए वे खुद मिले किसी भी विचैलियों की आवश्यकता नहीं है। योगदान के बाद बीडीओ ने आरटीपीएस कार्यालय सहित अन्य दफ्तरों का मुआयना किया। जहां उपस्थित कर्मियों को दिशा निर्देश देते हुए कही कि सरकार का काम समय से हो, जिससे आवेदकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो सकें। योगदान के बाद बीडीओ ने सभी कर्मियों से उनके काम की जानकारी भी लिया। यहां बता दें कि बीडीओ सुश्री पूजा कुमारी ने निवर्तमान बीडीओ अजीत कुमार रोशन से प्रभार लिया। स्थानांतरण के बाद बीडीओ श्री रौशन प्रभार देने के बाद अपने गंतव्य स्थान के लिए निकल गए। बीडीओ श्री रौशन प्रखंड मुख्यालय में अपनी तीन साल की उपस्थिति में ऐसे कई कार्य किए हैं, जो आजीवन जीवंत रहेगा। जैसे बथुआ बाजार स्थित सहयोगी उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज के परिसर में पुस्तकालय होना, निर्वाचन के कार्य में जिले में अव्वल होना सहित अन्य कार्यो में श्री रोशन फुलवरिया के लोगों में याद रहेंगे।

निःशुल्क टेस्ट सीरीज का आयोजन

छपरा। शहर के राजेन्द्र सरोवर के प्रांगण में प्रतियोगिता परीक्षा के तैयारी करने वाले छात्रों के लिए निःशुल्क टेस्ट सीरीज का आयोजन शहर के साधनापुरी स्थित मैथमेटिक्स हब संस्था द्वारा किया गया। इस संस्था के संचालक राहुल शर्मा ने कहा कि सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए जो बच्चे आर्थिक रूप से संपन्न नही होते या पारिवारिक परेशानियों के कारण कोचिंग के लिए बड़े शहरों में नही जा पाते या अपने शहर से बाहर नहीं जा पाते हैं एवं उचित अवसर का लाभ नही ले पाते है, ऐसे बच्चों को एक बेहतर अवसर देने के लिए विभिन्न परीक्षाओं के लिए निःशुल्क इस टेस्ट सीरीज का आयोजन प्रत्येक रविवार को किया जाता है, जिसमे बैंक, बिहार पुलिस, आर्मी, आदि की तैयारी करने वाले सैकड़ो परीक्षार्थी भाग लेते है। इस दौरान अमरेंद्र सिंह, रूबी कुमारी, नीरज कुमार, विशाल कुमार आदि उपस्थित थे।

अतिपिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष महामोर्चा का बैठक में प्रखण्ड स्तरीय कमेटी गठित

छपरा। बनियापुर में अति पिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष महामोर्चा का प्रखण्ड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे दर्जनों राज्य व जिला स्तर के गणमान्य प्रबुद्ध लोगो ने शामिल होकर कार्यक्रम मे पक्ष रखे। प्रखण्ड मुख्यालय के समीप परसा में नागेंद्र साह मुखिया जी के नवनिर्मित विवाह भवन के प्रांगण में अतिपिछड़ा समाज का बैठक आयोजित किया गया। कार्यक्रम मौजूद पूर्व मुखिया सह इस संगठन प्रदेश महासचिव श्री श्रवण कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्य यह समाज स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व से ही आज तक भी आर्थिक सामाजिक व राजनितिक रूप पिछड़ा हुआ है। पिछड़ेपन का आलम यह है कि राष्ट्र के पैमाने पर अभी कोई भी नेता नही है। यदि किसी किसी पार्टी में एक आध नेता हैं लेकिन पार्टी गाइड लाइन के बैन होने के कारण वे अपनी आवाज नही उठा पाते। जबकि हमारी आबादी कुल आबादी का 42: हैं ऐसी स्थिति में अतिपिछड़ा एक हो का स्लोगन दिया।

नामजद पांच अभ्युक्तो को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अमनौर थाना क्षेत्र के नट बस्ती के चारो तरफ जेसीवी लगाकर खोदे जा रहे बांध के विरोध में हुई मारपीट, जहा दो समुदाय के बीच खूब चली लाठी डांटे, जिससे आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए है। मारपीट को लेकर दोनों समूह में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। घटना के बाद से गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनाती की गई है। घटना शनिवार की है। थाना अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बताया कि मारपीट की घटना को लेकर दोनों तरफ से शिकायत दर्ज कराई गई है। प्रथम पक्ष से गंगा पुर गांव के महेंद्र नट की पत्नी कुसुम देवी ने 25 लोगो को अभ्युक्त बनाई है वही द्वितीय पक्ष से दीपक सिंह की पत्नी मुन्नी देवी ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए 18 लोगो के बिरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मामले में पुलिस त्वरित करवाई करते हुए छापेमारी कर पांच अभ्युक्तो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभ्युक्तो में रणधीर कुमार सिंह पिता तारकेश्वर सिंह, सोनू कुमार पिता टून टुन राउत, निकाश कुमार पिता चुन चुन राउत, नवनीत कुमार सिंह पिता प्रेम नाथ सिंह चारो मधुबनी गांव निवासी है वही विवेक कुमार पिता दीपक सिंह गंगा पुर गांव निवासी बताया जाता है। पुलिस के अनुसार मुन्नी देवी का आरोप है कि बस्ती के चारो तरफ रास्ता घेर कर जेसीबी से दस फिट गढ़ा खुदवाया जा रहा था, कई झोपड़ी को तोर दिया गया। मना करने पर जान से मारने की नीयत से अचानक लाठी डांटे की वर्षा कर दिया, जिससे महिला पुरुष बच्चे को मारपीट कर घायल कर दिया गया। हमलोग गरीब असहाय है, गांव से भगाना चाहते है। वही दूसरा पक्ष मुन्नी देवी का आरोप है कि मेरे जमीन को कब्जा कर रहे थे। मना करने पर सभी लाठी डंडे से मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया गया है।

पटना तक रेल सेवा की मांग पूरी नही होता देख दिघवारावासी 5 अगस्त को करेंगे आमरण अनशन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। दिघवारा प्रखंड में सिवान समस्तीपुर इंटरसिटी सवारी गाड़ी के पुनः परिचालन एवं छपराध्सिवान से पटना जंक्शन तक कार्यालय समय पर दो जोड़ी मेमू सवारी गाड़ी के परिचालन की मांग को लेकर रविवार को जनकल्याण समिति के सदस्यों ने दिघवारा स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। इसके पूर्व स्थानीय दिघवारा धर्मशाला में जनकल्याण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें उक्त दोनों महत्वपूर्ण मांगो के समर्थन में लगातार लोकतांत्रिक तरीके से प्रयास करने एवं पत्राचार के माध्यम से रेलमंत्री सहित रेलवे के सभी वरीय पदाधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बाद भी ट्रेन नही चलने की स्थिति में बाध्य होकर आगामी 5 अगस्त को दिघवारा स्टेशन परिसर में एक दिवसीय अनशन करने का निर्णय लिया गया। वहीं अपनी मांगो के समर्थन में समिति के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक के उपरांत जनकल्याण समिति के सदस्यों ने शेरपुर दिघवारा सिक्सलेन पुल की जद में आ रहे पौराणिक बाबा गुप्तेश्

सम्पादकीय

यू सी सी : निगाहें कहीं हैं, निशाना कहीं

इन दिनों देश में यू सी सी अर्थात यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस जारी है। यह बहस ऐसे समय में छिड़ी है जबकि लगभग 9 महीने बाद देश में आम लोकसभा चुनाव की घोषणा की जानी है। यू सी सी भारतीय जनता पार्टी के उन्हीं तीन प्रमुख चुनावी वादों में से एक है जिन्हें भाजपा ने एक दूरगामी रणनीति के तहत अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में 1996 में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनते समय ठंडे बस्ते में डाल दिया था। और न्यूनतम सांझा कार्यक्रम के आधार पर एक गैर कांग्रेसी राजग सरकार का गठन किया था। परन्तु 2019 के लोकसभा चुनावों में जैसे ही भारतीय जनता पार्टी अपने पूर्ण बहुमत पर पहुंची और 303 सीटों पर जीत हासिल की तथा भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 353 सीटें जीतीं वैसे ही भाजपा अपने उन मूल मुद्दों को पूरा करने में जुट गयी। इनमें पहला अयोध्या मंदिर निर्माण मुद्दा तो अदालती फैसले के आधार पर निर्णायक नतीजे पर पहुँच गया जबकि 5 अगस्त 2019 को कश्मीर से धारा 370 हटाकर भाजपा ने अपना दूसरा मूल मुद्दा भी हल कर लिया। और अब जबकि विभिन्न राज्यों व केंद्र के चुनाव निकट भविष्य में होने वाले हैं भाजपा ने अपने तीसरे यानी समान नागरिक संहिता के मुद्दे को हवा देनी शुरू कर दी है। वैसे भी समान नागरिक संहिता केंद्र की मौजूदा सत्ताधारी भाजपा के लिए जनसंघ के समय से ही प्राथमिकता वाला एजेंडा रहा है। और भाजपा सत्ता में आने पर यूसीसी को लागू करने का वादा करने वाली पहली पार्टी थी और यह मुद्दा उसके 2019 के लोकसभा चुनाव घोषणा पत्र का प्रमुख हिस्सा भी था। अब यहां पहला प्रश्न यह है कि जिस समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड की बात भाजपा दशकों से करती आ रही है उसमें और जिस समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की चर्चा इनदिनों छिड़ी है इनमें अंतर क्या है? मोटे तौर पर समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड का आशय पूरे देश के सभी नागरिकों के लिये एक जैसा कानून लागू करना है। यानी समान नागरिक संहिता का अर्थ होता है भारत में रहने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून होना। चाहे वह किसी भी धर्म,वर्ग,समुदाय या जाति का क्यों न हो। समान नागरिक संहिता लागू होने से सभी धर्मों का एक कानून होगा। शादी, तलाक, गोद लेने और जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा। जबकि समान नागरिक संहिता अर्थात यूनिफॉर्म सिविल कोड का अर्थ देश में रहने वाले किसी भी वर्ग व समुदाय विशेष के लोगों के लिये उनके वर्ग समुदाय के अनुसार एक जैसे कानून लागू करना। कहा जा रहा है कि यूसीसी का तात्पर्य देश के सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून होना है जो धर्म पर आधारित नहीं है। परन्तु इसकी वास्तविक व विस्तृत परिभाषा क्या होगी यह तभी पता चल सकेगा जब इसका पूरा ड्राफ़्ट सामने आयेगा। गोया बावजूद इसके कि इसका ड्राफ़्ट अभी तक तैयार होने की कोई सूचना नहीं है फिर भी उम्मीद है कि इसमें वर्ग के अनुसार एक वर्ग एक समुदाय या एक सम्प्रदाय के लिये अलग अलग कानून होने की संभावना है। इसलिये यूनिफॉर्म सिविल कोड विषय को लेकर छिड़ी इस बहस में शोर और विवाद तो बहुत हैं परन्तु सी सी सी या यू सी सी के अंतर को लेकर अभी भी अनेक भ्रांतियां भी बनी हुई हैं।

राष्ट्रीय विधि आयोग ने देश की संस्थाओं व आम नागरिकों से गत 14 जून को इस विषय पर सुझाव मांगे थे। पिछले दिनों आयोग की ओर से मांगे गए सुझाव की समय-सीमा बढ़ा दी गई है। अब 28 जुलाई तक समान नागरिक संहिता को लेकर भारतीय नागरिक अपने सुझाव आयोग की वेबसाइट पर दे सकेंगे। विधि आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार समान नागरिक संहिता विषय पर जनता की जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त होने के बाद इस तिथि को बढ़ा दिया गया है। इसके लिए समय बढ़ाने को लेकर भी विभिन्न क्षेत्रों से अनुरोध मिल रहे थे। ऐसे में आयोग ने संबंधित हितधारकों से विचार और सुझाव प्राप्त करने के लिए समय सीमा को दो सप्ताह और बढ़ाने का निर्णय लिया है। परन्तु विधि आयोग द्वारा ऑनलाइन मांगे जा रहे इन सुझावों में एक पेंच यह भी है कि देश की आधी से अधिक आबादी को शायद अभी तक यह भी पता नहीं होगा कि यू सी सी है क्या और देश में इस समय यू सी सी नामक किसी विषय को लेकर कोई बहस छिड़ी हुई है। और जिन्हें मालूम भी है वे अपनी रोजी रोटी कमाने में इतना व्यस्त हैं कि उन्हें इस बहस में पड़ने या सुझाव देने की फुर्सत ही नहीं। हाँ एक विशेष पूर्वाग्रही वर्ग ऐसा जरूर है जो वाट्स ऐप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिन रात सक्रिय है और वह बाकायदा वीडिओ बनाकर लोगों को यह बता रहा है कि किस तरह विधि आयोग की वेबसाइट पर जाकर यह लिखा जाये कि वे यू सी सी का समर्थन करते हैं। प्रचारित तो यह किया जा रहा है कि यू सी सी मुस्लिम विरोध में लाया जा रहा है। मुस्लिम समुदाय के लोगों में इसे लेकर बेचैनी भी दिखाई दे रही है। परन्तु यह प्रचार भी निराधार है। नगालैंड, मेघालय, पंजाब व तमिलनाडु के लोगों ने और झारखण्ड व मध्य प्रदेश के दर्जनों आदिवासी संगठनों ने विधि आयोग के सामने यूनिफॉर्म सिविल कोड के विचार को वापस लेने की मांग की है। इन आदिवासी संगठनों का मानना है कि यूसीसी के कारण आदिवासियों की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। हमारे देश में ही हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में भी कई आदिवासी समाजों में व दक्षिण भारत तथा उत्तर पूर्व की कई जनजातियों में बहुपतित्व प्रथा अभी भी जारी है। हिमाचल के किन्नौर के लोगों का मानना है कि यह प्रथा महाभारत के समय से चली आ रही है। इसके एक ही परिवार के सभी भाइयों द्वारा एक ही महिला से विवाह किया जाता है। इसके पीछे कारण यह बताया जाता है कि वनवास के दौरान जब पांडवों का अज्ञातवास था, तब पांडव द्रौपदी के साथ यहां छिपे हुए थे।

पंचायत चुनाव में भी बंगाल में इतनी हिंसा!

बलबीर पुंज

स्वतंत्र भारत में चुनाव के समय थोड़ी-बहुत मात्रा में हिंसा की खबरें आती रही है। किंतु प.बंगाल के साथ केरल- चुनाव और सामान्य दिनों में राजनीतिक रक्तपात, दूसरे विचार के प्रति असहिष्णुता और विरोधियों को शत्रु मानने संबंधित चिंतन के मामले में सर्वाधिक दागदार है। यह स्थिति तब है, जब इन दोनों प्रदेशों का अपने प्रतिष्ठित इतिहास के साथ भारत का गौरव और संगीत, नृत्य, त्योहार, भोजन आदि के लिए प्रसिद्ध रहा हैं। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में हिंसा और परिणाम के बारे में जो आंशका थी, वही हुआ। आठ जुलाई को 73 हजार से अधिक सीटों (ग्राम पंचायत, जिला परिषद और पंचायत समिति) पर हुए चुनाव में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस ने प्रचंड विजय प्राप्त की, तो मुख्य विपक्षी दल भाजपा, बहुत पीछे, दूसरे स्थान पर रही। परंतु इन नतीजों से अधिक चर्चा, निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान हुई भीषण हिंसा है। राजनीतिक कार्यकताओं के बीच हंसिक झड़प, गोलीबारी, बमबाजी और आगजनी में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार- 20 लोग मारे गए हैं। मृतकों की संख्या इससे अधिक हो सकती है।

अराजकता और मतपेटियों को खुलेआम लूटने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यह विकराल स्थिति तब दिखी, जब चुनाव के लिए 25 राज्यों से केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबल (सीएपीएफ) और राज्य सशस्त्र पुलिस के 59,000 जवान तैनात थे। यक्ष प्रश्न यही है कि भारी मात्रा में सुरक्षाबलों की उपस्थिति और पहले से हिंसा की आशंका होने के बाद भी, खूनखराबे पर लगाम क्यों नहीं लग पाई? उपरोक्त प्रश्न का एक उत्तर- 9 जुलाई को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपमहानिरीक्षक सुरजीत सिंह गुलेरिया के वक्तव्य में मिल जाता है। उनके अनुसार, जिन स्थानों पर सुरक्षाबलों को तैनात किया गया था, वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली और वहां चुनाव सुचारू रूप से संपन्न हुए। हमें संवेदनशील, अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों की सूची नहीं मिली, जो सुरक्षाबलों की तैनाती के लिए सहायक हो। हमने राज्य चुनाव आयोग (सीईसी) को इस बारे में लिखा था, लेकिन आवश्यक जानकारी नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा, बीएसएफ ने बार-बार सीईसी से उन बूथों की जानकारी मांगी थी, जो संवेदनशील हैं, परंतु राज्य चुनाव आयोग ने केवल संवेनशील बूथों की संख्या बताई। अब वे संवेनशील बूथ कहां थे, इसका कोई उल्लेख नहीं किया। बंगाल में इस प्रकार की चुनावी हिंसा कोई पहली बार नहीं है। इसका एक लंबा और दुखद इतिहास है। स्वतंत्र भारत में चुनाव के समय थोड़ी-बहुत मात्रा में हिंसा की खबरें आती रही है। किंतु प.बंगाल के साथ केरल- चुनाव और सामान्य दिनों में राजनीतिक रक्तपात, दूसरे विचार के प्रति असहिष्णुता और विरोधियों को शत्रु मानने संबंधित चिंतन के मामले में सर्वाधिक दागदार है। यह स्थिति तब है, जब इन दोनों प्रदेशों का अपने प्रतिष्ठित इतिहास के साथ भारत का गौरव और संगीत, नृत्य, त्योहार, भोजन आदि के लिए प्रसिद्ध रहा हैं। केरल, जहां भारत के महान वैदिक दार्शनिकों में एक- आदि शंकराचार्य की जन्मस्थली है।

सत्तापक्ष-विपक्ष की राजनीति और रणनीति

यह सवाल अब एक पहेली बनती जा रही है। इस संदर्भ में बयानबाजी, भाषण, बैठक और घटनाएँ एक रोचक दौर में आ चुकी हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि अगर जनता एनसीपी, सपा, राजद, डीएमके जैसे परिवारवादी पार्टियों को वोट करेगी तो इन दलों के प्रमुख नेताओं के पुत्र-पुत्रियों को इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं उन्होंने कॉग्रेस सहित भाजपा के खिलाफ लामबंद सभी विपक्षी दलों को भ्रष्ट बताया और उनपर लगभग बीस लाख करोड़ भ्रष्टाचार करने का आरोप भी मढ़ दिया। हालाँकि उनके द्वारा यह पहला अवसर नहीं था जब भाजपा के प्रमुख नेताओं ने विपक्षी दलों को परिवारवादी और भ्रष्टाचारी बताया हो। ऐसा प्रतीत होता है कि इस चुनाव में भाजपा ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने के अलावा कोई विकल्प नही है। इसके अतिरिक्त एक पुराना सवाल भी दुहराया जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष की तरफ प्रधानमंत्री का उम्मीदवार कौन होगा?

डॉ नवल किशोर
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीति और रणनीति बहुत तेज गति से एक दिलचस्प चुनावी रण की तरफ बढ़ रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में मोदी मैजिक बरकरार रहेगा या विपक्षी एकजुटता बाजी मार जाएगी। यह सवाल अब एक पहेली बनती जा रही है। इस संदर्भ में बयानबाजी, भाषण, बैठक और घटनाएँ एक रोचक दौर में आ चुकी हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि अगर जनता एनसीपी, सपा, राजद, डीएमके जैसे परिवारवादी पार्टियों को वोट करेगी तो इन दलों के प्रमुख नेताओं के पुत्र-पुत्रियों को इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं उन्होंने कॉग्रेस सहित भाजपा के खिलाफ लामबंद सभी विपक्षी दलों को भ्रष्ट बताया और उनपर लगभग बीस लाख करोड़ भ्रष्टाचार करने का आरोप भी मढ़ दिया। हालाँकि उनके द्वारा यह पहला अवसर नहीं था जब भाजपा के प्रमुख नेताओं ने विपक्षी दलों को परिवारवादी और भ्रष्टाचारी बताया हो। ऐसा प्रतीत होता है कि इस चुनाव में भाजपा ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने के अलावा कोई विकल्प नही है। इसके अतिरिक्त एक पुराना सवाल भी दुहराया जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष की तरफ प्रधानमंत्री का उम्मीदवार कौन होगा? इस तीन बिंदुओं पर विपक्षी दलों को लगातार घेरने की कोशिश भाजपा कर रही है। दरअसल भाजपा को बिखरी हुई विपक्ष में अपनी निश्चित जीत संभावना दिखती है। यही कारण है कि विपक्षी एकजुटता को खंडित करने की जोरदार कोशिश कर रही है।

बीते वर्ष अगस्त में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ महागठबंधन के समर्थन से बिहार में एक सत्ता परिवर्तन किया। मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण के पश्चात नीतीश कुमार ने खुलेआम घोषणा किया कि वे भाजपा के खिलाफ देश स्तर पर सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश करेंगे ताकि मोदी सरकार को हराया जा सके। इसी निश्चय को सफलीभूत करने के लिए नीतीश-तेजस्वी ने अनेक विपक्षी दल के नेताओं से मिलकर एकजुटता का प्रयास किया जिसके परिणामस्वरूप 23 जून 2023 को पहली विपक्षी बैठक पटना में हुई। पंद्रह दलों के अध्यक्ष और नेताओं ने एकजुट होकर मोदी सरकार को आगामी लोकसभा में हराने की प्रतिबद्धता दोहरायी। पिछली संसद सत्र के दौरान अड़ानी प्रकरण पर जेपीसी माँग हो या राहुल गाँधी के सदस्यता रद्द का सवाल हो, दोनों मुद्दे पर इस प्रकार की एकजुटता दिखी थी। भाजपा की मोचार्बंदी के बिंदु पर एनसीपी (शरद पवार), शिव सेना(उद्धव), डीएमके, टीएमसी, झामूमो, राजद, जदयू, सपा और वाम दल समूह जैसे पार्टियों के बीच सहमति लगभग बन चुकी है। आगामी बैठकों में एक लोकसभा सीट-एक उम्मीदवार के फामूर्ले पर चुनावी रणनीति भी तैयार होंगी। मोदी बनाम विपक्षी चेहरे के बजाय जन सरोकार के मुद्दे ही चुनाव अभियान के केंद्र में होंगे और उन मुद्दों को रेखांकित भी की जायेगी। इस मुहिम में कॉग्रेस ने राज्य स्तर पर बड़ा दिल दिखाने का मन बना चुकी है। पूर्ववर्ती सरकार यूपीए-कऔर वढअ-क्क्रमें कॉग्रेस की तरफ से ऐसी बानगी और वैचारिक सहमति दिख चुकी है जब वाम दल समूह और क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर सत्ता चलाई। उस गठबंधन का बिखराव और उनके दस साल शासन के हिसाब ने ही भाजपा को सत्ता दिलायी थी।

वर्तमान मोदी सरकार के दस वर्ष पूरे होने वाले हैं और ऐसे में कामकाज का आकलन स्वाभाविक है। गठबंधन के दृष्टिकोण से महाराष्ट्र में शिवसेना, पंजाब में अकाली दल और बिहार में जदयू जैसे तीन राज्य-स्तर पर मजबूत घटक दल भाजपा का साथ छोड़े ही नहीं बल्कि मुखर विरोधी बन चुके हैं। टीएमसी जैसे भाजपा के पूर्व सहयोगी दलें भी मोदी सरकार का खुलकर मुखालफत कर रहे हैं। ओड़िसा में बीजू जनता दल और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर जैसी पार्टियाँ जो मुद्दों के आधार पर सरकार के साथ खड़ी रही है वह भी गठबंधन में आने तैयार नहीं दिख रही हैं। उतर-पूर्व में मणिपुर में गृहयुद्ध जैसी स्तिथि भी भाजपा द्वारा प्रचारित डबल इंजन सरकार की विफलता ही मानी जाएगी। ऐसी राजनीतिक परिस्तिथि में भाजपा दोहरी संकट से गुजर रही है। पहली संकट, कोई नई राजनीतिक दल फि लहाल भाजपा के साथ आने को तैयार नहीं दिख रही है। इसके निदान के तौर पर भाजपा ने महाराष्ट्र में दो दलों के टूटे से बनी दल के प्रमुख को उप मुख्यमंत्री का पद देकर सहयोगी बनाया है। इन दलों का जनसमर्थन-परीक्षण आगामी लोकसभा के चुनाव में होनी है। फि लहाल यह कहना मुश्किल है कि इस प्रयोग से भाजपा को कितना फायदा हुआ है। दूसरी संकट, नरेंद्र मोदी का चेहरा जो भाजपा के लगातार दूसरी जीत दिलाने में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक अस्त्र-शस्त्र रहा है। वर्ष 2014 के बाद राज्यों के चुनाव में भाजपा ने नरेंद्र मोदी के चेहरे का भरपूर इस्तेमाल किया और यही उसके राज्य-वार विस्तार का प्रमुख कारण भी है। हाल में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में प्रयास के बावजूद भी मिली हार से भाजपा विचलित है जबकि इससे पहले भी बिहार, बंगाल, दिल्ली, उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़ सहित दर्जनों चुनाव हार चुकी है।

मोदी सरकार को हराना नामुमकिन है, अब ये धारणा एक स्वाभाविक ढलान पर है। इसके तीन प्रमुख कारण है जिसमें पहला भ्रष्टाचार ही है। भाजपा की नजर में कोई दल या उसके नेता तभी तक भ्रष्टाचारी या दागी है जब तक वह विरोधी खेमे है। जैसे ही वह भाजपा में शामिल हो जाता है उनपर लगे सभी आरोप ठंडे बस्ते में चले जाते है। एक तरफ भाजपा विपक्ष को भ्रष्टाचारियों का गठबंधन साबित करने में लगी है। वही विपक्ष भी भाजपा को उन तथाकथित भ्रष्टाचारियों के लिए वाशिंग मशीन बता है जो दबाव में या बागी बनकर विपक्ष से भाजपा के साथ चली जाती है। इसलिए विपक्षी एकजुटता के खिलाफ भ्रष्टाचार का नैरेटिव वांछित प्रभावकारी नहीं डाल पा रहा है। दूसरा, विपक्षी दलों को तोड़ने या डराने के लिए ईडी/आईटी/सीबीआई जैसी जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग एक स्थापित प्रचलन बन गया है। जनविमर्श में इनके द्वारा अग्रेषित छापों का मतलब सिर्फ.टीवी में ब्रेकिंग न्यूज और समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ की खबर बन कर रह गया है। तीसरा, जन सरोकार के मुद्दे पर दस साल का हिसाब देना भी भाजपा के लिए चुनौती है। समय-समय पर किए गए वायदों का आकलन, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था, केंद्र-राज्य संबंध और भाजपा द्वारा प्रदर्शित राजनीति व शासन का समेकित विवेचन वर्ष होगा। इन मुद्दों को विपक्षी गठबंधन अपने चुनाव अभियान में शामिल कर मोदी सरकार को घेरेगी वही भाजपा अपने प्रचारतंत्र से जवाब देगी। ये देखना दिलचस्प होगा कि जनमानस को कौन ज्यादा प्रभावित कर पाता है। एक तरफ जो डर जाए वो मोदी नही नैरेटिव वही दूसरी डर से लड़ने को तैयार विपक्षी दलों की बैठक 17-18 जुलाई 2023 को बैंगलुरु में होने जा रही है। इन बैठकों के माध्यम से बनती विपक्षी एकजुटता आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को कितना प्रभावित करेगा, ये देखना बेहद दिलचस्प होगा।

महिलाएँ : समाज की वास्तविक वास्तुकार

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु स्त्रियाँ हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। ह्यमहिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं। एक महिला क्या चाहती है?-समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें...

प्रियंका सौरभ
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

महिलाएं एक सशक्त शब्द है. यह आकर्षक है क्योंकि यह प्यार, देखभाल, पोषण, दायित्वों, जिम्मेदारियों, शक्ति, अनंत काल, मातृत्व आदि को दशार्ता है। नारी समाज का दर्पण है। जब उसे हाशिये पर धकेल दिया जाता है, तो उस पर अत्याचार किया जाता है; यदि इसे पाला जाता है, तो समाज को पाला जाता है; यदि इसे मजबूत किया जाता है, तो यह सशक्त होता है। वह संस्कृति और रीति-रिवाजों को बनाए रखती है और उन्हें सामने लाती है। वह वह है जो अपने पति और उसके परिवार की परवाह करती है। दूसरे शब्दों में, वह समाज में सब कुछ बनाती है। एक महिला (माँ) उसकी संतान होती है, पहली शिक्षक; वह अपने बच्चों का प्यार से इलाज करने वाली पहली डॉक्टर हैं। वह अपने बच्चों को पढ़ाने वाली पहली शिक्षिका हैं, अपने बच्चों के साथ खेल खेलने वाली पहली साथी हैं। अपने बच्चे के विकास में उसका कार्य बहुत बड़ा है।

हमारे समाज में कई सालों से महिलाओं को पुरुषों से कमतर समझा जाता रहा है। इस प्रकार की हीनता के कारण उन्हें अपने जीवन में विभिन्न मुद्दों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खुद को पुरुषों के बराबर साबित करने के लिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मध्य युग में लोग महिलाओं को विनाश की कुंजी मानते थे, इसलिए उन्होंने कभी भी महिलाओं को पुरुषों की तरह बाहर जाने और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी। फिर भी आधुनिक युग में महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और अपना करियर स्थापित करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। कई माता-पिता केवल लड़का पैदा करना पसंद करते हैं और केवल लड़कों को ही शिक्षा देने की अनुमति देते हैं। उनके लिए महिलाएं परिवार को खुश और स्वस्थ रखने का माध्यम मात्र हैं।

एक महिला को समाज में अधिक उपहास की दृष्टि से देखा जाता है और यदि वह प्रेम विवाह या अंतरजातीय प्रेम विवाह में शामिल होती है तो उसे ऑनर किलिंग का खतरा अधिक होता है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में स्वायत्तता, घर से बाहर गतिशीलता, सामाजिक स्वतंत्रता आदि तक समान पहुंच नहीं है। महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कुछ समस्याएं उनकी घरेलू जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक और सामाजिक निर्दिष्ट भूमिकाओं के कारण हैं। भारत सरकार ने लैंगिक समानता और सभी महिलाओं और लड़कियों की आर्थिक स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने के लिए हाल के वर्षों में कई नई नीतियां और सुधार लागू किए हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए, कुछ प्रमुख पहलों में 22 करोड़ महिलाओं के लिए जन धन खाते बनाना और उन्हें मुद्रा योजना के तहत कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना शामिल है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पहल शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

जनसंख्या की आवश्यकताओं के प्रति जिम्मेदार और उत्तरदायी निष्पक्ष, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने का लक्ष्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का प्राथमिक फोकस है। महिलाओं को सशस्त्र सेवाओं में स्थायी कमीशन प्रदान करना और मातृत्व अवकाश की अवधि 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह करना सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देता है और एक सक्षम वातावरण स्थापित करता है। बलात्कार को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों को भी और अधिक सख्त बनाया जा रहा है। इसके अलावा, उज्ज्वला कार्यक्रम, स्वाधार गृह कार्यक्रम और महिला शक्ति केंद्र उन मुद्दों से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिनका महिलाओं को आम तौर पर सामना करना पड़ता है। ये उन नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिन्हें लागू किया गया है। देश में महिलाओं के व्यापक सशक्तिकरण की गारंटी के लिए, सरकार, व्यापारिक समुदाय, गैर-लाभकारी संस्था और आम जनता सभी को मिलकर काम करना चाहिए। जन आंदोलन और जन भागीदारी के माध्यम से सामूहिक व्यवहार परिवर्तन भी आवश्यक है।

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु ह्यस्त्रियाँह्न हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। ह्यमहिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं।ह्न ह्लएक महिला क्या चाहती हैह्व?-समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें।

आवश्यक है अतीत के धरातल पर वर्तमान का मूल्यांकन

डा. रवीन्द्र अरजरिया

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्यों ने देश की प्रभावशाली छवि को उजागर कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस से संयुक्त अरब अमीरात होते हुए स्वदेश वापिसी की है। उनका प्रत्येक दौरा अभी तक विकास के नये सोपान के साथ पूर्ण होता रहा है। विश्व विरादरी में भारत की प्रभावशाली उपस्थिति से अनेक देशों के माथे पर बल पडने लगे हैं। दुनिया में विश्वास का पर्यायवाची बनने की राह में दिन दुगनी, रात चौगुनी प्रगति होने से सात समुन्दर पार रहने वाले भारतवंशियों का मस्तक सम्मान से ऊंचा होने लगा है। कभी दुनिया से सहायता की अपेक्षा करने वाला देश आज विदेशी धरती पर सहयोग, समर्पण और सहकार बांट रहा है। विस्तारवादी नीतियों के पक्षधर अपनी कूटनीतियों के धराशाही होने के कारण तिलमिला रहे हैं। उनकी बेचैनी को बढाने वाले अनेक कारकों में विगत 9 वर्षों की सीमित अवधि में मिलने वाले अन्तर्राष्ट्रीय सम्मानों की अन्तहीन श्रंखला भी महात्वपूर्ण स्थान रखती है। अभी हाल ही में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित गया। यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान लीजन ऑफ ऑनर दुनिया भर के चुनिंदा प्रमुख नेताओं और प्रतिष्ठित हस्तियों को ही दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह 14वां ऐसा सर्वोच्च राजकीय सम्मान है जो संसार के विभिन्न देशों ने पीएम मोदी को प्रदान किया है। इसके पूर्व मिस्र का सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से वहां के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने काहिरा में सम्मानित किया था। कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू नामक सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार उन्हें पापुआ न्यू गिनी को प्रशांत द्वीप देशों की एकता के लिए समर्थन देने और ग्लोबल साउथ के लिए नेतृत्व करने के लिए मई 2023 में दिया गया था। कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से उन्हें वैश्विक नेतृत्व की मान्यता देते हुए फिजी का यह सर्वोच्च सम्मान मई 2023 में दिया गया। पापुआ न्यू गिनी की यात्रा के दौरान देश के प्रधानमंत्री को पलाऊ गणराज्य के राष्ट्रपति सुरांगेल एस. व्हिप्स जूनियर ने एबाकल पुरस्कार से मई 2023 में सम्मानित किया था। भूटान ने दिसंबर 2021 में उन्हें वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो से सम्मानित किया था। अमेरिकी सरकार का लीजन ऑफ मेरिट सम्मान जिसे संयुक्त राज्य सशस्त्र बलों के सर्वोच्च पुरस्कार के रूप में जाना जाता है। यह सम्मान उत्कृष्ट सेवाओं और उपलब्धियों के प्रदर्शन में असाधारण सराहनीय आचरण हेतु दिया जाता है। हमारे प्रधानमंत्री को यह सन् 2020 में दिया गया। बहरीन के प्रधानमंत्री ने सन् 2019 में वहां का सर्वोच्च सम्मान द किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसा प्रदान किया था। मालदीप में ऑर्डर ऑफ डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन वह सर्वोच्च सम्मान है जो विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाता है। यह सम्मान भी भारत के प्रधानमंत्री को सन् 2019 में दिया गया। द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जिससे नरेन्द्र मोदी को 2019 में सम्मानित किया गया। संयुक्त अरब अमीरात के सर्वोच्च नागरिक सम्मान आर्डर आफ जायद से उन्हें 2019 में सम्मानित किया गया। ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन नामक पुरस्कार को फिलिस्तीन का सर्वोच्च सम्मान होने का गौरव प्राप्त है जिससे हमारे देश को सन् 2018 में सम्मानित किया गया। अफगानिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान आमीर अमानुल्लाह खान पुरस्कार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सन् 2016 में नवाजा गया। सऊद सऊदी अरब के सर्वोच्च सम्मान आर्डर आफ अब्दुल अजीज अल सऊदी अरब से उन्हें सन् 2016 में सम्मानित किया गया। इसके अलावा अनेक अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी हमारे देश के प्रधानमंत्री की बहुमुखी प्रतिभा, क्षमता और क्रियाशीलता का लोहा मानते हुए उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जिसमें कैम्ब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स का ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंट लीडरशिप अवार्ड 2021 है जो वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण के भविष्य के प्रति नेतृत्व की प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया जाता है। स्वच्छ भारत अभियान-2019 के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का सर्वोच्च सम्मान ग्लोबल गोलकीपर प्रदान किया गया। संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान

संक्षिप्त खबरें

सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 400 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और कहा कि सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में आदित्यनाथ ने एक-एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को सभी प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि वे समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। आदित्यनाथ ने सभी फरियादियों को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की चिंता करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरी करके शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

उप्रःसहारनपुर में व्यक्ति ने छोटे बेटे के साथ मिलकर बड़े पुत्र की हत्या की

सहारनपुर जिले के देवबंद थाना इलाके में एक व्यक्ति ने अपने छोटे बेटे के साथ मिलकर बड़े पुत्र की हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि शनिवार देर रात थाना देवबंद के ग्राम भायला निवासी बाटू ने परिवार के सदस्यों के बीच कहासुनी होने के दौरान अपने छोटे बेटे पंकज की मदद से बड़े पुत्र सचिन (25) की गला दबाकर हत्या कर दी। बताया जाता है कि सचिन मानसिक रूप से कमजोर था। जैन ने बताया कि बाटू की पत्नी सावित्री ने शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया, लेकिन दोनों आरोपी फरार हो गये। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही थाना देवबंद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि सावित्री ने अपने पति और पंकज को नामजद करते हुए थाने में तहरीर दी है।

कौशांबी में दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, नौ लाख रुपये कीमत का गांजा बरामद

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की कोखराज थाना पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने अवैध गांजा तस्करी करने वाले दो अंतर्जनपदीय तस्करों को गिरफ्तार कर 70 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बरामद किए गए गांजा की कीमत नौ लाख रुपये आंकी गयी है। कौशांबी के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) समर बहादुर ने बताया कि आज थाना कोखराज पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर सिहोरी टोल प्लाजा के पास दो व्यक्तियों राज प्रताप सिंह एवं ननका पासी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि दोनों के कब्जे से 70 किलोग्राम गांजा तथा एक बाइक बरामद की गयी। बरामद गांजे की कीमत नौ लाख रुपये आंकी गयी है। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बरेली में युवक की गोली मारकर हत्या; एक आरोपी गिरफ्तार

बरेली जिला मुख्यालय के प्रेमनगर थाने से कुछ ही दूर एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जाटवपुरा मोहल्ला निवासी अजय वाल्मीकि (26) शनिवार की रात मोटरसाइकिल से एक युवक के साथ अपने दोस्त से मिलने जा रहा था, तभी प्रेम नगर थाने के पास एक अन्य बाइक पर सवार तीन युवकों ने वाल्मीकि की बाइक रुकवायी और उनपर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। उसने बताया, हमलावरों ने आठ गोलियां चलाईं जिसमें वाल्मीकि गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने एक हमलावर को पकड़ लिया जबकि दो फरार हो गये। पुलिस ने बताया कि वाल्मीकि को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बरेली के पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी ने बताया कि यह आपसी दुश्मनी का मामला है। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ कई थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

समाजवादी पार्टी का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है : ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ, एजेंसी

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राष्ट्री य जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बाद रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है और अभी बहुत से लोग सपा छोड़कर राजग में शामिल होंगे। लखनऊ में जारी एक बयान में सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा का किसी से गठबंधन टिक ही नहीं सकता है। कांग्रेस और बसपा के साथ ही सुभासपा के साथ हुए सपा के पूर्व गठबंधन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की स्थिति नवासा (ससुराल की संपत्ति) पाने वाले व्यक्ति जैसी हो गई है, जो चाहता है कि गांव में सब कुछ उसी के पास रहे। सपा ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया था, लेकिन यह ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया। ओमप्रकाश राजभर ने वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा और राज्य की 403 सीट में से छह सीट पर उनके समेत सुभासपा के उम्मीदवार विजयी हुए। राजभर चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद सपा गठबंधन से अलग हो गये। राजभर ने कहा कि सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा और सुशासन के साथ-साथ वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों और हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भाजपा और सुभासपा मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सहयोगी रह चुके राजभर ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को हुई मुलाकात में दोनों दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है और अब उप्र में सभी 80 सीट पर राजग की जीत तय है। भाजपा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष में अहम (अहंकार) है, सभी खुद को बड़ा मानते हैं। इन दलों को भाजपा से सीखना चाहिए कि कैसे छोटे-छोटे दलों को जोड़कर सत्ता हासिल की जाती है। सुभासपा प्रमुख ने कहा कि 18 जुलाई को दिल्ली में राजग की बैठक में तय होगा कि रैलियां कैसे होंगी और सीट का बंटवारा कैसे होगा। दारा सिंह चौहान के भाजपा में आने के मामले पर राजभर ने कहा कि धर्म सिंह सैनी (योगी आदित्यनाथ की पिछली सरकार के मंत्री जो सपा में चले गये थे) को भी जल्द आपके सामने लाऊंगा। समाजवादी पार्टी के विधायक दारा सिंह चौहान ने शनिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद सपा ने इसे भितरघात और भरोसे का संकट करार दिया। मऊ जिले के घोसी से विधायक चौहान ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पिछली सरकार से मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद चौहान पिछले साल जनवरी में सपा में शामिल हुए थे। राजभर ने दोहराया कि सुभासपा और भाजपा का गठबंधन होने से राजग को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और हमारे समाज के सामाजिक संगठनों की हमेशा से कोशिश रही है कि भर/राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल कराया जाए और सुभासपा इस कार्य को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है।

अधिशासी अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया सफाई अभियान का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। सरकार की महत्वकांक्षी योजना ह्लस्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रमह्व के अंतर्गत सहसपुर नगर में सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए नगर पंचायत सहसपुर की चेयरपर्सन नाहिद परवीन,अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार तथा समस्त स्टाफ ने गंभीरता से लेते हुए योजना पर अमल करना शुरू कर दिया है।उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत सहसपुर नगर की सफाई को लेकर नगर सफाई अभियान को अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार ने हरी झंडी दिखाकर शुरू किया।अधिशासी अधिकारी सुभाष कुमार ने कहा स्वच्छता सर्वेक्षण सफाई अभियान सरकार की महत्वपूर्ण योजना है उन्होंने अपने अधीनस्थों को ह्लस्वच्छ सर्वेक्षण 2023 कार्यक्रम डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शनह्व योजना की जानकारी देते हुए बताया कि हमें हर हाल में यह सुनिश्चित करना है कि हमारा नगर कूड़ा,गंदगी से कैसे मुक्त हो। हमारा नगर, हमारा मोहल्ला और नगर की गली गली साफ और स्वच्छ रहे। जिसके लिए हमें गम्भीरता के साथ पूरे प्रयास करने है। इस योजना को सफल बनाने के लिए उन्होंने जनता से भी अपील की कि नगर की जनता भी इस कार्यक्रम में अपना भरपूर सहयोग करें अपने आसपास पानी कूड़ा तथा गंदगी जमा ना होने दें। नगरवासी स्वच्छ रहें स्वस्थ रहें।नगर सफाई अभियान के शुभ अवसर पर नगर पंचायत सहसपुर के अवर अभियंता सुनील कुमार, वरिष्ठ लिपिक सलमान अली, लिपिक जमशेद अख्तर खान, लिपिक मौहम्मद रिजवान आदि सहित नगर के सफाई कर्मचारी गणों ने भाग लिया।

उ. प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। प्रदेशीय आव्हान पर उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर आयोजित किया गया।धरने पर वक्ताओं द्वारा शिक्षकों की विभिन्न मांगो को उठाया गया। संगठन द्वारा 16 सूत्रीय मांग पत्र प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश चिकारा को सौंपा गया।धरने पर जनपद भर के विभिन्न विद्यालयों से सैकड़ों शिक्षक और शिक्षिकाओ तथा प्रधानाचार्यों ने प्रतिभाग किया।पूर्व शिक्षक विधायक सुभाष चन्द्र शर्मा ने कहा की सरकार शिक्षकों की मांगो को मान लें अन्यथा आगामी 2024 में चुनाव में शिक्षक इसका जवाब देंगे।सरकार को शिक्षकों की मांगो में बिल्कुल भी रुचि नहीं है।प्रदेशीय मंत्री डॉ0 जी0पी0सिंह ने कहा की मांग पत्र में लिखित सभी मांगे जायज हैं और जरूरी हैं।परंतु पुरानी पेंशन बहाली की मांग सबसे महत्वपूर्ण हैं।सरकार ने शिक्षकों की बुढ़ापे के लाठी छीन ली है।सरकार इसे हर हाल में वापस करे। शिक्षकों की एकजुटता पुरानी पेंशन लेकर रहेगी।जिलाध्यक्ष अतुल कुमार शर्मा ने कहा कि राजकीय शिक्षकों की भांति हमे भी निशुल्क चिकित्सा सुविधा अनुमन्य होनी चाहिए। गंभीर बीमारी में शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जिला महामंत्री गुरनाम सिंह ने कहा की सरकार को विगत कई वर्षों से ज्ञापन और धरना प्रदर्शनों के माध्यम से शिक्षकों की जायज मांगो से अवगत कराया गया लेकिन सरकार ने शिक्षकों समस्याओं पर बिल्कुल भी संज्ञान नही लिया।जो की विचारणीय है।इस मौके पर, रुकने आलम, महिपाल सिंह, आसिम अब्बासी, हसनैन नवाज, प्रेमवीर त्यागी, आनन्द कुमार, तेज सिंह, विनोद कुमार, मो0 एहसान, नरेंद्र पाल सिंह, वीरपाल, सुनील त्यागी, महेश शर्मा, मनोज गौड़, योगेंद्र सिंह, महेश पाल, शमशेर सिंह, दीपक त्यागी, राम इंदल, अंशु दिवाकर, रजा इमाम, राधेश्याम, राजवीर सिंह, अरशद नवाज, संतोष कुमार, घुरहू राम, प्रदीप कुमार, अनिल कुमार, अरविंद शर्मा, आलोक कुमार सिंह, परवेंद्र कुमार, योगेश यादव, दयानंद, हरिओम शर्मा, नरेंद्र कुमार, मो0 साहिद खान, छोटे लाल, इकरार हुसैन, भगवान दास, चारू शर्मा, ममता अग्रवाल, छवि रस्तोगी, रेखा सिंह, सुनीता सिंह, राजलक्ष्मी, शालिनी, श्वेता, तिलत फातमा,धर्मेंद्र कुमार,शीश पाल सिंह, कवेंद्र सिंह, संजीव यादव,अवनीश यादव आदि शिक्षक भारी संख्या में उपस्थित थे।

हमारी प्रमुख मांगें:-

- पुरानी पेंशन की बहाली।
- वित्तविहीन के शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन एवं समान सेवा नियमावली।
- शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा।
- विनियमितीकरण से वंचित तदर्थ शिक्षको का विनियमितीकरण तथा 12 माह से अवरुद्ध वेतन का भुगतान।
- सामूहिक बीमा पुनः लागू किया जाना।
- व्यावसायिक एवं कंप्यूटर शिक्षकों को शिक्षक का दर्जा तथा समान कार्य के लिए समान वेतन।
- स्थानांतरण नीति सरल एवं भ्रष्टाचार मुक्त हो आदि हैं।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिला बृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला बृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग को दिए गए वृक्षारोपण के लक्ष्य के सापेक्ष कितने पौधे लग गए हैं कितने बाकी हैं के संबंध में सभी विभागों से एक-एक करके जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि जिस विभाग को जो लक्ष्य पौधे लगाने का दिया गया है वह हर हाल में अपना लक्ष्य पूर्ण करें।कहा कि वृक्षारोपण के लक्ष्य के सम्बंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए लक्ष्य को पूर्ण करना प्रत्येक विभाग की जिम्मेदारी होगी।जिला अधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के तहत जनपद में प्रत्येक न्याय पंचायत में ग्राम वन की स्थापना की जाएगी।इसी प्रकार अमरोहा नगर पालिका के अंतर्गत गुलड़िया में नंदनवन की स्थापना की जाएगी और वन विभाग द्वारा तिगरी में आयुष वन की स्थापना की जाएगी सभी विभाग इसकी आवश्यक तैयारी कर ले इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए यह शासन की प्राथमिकताओं में हैं जिला वन अधिकारी प्रत्येक विभाग से समन्वय स्थापित कर स्थापना कराएं।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा,जिला वन अधिकारी सत्य प्रकाश,परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप, मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपजिलाधिकारी नौगांवा सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

मेरठ में छह कांवड़ियों की मौत से गुस्साए लोगों ने 13 घंटे बाद खोला जाम

मेरठ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के भावनपुर थाना क्षेत्र के राली चौहान गांव में शनिवार रात को हाईटेंशन तार की चपेट में आने से छह कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि दस से ज्यादा कांवड़िए घायल हो गए। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने किला परीक्षितगढ़ रोड पर रात को यातायात जाम कर दिया। अधिकारियों से दोषियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन मिलने के बाद रविवार सुबह ग्रामीणों ने जाम खोला। शनिवार रात से लेकर रविवार सुबह तक करीब 13 घंटे यातायात जाम रहा। राली चौहान गांव से कांवड़ियों का एक जत्था ट्रैक्टर-ट्रॉली पर हरिद्वार से डीजे कांवड़ लेकर आया था। औघड़नाथ मंदिर में जल चढ़ाने के बाद शनिवार रात को राली चौहान गांव में पहुंची डीजे कांवड़ हाईटेंशन तार से टकरा गई। कांवड़ में करंट उतरने से लगभग 20 कांवड़िए झुलस गए। इनमें से छह की मौत हो गई, जबकि बाकी कांवड़ियों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस दुर्घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने किला परीक्षितगढ़ रोड पर जाम लगा दिया। एडीजी राजीव सब्बरवाल ने अस्पताल में भर्ती कांवड़ियों का हालचाल पूछा। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी चैत्रा वी., जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने गांव में पहुंच कर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी रातभर ग्रामीणों को समझाते रहे। जिलाधिकारी ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए मजिस्ट्रियल जांच बैठा दी है। इसके साथ ही पावर कार्पोरेशन की भूमिका की जांच के लिए भी एक समिति का गठन किया गया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद रविवार सुबह ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों ने किया बीबी जहरा बैंकट हाल का उदघाटन

अल्पसंख्यकों को आधुनिक शिक्षा जरूरी: डा0 ढिल्लो

- पहला कार्यक्रम करने वाले को वेंकट हाल फ्री : सुबीना जैदी

प्रात : किरण संवाददाता

नौगावाँ सादात/अमरोहा। नगर पंचायत के बैक्ट हाल का उदघाटन शिक्षक विधायक डा० हरिसिंह ढिल्लो ने फीता काटकर किया।मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डा० हरिसिंह ढिल्लो ने अपने संबोधन में कहा कि चेयरमैन सुबीना जैदी जी ने जनता को ये बेहतर सुविधा दी है गरीब से गरीब व्यक्ति भी अपने बच्चो की शादी अब वेंकट हाल में कर सकता है। डा० ढिल्लो ने कहा कि नदीम जैदी सुबीना जैदी हमेशा जनता की सेवा को समर्पित रहते है।उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनवाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सभी के हित के लिए काम कर रही है।उन्होंने अल्पसंख्यकों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार अल्पसंख्यकों को शिक्षा देने का काम कर रही है।एक हाथ में अल्पसंख्यकों के पवित्र पुस्तक है तो दूसरे हाथ में कंप्यूटर है।स्वच्छता प्रेरक पूर्व चेयरमैन नदीम अब्बास जैदी ने कहा कि ये वेंकट हाल की योजना हमारे पिछले कार्यकाल की है जो अब फिर हमारे ही समय में शुरू हुई है।उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने वैंक्ट हाल के कहा कि बीबी जहरा वेंकट हाल कस्बे वासियों के लिए एक उपहार है इसका नगर वासी लाभ उठाए।उदघाटन समारोह की अध्यक्षता नौगावा सादात चेयरमैन श्रीमति सुबीना जैदी ने की।उन्होंने आए हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पहला कार्यक्रम करने वाले को वेंकट हाल फ्री दिया जाएगा।इस अवसर पर रालोद जिलाध्यक्ष चौधरी मनवीर सिंह चिकारा, पूर्व चेयरमैन नदीम अब्बास जैदी, सुहैल,हसन आगा,सभासद रिजवान हैदर, अली मंजर, इमरान अहमद, अनिल कुमार, सैयद मंजर आब्दी, कृष्ण कुमार, किरण पाल गुड्डू, गुड्डू मेंबर, इकबाल अहमद, नूर अब्बास राना, तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल यादव एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष अतुल चिकारा एडबोकेट , हरेंद्र सिंह ढिल्लो, जयदेव सिंह चिकारा, यूसुफ अंसारी,शाहबाज अंसारी, हसन सुजा,अली नसीर,हाजी नासिर अब्बास,शहनाज हैदर,सहित समस्त सभासद उपस्थित रहे।

धान की फसल में खरपतवारों की समस्या वर्षाऋतु होने के कारण अधिक होती है:कृषि अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला कृषि रक्षा अधिकारी बबलू कुमार जनपद के किसानो को परामर्श देते है कि इस समय धान की फसल की रोपाई प्रारम्भ हो चुकी है।धान की फसल में खरपतवारों की समस्या वर्षाऋतु होने के कारण अधिक होती है। खरपतवार फसल के पोषक तत्वों को गृहण कर लेते है जिस कारण फसल कमजोर एवं उत्पादन कम रह जाता है। कभी-कभी यह उत्पादन 20 से 40 प्रतिशत तक कम हो जाता है।इस वर्ष धान की फसल में खरपतवारों के नियन्त्रण हेतु प्रीइमरजन्स रूप में प्रयोग करने के लिए खरपतवारनाशी प्रीटीलाक्लोर 50 प्रतिङ्क प्राप्त हुआ है। जो जनपद की समस्त कृषि रक्षा इकाइयों पर भेजा जा चुका है। इस खरपतवारनाशी की 1.5 लीटर मात्रा प्रति है रोपाई के दूसरे तीसरे दिन प्रयोग की जाती है। खेत में पर्याप्त नमी रखते हुए 800 ली० पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए तथा एक सप्ताह तक खेत में हल्की नमी बनायें रखें इसका प्रयोग करने पर धान की फसल में कोई भी खरपतवार नही उग पाता तथा मिट्टी में उपलब्ध समस्त पोषक तत्व फसल को प्राप्त होते हैं। जिस कारण फसल स्वस्थ रहती है एवं उत्पादन भी अधिक प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त ब्युटाक्लोर 50 प्रतिशत 3 लीटर प्रति है पैन्डामैथिलीन 30 प्रतिशत 3.3 लीटर प्रति है० या एनीलोफॉस 30 प्रतिशत 15 प्रति है० का प्रयोग भी धान में खरपतवार नियंत्रण करने के लिए उपरोक्तानुसार कर सकते हैं।उ0 प्र0 सरकार द्वारा लघु एवं सीमान्त किसानो के लिए उपरोक्त खरपतवारनाशी प्रीटीलाक्लोर 50 प्रति० पचास प्रतिशत अनुदान पर जनपद की सभी कृषि रक्षा इकाईयो द्वारा किसानों को दिया जा रहा है, अत किसान भाईयो को सलाह दी जाती है कि अपने ब्लाक की कृषि रक्षा इकाई से अनुदान पर खरपतवारनाशी प्राप्त करे तथा उचित परामर्श भी प्राप्त करें।

किसान भारत की ताकत हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि किसान भारत की ताकत हैं और अगर हम उनकी बात सुनें और उनकी बात समझें तो देश की कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। गांधी ने आठ जुलाई को हरियाणा के सोनीपत के मदीना गांव में धान के खेतों की अपनी यात्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। करीब 12 मिनट के वीडियो में गांधी किसानों और उनके परिवारों के साथ बातचीत करते, खेतों की जुताई करते, धान के पौधे रोपते और बाद में किसानों के साथ खाना खाते हुए दिखे हैं। कांग्रेस नेता ने लघु वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, किसान हैं भारत की ताकत। सोनीपत, हरियाणा में मेरी मुलाकात दो किसान भाइयों, संजय मलिक और तसबीर कुमार से हुई। वो बचपन के जिगरी दोस्त हैं, जो कई सालों से एक साथ किसानी कर रहे हैं। गांधी ने ट्वीट में कहा, उनके साथ मिल कर खेतों में हाथ बटाया, धान बोया, ट्रैक्टर चलाया और दिल खोल कर कई बातें हुईं। गांव की महिला किसानों ने अपने परिवार की तरह प्यार और सम्मान दिया और घर की बनी रोटियां खिलाईं। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत के किसान सच्चे और समझदार हैं। अपनी मेहनत भी जानते हैं, अपने अधिकार भी पहचानते हैं। जरूरत आने पर काले कानूनों के खिलाफ डट जाते हैं, तो साथ में एमएसपी और बीमा की सही मांग भी उठाते हैं। अगर हम उन्हें सुनें, उनकी बात समझें, तो देश की कई समस्याएं भी सुलझ सकती हैं। कांग्रेस ने ट्वीट किया, भारत को एकजुट करने में किसानों का बहुत बड़ा योगदान है- उनका उगाया हुआ अनाज देश की हर थाली का हिस्सा है, लेकिन उनकी तपस्या का सही फल और सम्मान नहीं मिलता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी का वीडियो साझा करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने अपनी ह्यभारत जोड़ोह्व यात्रा को आगे बढ़ाते हुए किसानों और कृषि श्रमिकों से मुलाकात की थी। रमेश ने कहा कि गांधी ने किसानों के साथ समय बिताया, उनकी बात सुनी और उनके संघर्षों, समस्याओं और शिकायतों को समझा। रमेश ने कहा, किसानों ने बताया कि उन्हें किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्यों खेती करना पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है। महंगाई की मार से वे किस तरह परेशान हैं। कृषि क्षेत्र में निजीकरण से किसे फायदा हो रहा है? कांग्रेस महासचिव ने ट्वीट किया, उनलोगों ने कहा कि उनके भी कुछ सपने हैं। वे भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं। लेकिन सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिल रही है। रमेश ने कहा, हम किसानों एवं कृषि श्रमिकों के संघर्ष को सलाम करते हैं। हमारा स्पष्ट तौर पर मानना है कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं। हमें उनकी हर बात सम्मान और विनम्रता से सुननी चाहिए।

संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने मानसून सत्र से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं के बीच आम सहमति बनाने के लिये 19 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। लोकसभा सचिवालय की बुलेटिन के अनुसार, संसद के मानसूत्र सत्र या 17वीं लोकसभा के 12वें सत्र के दौरान लिये जाने वाले सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 21 नये विधेयकों को पेश व पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 भी शामिल है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए पेश किया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने कहा कि सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाने हैं, ऐसे में सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है। मणपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, संघीय ढांचे पर कथित आक्रमण, महंगाई, अडाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग, महिला पहलवानों के उत्पीड़न पर चर्चा कराने सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हमलावर रुख को देखते हुए सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। कांग्रेस के नेता के. सुरेश ने कहा, हाल में पार्टी की संसदीय रणनीति समूह की बैठक हुई, जिसमें तय किया गया कि हम मणपुर हिंसा,रेल सुरक्षा,संघीय ढांचे पर आक्रमण, जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने और महंगाई पर चर्चा कराने की मांग करेंगे। संसद का मानसून सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होगा। 23 दिनों का यह सत्र 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें प्रस्तावित हैं।

सड़क हादसों में मां-बेटी समेत तीन की मौत, चार अन्य घायल

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शनिवार को वाराणसी की ओर जा रही एक कार की शहर कोतवाली के चकसेमरा गांव के पास ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। उसने बताया कि इस हादसे में कार सवार शशिबाला श्रीवास्तव (65) और उनकी बेटी निष्ठा श्रीवास्तव (45) की मौत हो गई, जबकि दीक्षा (40), विदित मोहन (37), अपर्णा (17) और मन्नू (13) घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पता में भर्ती कराया गया है। गाजीपुर कोतवाली के उप-निरीक्षक सुनील कुमार के मुताबिक, दोनों महिलाओं के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार सवार लोग गोरखपुर से वाराणसी जा रहे थे। दूसरी घटना गाजीपुर के बहरियाबाद थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, गदाईपुर निवासी उपेंद्र सिंह उर्फ सोनू (34) बाइक सहित नहर में जा गिरा, जिससे उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उपेंद्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकताओं ने प्रखंड मुख्यालय में किया धरना प्रदर्शन

शाहकुंड (भागलपुर)। विगत दिनों पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण तरीके से भाजपा नेताओं और कार्यकत्ताओं पर पटना में हुई लाठीचार्ज की घटना से जहानाबाद के जिला महामंत्री विजय सिंह के निधन पर स्थानीय भाजपा कार्यकताओं ने शाहकुंड मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रखंड मुख्यालय शाहकुंड परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय विजय सिंह के तैलचित्र पर उपस्थित कार्यकताओं ने बारी-बारी से श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वर्गीय विजय सिंह अमर रहें के नारे लगा कर शुरूआत की। वहीं धरनार्थियों के समर्थन में अपने संबोधन में प्रखंड के पुर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार सिंह ने कहा कि जिस भाजपा के बलबूते नीतीश कुमार सत्रह वर्षो तक बिहार में शासन किए वही भाजपा का साथ छूटते ही उन्होने भाजपा द्वारा निकाली गई शांति मार्च में भाजपा कार्यकत्ताओं और नेताओं के ऊपर लाठी चार्ज करवाकर अपनी तुक्ष मानसिकता का परिचय देने का कार्य किया है। उनकी पुलिस भाजपा कार्यकत्ताओं पर मिर्च पाउडर छिटने का झूठा आरोप लगा रही है।

अंगिका भक्ति गीत की शूटिंग टीम के साथ अजगैविनाथ धाम पहुंचे, गायक छैला बिहारी

शाहकुंड (भागलपुर)।श्रावणी मेला में बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए देश के विभिन्न प्रांतों सहित कई जगहों के कांवरियों के जत्था पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। वहीं दूसरी ओर बिहार के मशहूर अंगिका लोक गायक कलाकार सुनील छैला बिहारी ने बोल बम पर आधारित अपने अंगिका भक्ति एलबम की शूटिंग की। इस दौरान शूटिंग देखने वालों की होड़ लग गई, वही गायक सुनील छैला बिहारी ने बताया कि भोजपुरी से ज्यादा अंगिका को लोग पसंद कर रहे हैं, और मैं अंगिका लोक गायक हूं और मेरी यह भोलेनाथ बाबा पर आधारित एल्बम तैयार हो रही है, उक्त एलबम के गाना लोगों को जरूर पसंद आएगा। वही उन्होंने राजनीति में आने की मनसा को लेकर कुछ भी बताने से इंकार किया है।

पशु चरवाहा के साथ मारपीट कर 25 हजार नगद लुटे आपराधी

संग्रामपुर(मुंगेर)।थाना क्षेत्र के मौजमा बहियार में पशु चरवाहा के साथ मारपीट कर 25 हजार नकद लूटने का मामला सामने आया है। इस संदर्भ में जमुई जिला के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मगही गांव के निरपथ यादव पिता स्व. चेतन यादव ने संग्रामपुर थाना में संग्रामपुर थाना क्षेत्र के जनकपुर गांव के मुरारी यादव व सालो यादव को मारकर घायल करने व 25 हजार रुपए लूटने का आरोपी बनाया है। थाना में दिए आवेदन में निरपथ ने कहा है कि शुक्रवार की संध्या लगभग 6.30 बजे मौजमा बहियार स्थित दिया पोखर के समीप अपने भैंस को चरा रहे थे। इसी दौरान मुरारी यादव व सालो यादव एकाएक मारपीट कर मुझे घायल कर दिया व बटन में रखा 25 हजार रुपए, जो आज ही दो बैल बिक्री किया था, लूट कर फरार हो गया। निरपथ ने थानाध्यक्ष नामजद आरोपी पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

सीडीपीओ का स्थान अंतरण के उपरांत विदाई समारोह का आयोजन

मुंगेर सदर ।शनिवार को सदर प्रखंड के शहरी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पूनम का स्थान अंतरण के बाद विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया वही नव पदस्थापित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी रंजना सिंह का स्वागत किया गया ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम सेविका द्वारा विदाई गीत गाकर उनकी विदाई की जा रही थी। तथा स्वागत गीत गाकर नव पदस्थापित सीडीपीओ रंजना सिंन्हा स्वागत किया गया वही स्वागत समारोह में उपस्थित जमालपुर सीडीपीओ विनीता कुमारी, मुंगेर ग्रामीण की नव स्थापित सीडीपीओ प्रियदर्शी जिला समन्वयक मुक्त महिला पर्यवेक्षिका रजनी कुमारी, गौरी रानी, रीता कुमारी, रजनी कुमारी, ममता कुमारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे तथा आंखें सभी की बरसती रही।

उल्टानाथ महादेव मंदिर में अनुपम श्रृंगार पूजा से माहौल हुआ भक्तिमय

तारापुर। श्री श्री 108 तारकेश्वर नाथ सह उल्टा नाथ महादेव मंदिर में शनिवार की रात सावन के मौके पर शाम ढ़लते भोलेनाथ का अनुपम श्रृंगार पूजा का भव्य आयोजन बड़े ही हर्षोउल्लास एवं धूमधाम से किया गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण और गर्भगृह को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। पूरे सादगी एवं हर्षोल्लास के साथ महिला एवं पुरुष शिवभक्तों सहित अन्य धमार्नुरागियों ने श्रृंगार पूजा में हिस्सा लिया। गौरतलब है कि धीरे-धीरे आस पड़ोस के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को लेकर श्रृंगार पूजा के समय मंदिर परिसर का चप्पा चप्पा लोगों की भीड़ से पट गई। बताया गया कि श्रृंगार पूजा का आयोजन मंदिर कमेटी के लोगों द्वारा पूरी तैयारी एवं विधि विधान के साथ प्रत्येक वर्ष सावन महीने में किया जाता है । श्रृंगार पूजा के बाद भारी संख्या में लोगों ने भोलेनाथ की भव्य महाआरती में भाग लेकर भोलेनाथ का महाप्रसाद ग्रहण किया।

शरीर में 751 सूईयां चुभोकर एक हट्टी कांवड़िया निकल पड़े हैं बाबाधाम

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। अजगैबीनाथ धाम गंगा तट पर एक से बढ़कर एक अजब अनोखे कावड़ियों का जत्था आने का शिलशिला जारी है, इसी तरह के भक्ति के अनूठे जज्बा के साथ कावड़िया अपने मन्नत पूरी होने के साथ हर साल सुल्तानगंज के गंगा तट पर नजर आते हैं। भक्ति भाव की पराकाष्ठा के अद्भुत दृश्य में कुछ अलग कर दिखाने की प्रबल आकांक्षा को लेकर ऐसे भक्तों को पूरे मेला मार्ग में आकर्षण का केंद्र बना रहता हैं। विगत चार जुलाई के पूर्व से श्रावणी मेला में अभी तक कई कांवड़िया अपने अनूठे भक्ति के रंग में डूबकर अजब-गजब रूप, रंग, आकार को धारण करने के साथ कांवड़िया अपनी मन्नत मांग को लेकर कांवर लेकर बाबा धाम यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। मेला में एकता अखंडता के प्रतीक के रूप में माना जाने वाला मेला में देश विदेश ही नही राज्य भर के कावड़ियों का जत्था अलग अलग रंगों के गेरुआ वस्त्र धारण कर सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ धाम स्थित गंगा के तट पर आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। वही इन सबसे अलग एक कांवरिया ऐसा भी दिख रहा है जिसके शरीर के ऊपरी हिस्से में वस्त्र की कोई जरूरत ही नहीं है। श्रावण के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को लेकर एक ऐसा अनोखा भक्त जल भरने कैमूर जिला के कुदरा गांव से पहुंचे है, जिसके गंगा तट पर आगम होते ही उसकी भक्ति के अनूठे स्वरूप को देखने के लिए पूरी कांवड़िया की भीड़ का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यह हठी कांवड़िया कैमूर के कुदरा गांव के संटू शर्मा उर्फ केसरिया लोहार है, जिन्होंने अपने शरीर में हजारों सुई पिरोकर गंगाजल भरने के लिए सुल्तानगंज गंगा तट पर पहुंचा है। जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। कावड़िया संटू शर्मा ने बताया कि भगवान भोले को कोई औघड़नाथ तो कोई औघड़दानी तो कोई पगला बाबा कहता है। मैं उसी पगला बाबा का भक्त एक पागल हूं जो बाबा का दर्शन करने देवघर जा रहा हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि बचपन से सुनता आ रहा हूं कि जो भी सच्चे मन से अपनी मुरादें ले बाबा बैद्यनाथ के दरबार में जाता है उसकी मुरादें पूरी होती हैं। इसी उम्मीद व विश्वास के साथ मैं अपनी एक मन्नत लेकर बाबा भोले के दरबार में हाजिरी लगाने जा रहा हूं। शायद मेरी भी पुकार भगवान भोलेनाथ सुन लें। उन्होंने कहा कि हजारों सुई की चुभन से शरीर में दर्द तो हो रहा है, लेकिन भगवान भोलेनाथ की भक्ति के आगे यह दर्द कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अच्छा खासा अपना रोजगार कर रहा था, लेकिन दो वर्षों के लॉकडाउन ने मेरा सब कुछ छीन लिया और मैं सड़क पर आ गया। लॉकडाउन की वजह से हुए कर्ज ने मेरी कमर तोड़ कर रख दी है। मैं जिंदगी से तंग आकर कुछ दूसरा रास्ता अपनाना चाहता था, लेकिन परिजनों के समझाने के बाद अब अपनी अर्जी लेकर भगवान भोले के दरबार में जा रहा हूं। अब बाबा बैद्यनाथ ही मेरा सच्चा मार्गदर्शन करेंगे, जय भोले नाथ, बोलबम, बोले मन यही कामना आस्था के साथ बाबा के दर्शन की आकांक्षा है।

जल जीवन हरियाली योजना के तहत जिलाधिकारी ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में जल जीवन हरियाली के तहत जगदीशपुर प्रखंड स्थित गोनू बाबा धाम इलाके में जिलाधिकारी व उनकी समुचित टीम पहुंची। जहां जिलाधिकारी ने जल जीवन हरियाली योजना के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान डीडीसी सहित संबंधित विभाग के कई पदाधिकारी मौजूद थे। वही सभी पदाधिकारियों के द्वारा अलग अलग प्रकार के दर्जनों पेड़ को लेकर पहुंचे जहां सभी पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की सुरुआत की। इस दौरान ग्रामीण लोगों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि देर शाम तक जिले भर में कुल एक लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित है, जो शाम तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि जिले में मनरेगा योजना के तहत चार लाख के लागत राशियों से उक्त पेड़ लगाए जाने की योजना सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। वही वन विभाग के द्वारा भी दो लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य हैं, जिसे जल्द ही पूरा किया जाएगा। वही जिलाधिकारी ने बताया कि गांव में अन्य समस्याओं को लेकर भी ग्रामीणों के द्वारा बताये गये तत्थयो पर ध्यान केंद्रित कर सुना गया है। जिसे जल्द दूर करने का संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

आगामी 2024-25 के चुनाव में भाजपा का खाता भी नहीं खुलने दूंगा : प्रवक्ता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड भागलपुर शाखा द्वारा भागलपुर के स्थानीय होटल के सभागार में जदयू व्यवसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ तथा जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में दल के सभी पदाधिकारियों का प्रशिक्षण सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार बबलू, सांसद अजय मंडल, ललन सर्राफ, कहकशां परवीन, बिपिन बिहारी सिंह, लक्ष्मीकांत मंडल व शुभानंद मुकेश के अलावे दर्जनों जदयू के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे। वही आगामी 2024 और 2025 के लोकसभा चुनाव मामले को लेकर सभी कार्यकताओं ने अभी से रणनीतियां बनाना शुरू कर दिया है। अपने राजनीतिक ताने-बाने में पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता सम्मेलन करते डटे हुए हैं। वही कार्यक्रम के दौरान चुनाव किस तरह मजबूती से कराया जाय उसके लिए पार्टी के गठित पदाधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। कार्यक्रम के क्रम में जदयू के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार बबलू भागलपुर पहुंचे, जहां उन्होंने नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की हालात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चलते पूर्णरूपेण चरमरा गई है। जब से नरेंद्र मोदी शासन को लेकर सत्ता में आई हैं, तभी से महंगाई और बेरोजगार वृहद पैमाने पर बढ़ गई है, आगामी 2024 और 2025 के लोकसभा चुनाव में जदयू भारी बहुमत से जीते और बीजेपी का खाता भी नहीं खुलने देंने की रणनीति पर सभी कार्यकताओं को तैयारी में जुटने का आवाहन किया है। वहीं उन्होंने कहा कि बीते दिनों पटना में बीजेपी के कार्यकताओं पर हुई लाठीचार्ज मामले को लेकर कहा कि लखीसराय के महामंत्री विजय जी का देहांत पुलिस की पिटाई करने से नहीं हुई है, वह अचेत मुद्रा में कहीं और गिरे मिले थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी उसको इस पुलिसिया कार्रवाई मामले से जोड़ने का काम कर रही हैं यह कहीं से सही नहीं है, साथ ही उन्होंने कहा कि गलत का अंजाम गलत ही होता है, इसलिए भारतीय जनता पार्टी को पुलिसिया दमन का सामना करना पड़ा है, वहीं उन्होंने अपने जनता दल यूनाइटेड को लेकर कहा हम लोग पूर्णरूपेण तैयार हैं और आगामी 2024 और 25 के लोकसभा चुनाव पूर्ण बहुमत से जनता दल यूनाइटेड जीतेगी और फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होंगे। जिसका जबाब जनता अपने भारी मतों के साथ विजयी का आशीर्वाद देंगी।

एक दिवसीय धरना सह श्रद्धांजलि सभा का किया आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। भाजपा कार्यकर्ता पर हुई बर्बरता पूर्ण हमला और भाजपा के कार्यकर्ता सह जहानाबाद के महामंत्री विजय सिंह की निर्मम हत्या के विरोध में भारतीय जनता पार्टी भागलपुर इकाई के द्वारा काला दिन के अवसर पर समाहरणालय स्थित कचहरी चौक के समक्ष शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन का आयोजन किया, साथ ही भाजपा के जहानाबाद के जिला महामंत्री विजय सिंह को श्रद्धांजलि भी दी गई। इस एक दिवसीय धरना सह श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रकोष्ठ के नेताओं द्वारा नीतीश सरकार के खिलाफ हल्ला बोल प्रदर्शन के साथ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नीतीश कुमार की हत्यारी सरकार के द्वारा भाजपा के निर्दोष कार्यकताओं पर पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज एवं बर्बरतापूर्ण हमले किये गये हैं उक्त मामले में भाजपा के जहानाबाद जिला महामंत्री विजय सिंह की मौत हो गई है, इसे बर्दाश्त नहीं करेगी, और इसका बदला अवश्य लेगी। आगामी 2024 - 25 के लोकसभा चुनाव में जनता खुद जवाब देगी। वहीं प्रदर्शनकारियों ने अपने अपने उद्गार में कहा कि यह तानाशाही अब नहीं चलने वाली है, यह जंगलराज पार्ट 3 हमलोग नहीं चलने देंगे। वहीं प्रदर्शनकारियों ने पुलिसिया रवैया को भी गलत ठहराते हुए जमकर प्रशासन के खिलाफ भी नारेबाजी करते दिखे। इस एक दिवसीय धरना सह श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के भागलपुर इकाई के सभी पदाधिकारी व दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे, सभी नेताओं व कार्यकताओं ने जहानाबाद के जिला महामंत्री विजय सिंह के तैलचित्र पर श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि अर्पित किए और बिहार में जल्द बदलाव का हुंकार भरी। इस काला दिवस सह श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी भागलपुर इकाई के जिलाध्यक्ष संतोष साह के अलावे सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

तीसरी सामान्य बोर्ड की बैठक हुई संपन्न

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। निगम परिसर में सामान्य बोर्ड की तीसरी बैठक मेयर डॉ. वसुंधरा लाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।वही बैठक में दौरान मेयर डॉ. वसुंधरा लाल के अलावे उप मेयर डॉ. सलाउद्दीन अहसन सभी वार्ड के पार्षद एवं सिटी मैनेजर विनय प्रसाद यादव शामिल थे। बैठक के दौरान निगम के तहत आने वाले सभी विभागों के कार्यों को लेकर समीक्षात्मक वार्ता की गई, जिन योजनाओं के तहत कार्य अभी भी अधूरा है, या फिर उसमें अनियमितता देखी जा रही है,उक्त बिंदु पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मेयर डॉ.वसुंधरा लाल ने कहा कि उसे जल्द सुधार किया जाय, वरना उच्च स्तरीय पदाधिकारियों को इसकी सूचना दी जाएगी। वही बैठक में स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे, कार्यों में जो भी इंजीनियर प्रतिनियुक्ति की गई हैं उनसे भी कई बिंदुओं पर वार्ता की, साथ ही जहां भी लाइट या अन्य कार्य किए जा रहे हैं, उस संचालित कार्य योजना में अनियमितता देखी गई थी, उसे बदलने की बात कही गई है और इंजीनियर को यह भी हिदायत करते हुए निर्देशित किया गया है कि ऐसा कोई काम ना करें, जो कि आपको बार-बार उक्त कार्य योजना से अवगत कराते हुए गलती सुधारने में ही समय व्यतीत करना पड़े। वही विगत दिन पूर्व एक पार्षद ने नगर निगम की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अपना इस्तीफा पत्र मेयर को सौंपा दिया था। इस पर मेयर डॉ. वसुंधरा लाल ने कहा कि जल्द नगर निगम की कार्यशैली को दुरुस्त किया जाएगा और वार्ड पार्षद को जनता से कहीं भी खरी-खोटी नहीं सुननी पड़ेगी। वही पार्षद को उसके मन मुताबिक अगर काम नहीं होगा।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट घटना में एक की हुई मौत

घटना को लेकर परिजनों ने कजरैली थाना पुलिस पर हत्या करवाने का लगाया आरोप

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में कजरैली थाना क्षेत्र गोड्डी गांव के अरविंद यादव गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों व परिजनों ने घायल व जख्मी अवस्था में बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाजोंप्रांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जिसकी सूचना मिलते ही परिजनों के बीच कोलाहल मच गई। वही घटना को लेकर मृतक की पत्नी ने दूसरे पक्ष के लोगों के साथ साथ कजरैली थाना पुलिस पर हत्या करवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि विरोधियों के साथ मिलकर मेरे पति को मरवा दिया है। दरअसल तीन एकड़ की जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच लम्बे समय से विवाद चला आ रहा था। उक्त जमीन को लेकर मृतक के भाई का कहना है कि वह लोग कोर्ट से टाइटल सूट चल रहा था जिसका फैसला हम लोगों के हक में आया था केसजीत चुके थे, जहां देर शाम जब मृतक अरविंद खेत पर गया हुआ था, तभी दूसरे पक्ष के बुधन यादव, पद्दू यादव, करकू यादव, राजू यादव, संजय यादव, बॉसकी यादव, धनिया यादव और मनोज यादव अचानक हमलावर हो गया,इस दौरान मृतक को जान से मारने की नियत से हथियार व पिस्तौल की बट से और लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। वही उक्त लोगों के द्वारा मृतक के ऊपर गोली भी चलाई थी, लेकिन मृतक अरविंद को गोली से भी बच गया था, जिसके बाद परिजन जब खेत की तरफ दौड़े तो देखा कि अरविंद घायल अवस्था में उसे थाने ले जाया गया, लेकिन वही थाना पुलिस ने हॉस्पिटल ले जाने के लिए कह दिया। वही जब घटना के पूर्व मारपीट हो रही थी तो थाना के नंबर पर सम्पर्क किया गया तो थाना प्रभारी का मोबाइल फोन फोन बंद कर दिया। वहीं परिजनों का आरोप है कि थाना प्रभारी के द्वारा ही दूसरे पक्ष को जमीन पर भेजा गया था। वहीं परिजनों के द्वारा घायल को जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के क्रम में जख्मी व घायल अरविंद यादव को चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। मौत के बाद परिजन का रो रो कर बुरा हाल है। वही अब देखने वाली बात है कि पुलिस के ऊपर लगाये गये आरोप की संबंधित वरीय अधिकारियों द्वारा जांच कर दोषियों के विरुद्ध पुलिसया कार्रवाई कब तक शुरू करती हैं और मृतक के परिवार को न्याय मिल पाती है या नहीं ये देखने वाली बात होगी है।

ट्रक चालक की ठोकर से साइकिल छात्र की मौके पर हुई मौत

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जाह्नी चौक स्थित रिंग बांध के समीप एक ट्रक बेलगाम चालक ने स्थानीय इलाके के एक साइकिल सवार बच्चे को रोंद कर मौत के घाट उतार दिया है। जिससे साइकिल सवार छात्र की मौके पर ही मौत हो गयी है। मृतक छात्र की पहचान इस्माइलपुर थाना के छोटी परबत्ता इलाके के चंद्रशेखर मंडल के पुत्र 12 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में की है। वही सूत्रों के तहत मिली जानकारी के7 अनुसार घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मृतक छात्र के पिता सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर गये हुए हैं। मृतक छात्र कृष्ण कुमार गांव के ही मध्य विद्यालय में वर्ग छह में पढ़ता है। वही घटना से आहत परिजनों ने बताया गया कि कृष्ण कुमार साइकिल से पशु चारा लाने के लिए रिंगबांध के पास खेत पर गया था, और वह खेत से पशुचारा लेकर साइकिल से पुनः घर लौट रहा था। इसी दौरान रिंग बांध के समीप तेजी व लापवाही से ट्रक चालक ने उसकी साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे किशोर कृष्ण की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक छात्र कृष्ण अपने परिवार में सबसे बड़ा पुत्र था। वही घटना की सूचना पाकर सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गये और आक्रोशित हो मुख्य सड़क मार्ग को बाधित कर जाम कर दिया। वही मौके पर पहुंचे इस्माइलपुर थानाध्यक्ष एजाज रिजवी ने आक्रोशित ग्रामीणों व परिवार के लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत करने के साथ मृतक बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए नवगछिया अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। वही ग्रामीणों ने बताया कि मृतक कृष्ण कुमार तीन बहन और तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। घटना के बाद ग्रामीणों ने उक्त ट्रक चालक सहित ट्रक को खदेड़ कर पकड़ लिया और वही संबंधित थाना पुलिस के हवाले कर दिया। वही मामले को लेकर इस्माइलपुर थाना पुलिस ने ट्रक सहित चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया काला दिवस, निकाला विरोध मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। विगत दिनों पटना में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री का पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकताओं ने बिहार के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। वही कार्यक्रम के क्रम में पटना में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता अक्रोशित दिखे है। शाहकुंड बाजार के मंदिर चौक पर भाजपा कार्यकताओं ने बिहार सरकार के विरोध में हल्ला बोल प्रदर्शन कर सीएम नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि जिस तरह शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से भाजपा कार्यकर्ता पटना में विधान सभा का घेराव करने जा रही थी, लेकिन सरकार के इशारे पर उनकी पुलिस ने भाजपा कार्यकताओं और नेताओं पर बर्बरतापूर्ण लाठियां बरसाई गई है। जिसमे एक कार्यकर्ता की मौत भी हो गई है और कई कार्यकर्ता घायल हो अस्पताल में भर्ती है। वही शाहकुंड जिला परिषद सह भागलपुर जिला परिषद अध्यक्ष अनंत कुमार उर्फ टून टून साह गंभीर रूप से धायल हो अस्पताल में भर्ती हैं। वही भाजपा कार्यकर्ता सरकार के इस बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की घोर निन्दा कर रही है। वही उन्होंने कहा कि आज का दिन इतिहास में कलंक का दिन माना जाएगा। उक्त घटना में भाजपा के एक कार्यकर्ता शहिद हुए हैं। इस घटना में सरकार के विरुद्ध हत्या का मुकदमा चलना चाहिए। इस दौरान भाजपा दल के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

देर रात पुलिस ने दबिश देकर कुख्यात अपराधी मो. आदिल को किया गिरफ्तार

भागलपुर। बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद इलाके में देर रात पुलिस की टीम ने दबिश देकर कुख्यात अपराधी मो. आदिल को उसके घर से गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने गिरफ्तार अपराधी के पास से एक पिस्टल और कई गोली भी बरामदगी की है। वही मामले को लेकर बताया जा रहा है कि वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी मो. आदिल किसी अपराध की घटना को अंजाम देने के लिए इलाके में पहुंचा हुआ है, और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला है। उक्त सूचना के आलोक में वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सीआईटी का गठन किया गया। टीम का नेतृत्व सिटी डीएसपी के द्वारा किया गया। वही छापेमारी टीम में सीआईटी के जवानों के साथ-साथ कई थानों की पुलिस को शामिल किया गया था। उक्त गठित टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से रणनीति तैयार कर इलाके की घेराबंदी कर हुसैनाबाद स्थित उसके घर से उसे हथियार व कई राउंड गोली के साथ धरदबोचा है। वही गिरफ्तार अपराधी मो. आदिल का पूर्व से दर्जनों मामले में वांछित है जो काफी समय से आपराधिक मामलों को अंजाम दे पुलिस के गिरफ्तार से फरार चल रहा था।

गंगा स्वच्छता को लेकर डीएम ने की बैठक

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। गंगा स्वच्छता को लेकर गंगा संरक्षण समिति के तहत समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन में जिलाअधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आहूत की। बैठक में गंगा स्वच्छता को लेकर गंगा संरक्षण परियोजना से जुड़े संबंधित सभी विभागीय अधिकारियों के साथ वार्ता की। बैठक में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने अधिकारियों को गंगा को स्वच्छ,पवित्र बनाने व पर्यावरण को स्वच्छ बनाने को लेकर रोजमर्रा के दौर में एक बार प्रयोग होने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि एक बार प्लास्टिक यूज करने वाले को चिन्हित कर उन्हें चेतावनी दे दी गई है, अगर दोबारा कृपया गलती करते हैं तो वैसे लोगों पर कानूनी रूप से प्राथिमिकी दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। वही गंगा को स्वच्छ रखने के लिए सरकार की ओर से कई योजना चल रही है, जिसमें उक्त योजनाओं को लेकर कई जगहों पर तेजी के साथ कार्य पूरे कर लिये गये हैं। वही भागलपुर में 40 प्रतिशत कार्य पूरे हो चुके हैं साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही गंगा स्वच्छता अभियान को लेकर प्लास्टिक प्रतिबंधित कार्य किये गये थे। वही गंगा स्वच्छता की कड़ी में भागलपुर निर्मल गंगा बनाने की मुहिम कारगर सिद्ध साबित होगी।

बोलबम का नारा है बाबा एक सहारा है, हाथी ना घोड़ा कोनो सवारी पैदल ही अईबू तोर दूआरी हो भोले नाथ बोलबम गीत खुब झुमें शिव भक्त

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) ।श्रावणी मेले में शनिवार की रात्रि मध्य विद्यालय कुमारसार के प्रांगण में पर्यटन विभाग बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन मुंगेर के सौजन्य से कांवरियों के मनोरंजन के लिए आयोजित किये जा रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान खुब झुमें कावंरिया।अधिकारियों की उपस्थिति में अमित मिश्रा म्युजिकल ग्रुप तारापुर की प्रस्तुत गायक अमित मिश्रा ने गणेश बंदना जय गणेश देवा जय गणेश देवा से की इसके बाद एक से बढ़कर एक भजन की प्रस्तुति को कावंरिया बोलबम ने सराहा। भजन गायिका हेमा गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किये जा रहे कार्यक्रम के दौरान कावंरिया खुब झुमें। गायिका हेमा गुप्ता, राजेश गुप्ता की भक्ति भजन गीत बोलबम का नारा है बाबा एक सहारा है, हाथी ना घोड़ा कोनो सवारी पैदल ही अईबू तोर दूआरी हो भोले नाथ बोलबम गीत पर की गयी प्रस्तुति से खुब तालिया बटोरी। कार्यक्रम में गायक राजेश गुप्ता अमित मिश्रा के गीत ने भक्ति गीतों का श्रदालूओं में काफी उत्साहित दिखा एवं जमकर शिव भक्तो ने लुफ्त उठाया ।कार्यक्रम में उदधोषक बेगूसराय के संतोष एवं विजय शंकर,बेन्जो पर धनंजय, आंरगेन पर सुभाष,नाल पर पवन कुमार आदि कलाकारों का सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के दंडाधिकारी सह बीसीओअनिल कुमार चौधरी उप प्रमुख सचिन कुमार आदि मुख्य रुप से शामिल थे।

भव्य समारोह आयोजित कर निवर्तमान बीडीओ को दी गयी भावभीनी विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ केनगर । कृत्यानंद नगर प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित सद्भावना भवन सभागार में स्थानांतरित निवर्तमान बीडीओ सत्येंद्र सिंह को भव्य सम्मान समारोह आयोजित कर और पुष्पगुच्छ प्रदान करते हुए अविस्मरणीय विदाई दी गयी। समारोह की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख सरिता सरोज ने की। वही कार्यक्रम की देख रेख एवं सुंदर भोज का आयोजन प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सह कार्य पालक पदाधिकारी शेखर कुमार के द्वारा किया गया।

समारोह में सीओ अशोक कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि निवर्तमान बीडीओ श्री सिंह के साथ मिल कर कार्य करने का अवसर मिला और इनका कार्यकाल बहुत ही व्यवस्थित रहा तथा विकास कार्यों को इन्होंने निरंतर निष्पक्षता के साथ संपादित कराया. सीओ ने कहा कि इनकी कर्तव्यनिष्ठा लोक सेवा के प्रति पूर्णरूप से समर्पित रही। निवर्तमान बीडीओ ने सम्मान सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केनगर प्रखंड में पदभार संभालने के उपरांत परिसर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने दिशा में संकल्पित प्रयास के तहत उन्होंने अन्य सहायक अधिक

मोहनलाल की वृषभ से डेब्यू करेंगी शनाया कपूर व जहरा खान

एक्ट्रेस शनाया कपूर और जहरा एस. खान, दिग्गज एक्टर मोहनलाल अभिनीत फिल्म वृषभ से अखिल भारतीय स्तर पर डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया, रोशन मेका के साथ एक्टिंग करती नजर आएंगी और इस एक्शन एंटरटेनर में अतीत और वर्तमान समय के बीच के अंतर को पाटने वाली की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उसी के बारे में बात करते हुए, शनाया ने कहा, मैं कैमरे का सामना करने और शूटिंग शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हूं, इस फिल्म में सीखने और जानने के लिए बहुत कुछ होगा। कहानी दिलचस्प है, जो मेरे साथ रही है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, फिल्म के साथ सभी बड़े नाम जुड़े हुए हैं, और इसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, यह ऐसी भूमिका है, जिसे निभाने के लिए कोई भी युवा अभिनेता उत्साहित और प्रेरित होगा, खासकर अपने करियर की शुरुआत में। यह एक सपने जैसा है, जो सच है। मोहनलाल सर के साथ, मैं वृषभ का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं उनकी आभारी हूं। दूसरी ओर, भारत की पॉप डिवा जहरा, जो गुजरे जमाने की स्टार सलमा आगा की बेटी हैं, भी इस फिल्म से अखिल भारतीय स्तर पर डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के पीरियड भाग में रोशन मेका के साथ मुख्य महिला भूमिका में जहरा एक योद्धा राजकुमारी की भूमिका निभा रही हैं और फिल्म में उनके कुछ प्रमुख एक्शन सीन हैं। जहरा ने बताया, वृषभ मेरी पहली अखिल भारतीय रिलीजिंग है, यह एक सपने के सच होने जैसा है, मैं हमेशा मोहन सर जैसे उच्च स्तरीय कलाकारों के साथ एक फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करना एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए उपहार है। फिल्म निर्देशक नंदा किशोर ने कहा, शनाया और जहरा दोनों ही लुक और स्किल के मामले में अपने-अपने किरदारों के लिए बिल्कुल फिट हैं। वे बहुत प्रतिभाशाली और मेहनती युवा एक्ट्रेस हैं। अभिनेता और निर्देशक के रूप में हमारा सहयोग कुछ ऐसा है, जिसे मैं अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं। वृषभ को कनेक्ट मीडिया और बालाजी टेलीफिल्म्स ने एवीएस स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया है। फिल्म का निर्माण अभिषेक व्यास, विशाल गुरनानी, जूही पारेख मेहता, श्याम सुंदर, एकता आर कपूर, शोभा कपूर और वरुण माथुर ने किया है।

ओटीटी पर अपने अभिनय का जलवा दिखाएंगे आशुतोष गोवारिकर

लगान', 'जोधा अकबर', 'पानीपत', 'स्वदेश' जैसी फिल्में बनाने वाले आशुतोष गोवारिकर एक शानदार एक्टर और राइटर भी हैं। ऐतिहासिक और देशभक्ति से भरपूर फिल्में बनाने के लिए मशहूर आशुतोष ने कई फिल्मों के लिए नेशनल अवार्ड भी जीते हैं। बहुत कम लोग इस बात को जानते हैं कि आशुतोष एक बेहतरीन फिल्ममेकर के साथ-साथ शानदार एक्टर भी हैं। इन दिनों वह अपने ओटीटी डेब्यू को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। आशुतोष बहुत जल्द वेब सीरीज काला पानी में नजर आने वाले हैं। नेटफ्लिक्स ने पोशम पा पिक्चर्स और समीर सक्सेना के साथ साझेदारी में अपनी नई सीरीज काला पानी की घोषणा कर दी है। यह सर्वाइवल ड्रामा उनकी 2022 की फिल्म जादूगर के बाद पोशम पा पिक्चर्स के साथ नेटफ्लिक्स का दूसरा प्रोजेक्ट है। अपनी दिल छू लेने वाली कहानियों के लिए जाने जाने वाले समीर सक्सेना इस सीरीज के शो-रनर हैं। काला पानी का निर्देशन समीर सक्सेना और अमित गोलानी ने किया है और इसे बिस्वपति सरकार, निमिषा मिश्रा, संदीप साकेत और अमित गोलानी ने लिखा है। बता दें कि काला पानी एक सर्वाइवल ड्रामा है। इसकी कहानी एक ऐसे समूह पर आधारित है, जो प्रकृति के प्रकोप से बचने की कोशिश कर रहे हैं। मनुष्य और प्रकृति के बीच इस अदृश्य लड़ाई दर्शकों को पसंद आएगी। काला पानी में मोना सिंह, अमेय वाघ, सुकांत गोयल, अरुशी शर्मा, राधिका मेहरोत्रा और विकास कुमार भी हैं।

द डिप्लोमैट में माइंड गेम खेलते दिखेंगे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम अपने करियर में बीते कुछ वक्त से एक्शन फिल्में ही करते नजर आ रहे हैं। हाल ही में उनकी एक नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' की अनाउंसमेंट हुई है। चर्चा है कि इस फिल्म में जॉन एक अलग अवतार में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े सूत्रों की मानें तो जॉन इसमें एक प्योर डिप्लोमैट के रोल में दिखाई देंगे। वे डिप्लोमेटिक स्टेप लेते हुए दुश्मन देश के बुरे इरादों को नाकाम करते नजर आएंगे। हाल ही में जॉन ने इस फिल्म का पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर पर लिखा हुआ है...'एक सच्चे हीरो को किसी हथियार की जरूरत नहीं है। कुछ जंग असल में युद्ध के मैदान से बाहर भी लड़ी जाती हैं। फिल्म की कहानी में दो देशों के बीच वॉर लाइक सिचुएशन पेश की जाएगी। इस दौरान दोनों देशों के डिप्लोमैट्स क्या डिसीजन लेते हैं वहीं अहम है।

चंडीगढ़ में री-क्रिएट किया इस्लामाबाद

इसकी कहानी बीते कुछ सालों के घटनाक्रम पर बेस्ड है। इसमें इस्लामाबाद में बेस्ड भारतीय दूतावास का अहम रोल है। मेकर्स ने इसके लिए चंडीगढ़ में इस्लामाबाद को री-क्रिएट किया। कुछ पोर्शन अमृतसर में भी री-क्रिएट किए गए। इस पूरी फिल्म को 55 से 60 दिनों में शूट कर लिया गया। मेकर्स ने इसमें कोई गाना नहीं रखा है।

फीमेल लीड रोल में हैं सादिया

'शिकारा', 'रक्षा बंधन' और 'अतरंगी रे' फेम एक्ट्रेस सादिया खतीब इसमें लीड एक्ट्रेस हैं। इसके अलावा इसमें कुमुद मिश्रा भी अहम रोल में नजर आएंगे। एडिड कास्ट के लिए थिएटर बैकग्राउंड से कई कलाकारों को कास्ट किया गया। कश्मीर से एक दर्जन नए थिएटर आर्टिस्ट कास्ट किए गए।

फाइनल एडिटिंग पर जारी है काम

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह फिल्म बनकर तैयार है पर इसे रिलीज करने को लेकर मेकर्स कोई जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। इन दिनों इसकी फाइनल एडिट का काम चल रहा है।

एक्सप्लोर होगी डिप्लोमैट्स की दुनिया

इस फिल्म के जरिए मेकर्स ने डिप्लोमैट्स की दुनिया एक्सप्लोर की है। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे वह अपनी सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ दुश्मन देश के भी अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ पेश आते हैं। दिखाया जाएगा कि दोनों देशों के डिप्लोमैट्स किस तरह का माइंड गेम खेलते हैं।

अगले साल 11 जनवरी को होगी रिलीज

मेकर्स फिलहाल इस फिल्म को अगले साल 11 जनवरी तक रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। हालांकि, ट्रेड एक्सपर्ट्स इसकी रिलीज डेट पर चर्चा कर रहे हैं। चर्चा है कि यह फिल्म प्रभास और अमिताभ बच्चन स्टारर 'प्रोजेक्ट के' से क्लैश हो सकती है।

बवाल की स्क्रिप्ट को सुनकर आंखों में आंसू आ गए थे

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर, जो अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म बवाल की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने शेयर किया है कि उनके लिए फिल्म का पहला नरेशन लगभग 30 मिनट लंबा था, जिसे सुनकर उनकी आंखों में आंसू आ गए। ऑडियंस को लोकल और इंटरनेशनल दोनों खूबसूरत स्थानों पर एक रोमांटिक जर्नी पर ले जाते हुए, लव स्टोरी दो व्यक्तियों अज्जू (वरुण धवन) और निशा (जान्हवी कपूर) के बीच एक इमोशनल रोलरकोस्टर का भी वादा करती है। पहली बार बवाल की स्क्रिप्ट सुनने के बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा- जब पहली बार मेरे सामने स्क्रिप्ट का नरेशन किया गया, तो यह लगभग 30 मिनट लंबी था, इसे सुनकर आखिर में मेरे आंखों में आंसू आ गए। मैं कुछ ही हिस्सों में हंसी। वरुण धवन ने आगे कहा, जब मुझे नैरेशन मिला तो मैं भावुक हो गया। हर बार जब यह हमें सुनाया जाता है, तो मैं भावुक हो जाता हूं। जब आपकी भावनाएं लगातार एक जैसी होती हैं, तभी मुझे लगता है यह एकदम सही स्क्रिप्ट है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित, बवाल अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की अर्थस्की पिक्चर्स के सहयोग से साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा टाइमलेस लव स्टोरी है।

हर किसी को अपनी राय रखनी चाहिए

अभिनेत्री काजोल ने अपनी पहली वेब सीरीज द ट्रायल में एक इंटेंस किरदार निभाया है। उनका यह किरदार अपनी राय को व्यक्त करने का मौका देता है। वेब सीरीज द ट्रायल में काजोल को एक वकील नोयोनिका की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है कि वह कैसे परिवार की देखभाल और अपने करियर को लेकर संघर्ष कर रही है। अपने नोयोनिका के किरदार को लेकर अभिनेत्री काजोल ने कहा, आप जहां भी हों, जब तक आपके पास आवाज है, आपको सुना जाएगा। जब तक आप अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं तब तक आपकी बात सुनी जाएगी। यदि आप सुनाना चाहते हैं तो आपको सुना जाएगा। शो के लिए शूट किए गए सबसे इंटेंस सीन के बारे में बात करते हुए काजोल ने कहा कि मुझे वह सीन बहुत पसंद है जहां नोयोनिका बैठती है और अपनी बेटी से कहती है कि सब ठीक हो जाएगा। यह एक अनकहा दृश्य है, जो मुझे पसंद है। डीडीएलजे अभिनेत्री ने कहा,एक और क्षण आता है जब वह विशाल के पास जाती है और कहती है कि तुमने कभी नहीं पूछा कि मैं क्या चाहती हूं, कृपया मेरे जीवन के बारे में निर्णय न लें। वह निश्चित रूप से अपने जीवन की जिम्मेदारी लेना चाहती हैं।गंभीर कोर्ट रूम ड्रामा द ट्रायल प्यार कानून धोखा में जीवन की एक दिलचस्प परीक्षा दिखाई गई है, जिसमें नोयोनिका जीवन की उन चुनौतियों से पार पाती है, जो उसके सामने आती है।शो में शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता, अली खान कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

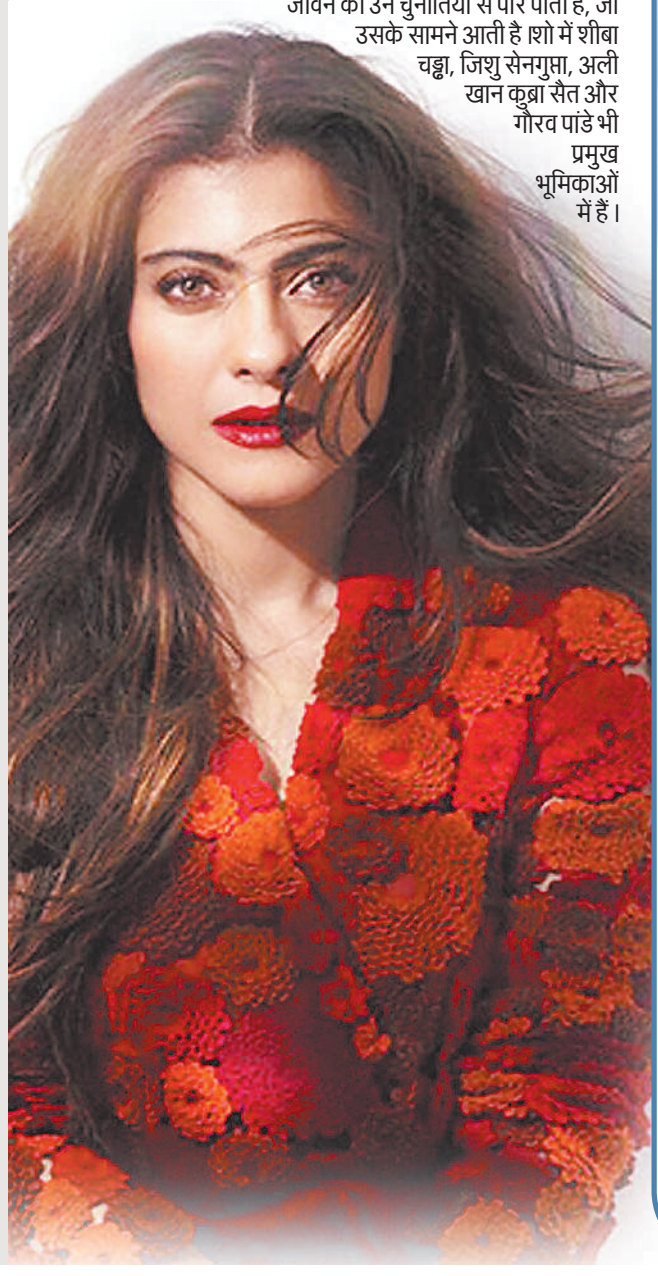

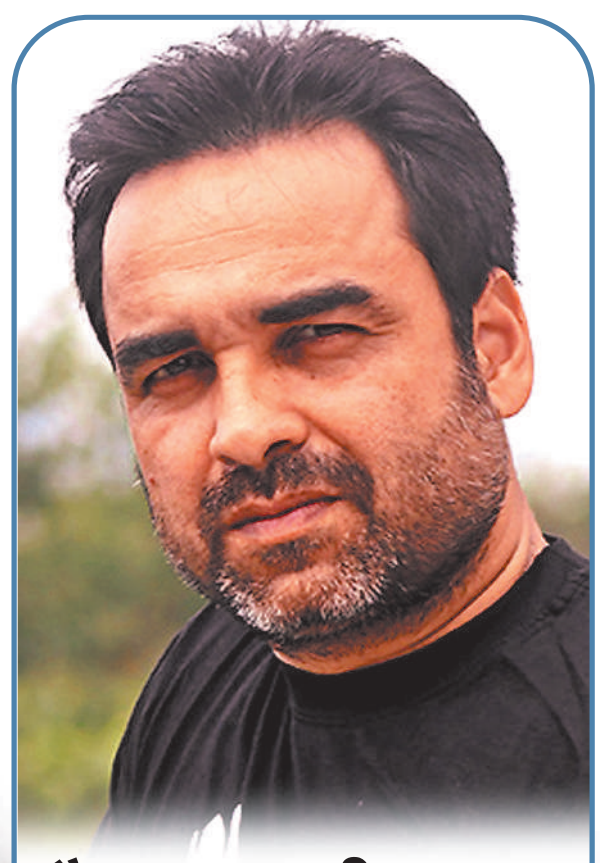

मैं अटल हूं की यात्रा को हमेशा याद रखूंगा

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक रवि जाधव द्वारा निर्देशित, मैं अटल हूं में पंकज ने भारत के तीन बार रहे प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाई है। लखनऊ शूटिंग शेड्यूल के दौरान फिल्म के निर्माताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और फिल्म पर विस्तार से चर्चा की।फिल्म ने शनिवार को मुंबई में अपना अंतिम शेड्यूल पूरा किया। फिल्म की शूटिंग 45 दिनों में मुंबई, दिल्ली, कानपुर और लखनऊ के कई स्थानों पर की गई है, जो दर्शकों को अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन और असाधारण राजनीतिक यात्रा से रूबरू कराएगी। पंकज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग से बीटीएस क्लिप और अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में अभिनेता की एक झलक देखी जा सकती है। उन्होंने पोस्ट को हिंदी में कैप्शन दिया- इस अटल यात्रा को हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। मैं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के शानदार व्यक्तित्व को बड़े पर्दे पर चित्रित करने के लिए भाग्यशाली महसूस करता हूं। फिल्म निर्माता रवि ने पंकज की पोस्ट पर टिप्पणी की और लिखा- अद्भुत दिन। अद्भुत यादें। आपके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा बहुत खुशी की बात रही है पंकज त्रिपाठी जी।भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और लीजेंड स्टूडियोज प्रोडक्शन, मैं अटल हूं का निर्माण विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान और कमलेश भानुशाली द्वारा किया गया है। इसे ऋषि विरमानी और रवि जाधव ने लिखा है।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में शामिल होंगी आलिया भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में शामिल होंगी, जिन्होंने एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान जैसी फिल्में बनाई हैं। अब वह सुपरस्टार आलिया भट्ट के साथ एक नए बड़े बजट के एक्शन शो का प्लान बना रहे हैं, जिसमें वह एक जासूस की भूमिका निभाती नजर आएंगी। यशराज फिल्म्स की यह अभी बिना टाइटल वाली फिल्म 2024 में रिलीज होगी। एक सूत्र ने कहा, आलिया आज हमारे देश की सबसे बड़ी सुपरस्टार्स में से एक हैं और वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में शाहरुख खान, सलमान खान और ऋतिक रोशन की तरह एक सुपर-एजेंट की भूमिका निभाएंगी।यह एक एक्शन फिल्म होगी, जिसमें आलिया एक मिशन पर काम करेगी। फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का और विस्तार करेगी।सूत्र ने बताया कि आलिया बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगी। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में उनका शामिल होना यह दर्शाता है कि आदित्य चोपड़ा इस फ्रेंचाइजी के लिए किसी भी ऑडियंस सेगमेंट को बाहर नहीं रख सकते। आलिया भारत के युवाओं के बीच सबसे बड़ी सुपरस्टार हैं और वह हमारी जनरेशन की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक भी हैं। सूत्र ने आगे कहा, आलिया हमारे समय के सबसे बड़े हीरो जितनी बड़ी हैं और उनका वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म में मुख्य भूमिका निभाना इस धारणा को काफी हद तक पुख्ता करता है। सूत्र ने निष्कर्ष निकाला, आदित्य चोपड़ा एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में आलिया को लेकर बहुत उत्साहित हैं जो स्पाई यूनिवर्स के भीतर अपने दम पर एक फ्रेंचाइजी का संचालन और शुरुआत कर सकती है और वह इस परियोजना को इतने बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे जो कि हैरान कर देने वाला होगा।

125 प्रतिशत रिटर्न के बाद अब 2 का शेयर बना रॉकेट

नई दिल्ली। एफसीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस के शेयर बीएसई पर 13 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2.43 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए थे। शेयर में वॉल्यूम में 4 गुना से ज्यादा का भारी उछाल देखा गया। मार्च 2023 में नेट सेल्स 8.29 करोड़ रुपये दर्ज की गई, जो मार्च 2022 में 9.99 करोड़ रुपये की तुलना में 17 प्रतिशत कम है।

5000 इलेक्ट्रिक बस बनाने का मिला ऑर्डर, शेयरों की मच गई लूट

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जेबीएम ऑटो की धूम मची हुई है। कंपनी ने कल यानी 13 जुलाई 2023 को शेयर बाजारों को बताया था कि उन्हें 5000 इलेक्ट्रिक बस बनाने का ऑर्डर मिला है। इस खबर के बाहर आने की देरी थी। जेबीएम ऑटो के शेयर पर निवेशक शुक्रवार की सुबह टूट पड़े। जिसके बाद कंपनी के शेयर 17.71 प्रतिशत तक चढ़ गए थे।

नेहा दास इस प्राइम डे पर अमेज़न प्राइम मेंबर्स को दे रहीं ढेरों खुशियाँ

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न पर मनाया जाने वाला प्राइम डे का जश्न सिर्फ प्राइम मेंबर्स के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम अमेज़नियंस के लिए भी ढेर सारी खुशियाँ लेकर आता है। ये अमेज़नियंस वही लोग हैं, जो देश भर में ग्राहकों को खुश करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। अमेज़न इंडिया में साइक्लिंग और स्केटिंग कैटेगरी मैनेजर नेहा दास से मिलिए, जो द्बड्ड5श्ठ्ठ.द्बठ्ठ पर साइक्लिंग और स्केटिंग कैटेगरीज़ में प्रोडक्ट्स की खरीदी के इच्छुक ग्राहकों को एक सुखद अनुभव देना सुनिश्चित करती हैं। नेहा दास वर्ष 2021 में अमेज़न में एक बिज़नेस डेवलपमेंट मैनेजर के रूप में शामिल हुईं। शुरुआत में उन्होंने अमेज़न ग्लोबल सेलिंग के माध्यम से भारत के ब्रांड्स और विक्रेताओं को संयुक्त अरब अमीरात और केएसए सहित भारत के बाहर अन्य बाजारों में प्रोडक्ट्स को निर्यात करने में सक्षम बनाया। इसका परिणाम यह रहा कि उन्हें वैश्विक ग्राहक आधार में मूल्यवान अंतर्दृष्टि हासिल हुई और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से ताल्लुक रखने वाले ग्राहकों को खुशी प्रदान करने में उनका कौशल भी बखूबी निखर सका। वर्तमान में अपनी भूमिका के रूप में, वे भारत में साइक्लिंग और स्केटिंग कैटेगरीज़ का नेतृत्व करती हैं, और इन गतिविधियों के प्रति ग्राहकों में खुशी और उत्साह का संचार करने के लिए लगातार नए तरीके खोजती हैं। प्राइम डे के लिए अपने उत्साह को दर्शाते हुए, नेहा दास ने कहा, प्राइम डे हमारे प्राइम मेंबर्स के लिए एक शानदार अवसर है, जो न सिर्फ उन्हें बेहतरीन डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के साथ सर्विसेस प्रदान करता है, बल्कि उनके खरीदारी अनुभव को भी श्रेष्ठतम बनाता है। खोज के इस शानदार समय में नई संभावनाओं को अपनाते हुए, प्राइम मेंबर्स कई सकारात्मक अनुभवों को प्राप्त कर सकते हैं। ब्रांड्स के नए लॉन्च लाना, उनकी इस यात्रा का हिस्सा बनना और इससे हमारे प्राइम मेंबर्स को मिलने वाली खुशी का गवाह बनना हमें दोगुनी खुशियाँ दे जाता है। नेहा दास को अमेज़न इंडिया में समान विचारधारा वाले सहकर्मियों के साथ काम करने में बेहद संतुष्टि मिलती है, जो ग्राहकों के लिए समान रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ देने का लक्ष्य रखते हैं। वे कहती हैं, अमेज़न का जीवंत वर्क कल्चर, अद्वितीय दृष्टिकोण और विचारों को महत्व देता है। यह टीम को एक सशक्त वातावरण प्रदान करता है और साथ ही उन्हें सीमाओं को पार करके आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

जॉइंट रिप्लेसमेंट में नई टेक्नोलॉजी पर सेमिनार

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के एमपी नगर में स्थित होटल रेसिडेंसी में शुक्रवार 14 जुलाई 2023 को मेडिकेयर हॉस्पिटल, इंदौर के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हेमंत मंडोवरा द्वारा फिजियोथेरेपिस्ट्स के लिए 'जॉइंट रिप्लेसमेंट में नई टेक्नोलॉजी पर' एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। जॉइंट रिप्लेसमेंट से जुड़े नई टेक्नोलॉजी के बारे में फिजियोथेरेपिस्ट्स से डॉ. हेमंत मंडोवरा अपने इस सेशन में जॉइंट रिप्लेसमेंट में उन्नत तकनीक विधियों, नए इम्प्लांट्स के प्रयोग के बारे में अपने अनुभव और जानकारियाँ साझा किए। डॉ. हेमंत मंडोवरा ने बताया यह विशेष आयोजन जॉइंट रिप्लेसमेंट के क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी के बारे में नवीनतम जानकारी देने का एक मौक़ा था, इस इंटरैक्टिव सेशन में फिजियोथेरेपिस्ट्स से प्री ऑपरेशन और पोस्ट ऑपरेशन अनुभवों को साझा किया। साथ ही मिनिमल इनवेसिव सर्जरी, पार्शियल नी रिप्लेसमेंट, अस्पताल से जल्दी छुट्टी, रिप्लेसमेंट के बाद सामान्य स्थिति में लौटना, कंधे के जोड़ बदलने वाले मरीजों और उनके स्वास्थ्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई।

भोपाल में स्मार्ट मीटरिंग प्रोजेक्ट के लिए भारतीय कंपनी की जगह चीन की कंपनी को चुना गया

भोपाल, एजेंसी। संवेदनशील परियोजना होने के बावजूद एमपी डिस्कॉम चीनी कंपनी को लगभग 900 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण ऑर्डर देने जा रही है। भोपाल में रहने वाले 975000 परिवारों का डाटा/जानकारी चीनी कंपनी के पास पहुंच जाएगी। मध्य प्रदेश की सरकारी उपक्रम मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमपीएमकेवीवीसीएल) ने स्मार्ट मीटरिंग के लिए एडवांस्ड मीटरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (एएमआई) सर्विस प्रोवाइडर (एएमआईएसपी) के चयन और नियुक्ति के लिए 27 नवंबर 2022 को निविदाएं आमंत्रित करने के लिए एक नोटिस जारी किया था, जो कि डिजाइन बिल्ड फाइनेंस ओन ऑपरेट ट्रांसफर (डीबीएफओओटी) मॉडल पर आधारित था। बोली लगाने वालों में इंडिया पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड 897 करोड़ रुपये की बोली के साथ एल1 विक्रेता के रूप में उभरा। अप्रावा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (जिसे चाइना लाइट एंड पावर इंडिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) ने 936 करोड़ रुपये की बोली के साथ एल2 विक्रेता का स्थान हासिल किया और जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को 949 करोड़ रुपये पर एल3 विक्रेता के रूप में सूचीबद्ध किया गया। इंडिया पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को 31 मार्च 2023 को लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस (एलओए) प्रदान किया गया था। मामूली देरी और अन्य प्रक्रियात्मक मुद्दों के कारण, डिस्कॉम ने इंडिया पावर को टर्मिनेशन लेटर जारी कर दिया। परिणामस्वरूप, ऑर्डर अब रू2 विक्रेता को ट्रांसफर किया जा रहा है, जिससे चिंताएं बढ़ गई हैं।

अवेस्थाजेन लिमिटेड ने पेश किया टीस्टार बायोएक्टिव गमिज, शुगर और कैलोरी मैनेजमेंट के लिए प्री-डायबिटिक और डायबिटिक हैल्थकेयर

भोपाल । अवेस्थाजेन लिमिटेड की इकाई अवेस्था गुड अर्थ फूड ने शुगर और कैलोरी मैनेजमेंट के लिए एक उत्पाद टीस्टार बायोएक्टिव गमिज पेश किया है। इससे भोजन के बाद ब्लड ग्लूकोज का स्तर 10एमजी/डीएल तक कम किया जा सकता है। इसमें सभी प्राकृतिक तत्वों को शामिल किया गया है जो कि ब्लड शुगर स्पाइक्स का मैनेज करता है और आगे एक बेहतर इंसुलिन प्रतिक्रिया को मैनेज करने में मदद करता है। टीस्टार को एक भारतीय औषधीय पौधे से विकसित किया जाता है, जिसका उपयोग आम तौर पर फूड मैट्रिक्स के एक हिस्से के तौर पर किया जाता है। इसका उपयोग पारम्परिक चिकित्सा में एक शक्तिशाली शुगर और कैलोरी मॉड्यूलेटर के रूप में किया जाता है और यह स्वस्थ बॉडी मास को मैनेज करता है। सबसे अच्छे परिणामों के लिए इसे नाश्ते और रात के खाने से पहले दो गमिज लेने की सिफारिश की जाती है। टीस्टार पेट में और हाइड्रेशन पर आंत में एक कोलाइडल प्रकार का सस्पेंशन बनाता है, और इस प्रकार गठित लेष्म भोजन के गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल पारगमन के साथ-साथ इसके पाचन को धीमा कर देता है। इस प्रकार, यह लम्बे समय तक पचने वाले भोजन से कम कैलोरी की उपज और बदले में, तृप्ति की अनुभूति प्रदान करता है। टीस्टार का निर्माण एक अत्याधुनिक निर्माण संयंत्र और आर एण्ड डी सुविधा में किया जाता है ।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में जमकर लगाया पैसा, जुलाई से अब तक निवेश किए 30,600 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई महीने में अभी 30,600 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस से साफ समझ में आता है कि एफपीआई का झुकाव अभी भी भारतीय शेयर बाजार की तरफ है. भारतीय शेयर बाजार को लेकर विदेशी निवेशकों का सकारात्मक रुख बना हुआ है। देश की आर्थिक वृद्धि और कॉर्पोरेट इनकम की वजह से इनका झुकाव भारतीय बाजार की तरफ है।

अगर इस तरह एफपीआई का निवेश जारी रहा तो जुलाई में एफपीआई द्वारा निवेश मई और जून में दर्ज आंकड़ों को पार कर जाएगा। आपको बता दें कि एफपीआई ने मई में 43,838 करोड़ रुपये और जून में 47,148 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस साल अब तक इक्विटी बाजार में निवेश 1.07 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश किया है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश काफी उज्ज्वल और व्यापक बना हुआ है। एफपीआई के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशक मार्च से लगातार भारतीय शेयर खरीद रहे हैं। इस महीने 14 जुलाई तक 30,660 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस आंकड़े में स्टॉक एक्सचेंजों के निवेश के अलावा, थोक सौदों और प्राथमिक बाजार के माध्यम से भी निवेश शामिल है।

राइट रिसर्च के संस्थापक सोनम श्रीवास्तव ने कहा

एफपीआई द्वारा लगातार खरीदारी के लिए देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि, मजबूत कॉर्पोरेट आय और अन्य बाजारों की तुलना में भारतीय शेयर के मूल्यांकन जैसे कई कारक शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय विनिर्माण और मजबूत बैंकिंग सेक्टर भी मजबूत भूमिका निभाते दिख रहा है।

इन सेक्टरों में विदेशी निवेशक कर रहे निवेश

एफपीआई वित्तीय, ऑटोमोबाइल, पूंजीगत सामान, रियल्टी और एफएमसीजी में निवेश करना जारी रखते हैं। इन सेक्टर के शेयर के खरीदारी के बाद स्टॉक की कीमतों में बढ़ोतरी में योगदान दिया है। पिछले कारोबारी हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार के अलावा भारतीय ऋण बाजार में 1,076 करोड़ रुपये डाले।

सरकार ने बफर स्टॉक के लिए तीन लाख टन प्याज खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 'बफर स्टॉक (भंडारण) के लिए 20 प्रतिशत अधिक यानी कुल तीन लाख टन प्याज खरीदा है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित सिंह ने रविवार को बताया कि सरकार प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) के साथ काम कर रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 2.51 लाख टन प्याज रखा था। बफर स्टॉक कम आपूर्ति वाले मौसम में कीमतों को काबू में रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत रखा जाता है। सिंह ने कहा, त्योहारी सीजन में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने इस साल बफर स्टॉक में भारी बढ़ोतरी करते हुए तीन लाख टन प्याज खरीदा है। प्याज की कोई कमी नहीं है। बफर स्टॉक के लिए खरीदा गया प्याज हाल ही में समाप्त हुए रबी सत्र का है। फिलहाल, खरीफ के प्याज की बुवाई चल रही है और अक्टूबर में इसकी आवक शुरू हो जाती है। सचिव ने कहा, आमतौर पर, खुदरा बाजार में प्याज की कीमत 20 दिन के लिए या खरीफ फसल के बाजार में आने तक दबाव में रहती हैं लेकिन इस बार ऐसी कोई समस्या नहीं होगी। उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय प्याज के संरक्षण के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग और 'बार्क के साथ प्रौद्योगिकी का भी परीक्षण कर रहा है। रोहित सिंह ने कहा, प्रायोगिक तौर पर हम महाराष्ट्र के लासलगांव में कोबाल्ट-60 से गामा विकिरण के जरिए 150 टन प्याज संरक्षण का प्रयोग कर रहे हैं। इससे प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 जुलाई को अखिल भारतीय स्तर पर प्याज का औसत खुदरा दाम 26.79 रुपए प्रति किलोग्राम था। इसका अधिकतम दाम 65 रुपए और न्यूनतम 10 रुपए प्रति किलोग्राम था।

कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुख, एफआईआई की गतिविधियों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुख और विदेशी कोषों के प्रवाह से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस समय स्थानीय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड स्तर पर हैं। विश्लेषकों का कहना है कि रुपए की चाल और ब्रेंट कच्चे तेल के दाम पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, ''वैश्विक बाजारों की दिशा, रुपए-से-डॉलर की विनिमय दर और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का बाजार के कुल रुख पर असर पड़ेगा। घरेलू घटनाक्रमों के अलावा ये कारक भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि संस्थागत गतिविधियों का भी बाजार पर प्रभाव देखने को मिलेगा। इस सप्ताह सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, अशोक लेलैंड, डीएलएफ, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान जिंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजे आने हैं। मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, ''वैश्विक और घरेलू संकेतक, कंपनियों के तिमाही नतीजे, विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों का रुख, मानसून की प्रगति तथा कच्चे तेल के दाम इस सप्ताह बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 780.45 अंक या 1.19 प्रतिशत की बढ़त में रहा। शुक्रवार को सेंसेक्स अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर 66,060.90 पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 66,159.79 के अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर तक चला गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी शुक्रवार को अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर 19,564.50 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 19,595.35 के अपने नए उच्चस्तर तक गया। वैश्विक मोर्चे पर चीन सोमवार को अप्रैल-जून तिमाही के आर्थिक वृद्धि के आंकड़े जारी करेगा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय बाजार में लिवाल बने हुए हैं। एफपीआई वित्तीय, वाहन, पूंजीगत सामान, रियल्टी और एफएमसीजी शेयरों में लगातार निवेश कर रहे हैं। एफपीआई की खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने में मदद की है।

अगले हफ्ते खुल रहा नेटवेब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। आइडियाफोर्ड टेक्नोलॉजीज, साएंट डीएलएम और सेनको गोल्ड की शेयर मार्केट में शानदार लिस्टिंग के बाद निवेशकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। अगले हफ्ते दो कंपनियों नेटवेब टेक्नोलॉजीज और अशर्फी हॉस्पिटल के आईपीओ शेयर मार्केट में दस्तक दे रहे हैं। ये दोनों आईपीओ सोमवार को खुलेंगे और इनका कुल साइज करीब 658 करोड़ रुपए का है। नेटवेब टेक्नोलॉजीज के इश्यू का साइज 631 करोड़ रुपए है जबकि अशर्फी हॉस्पिटल का आईपीओ 26.94 करोड़ रुपए का है। ग्रे मार्केट में दोनों कंपनियों के शेयर प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

नेटवेब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 17 जुलाई को खुलेगा और इस पर 19 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। हाई-एंड कम्प्यूटिंग सॉल्यूशन प्रोवाइड करने वाली इस कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड 475-500 रुपए प्रति शेयर तय किया है। इसका अलॉटमेंट 24 जुलाई को होने की संभावना है। बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 27 जुलाई को होने की संभावना है। मार्केट के जानकारों के मुताबिक ग्रो मार्केट में कंपनी का शेयर 338 रुपए के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहा है जो इसके इश्यू प्राइस से 65 फीसदी अधिक है।

यानी ग्रे मार्केट इसके 838 रुपए पर लिस्ट होने की उम्मीद कर रहा है। इश्यू खुलने से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 189.01 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इस इश्यू में 50 फीसदी क्यूआईबी के लिए, 15 फीसदी हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स के लिए और 35 फीसदी रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए है। यह एसएमई इश्यू 17 जुलाई को खुलेगा और इस पर 10 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। झारखंड के धनबाद में 250 बिस्तरों का हॉस्पिटल चलाने वाली इस कंपनी ने अपने इश्यू के लिए प्राइस बैंड 51-52 रुपए प्रति शेयर तय कर रखा है। इसके शेयरों का अलॉटमेंट 24 जुलाई को हो सकता है और इसकी लिस्टिंग 27 जुलाई को होने की संभावना है। ग्रे मार्केट में इसका शेयर 12 रुपए के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहा है। यानी ग्रे मार्केट इसके 64 रुपए पर लिस्ट होने की उम्मीद कर रहा है जो इसके इश्यू प्राइस से 23 फीसदी अधिक है। इसके इश्यू का लॉट साइज 2,000 शेयरों का है और रिटेल इन्वेस्टर्स न्यूनतम 104,000 रुपए की बोली लगा सकते हैं।

राजस्व सचिव की सलाह, जल्द से जल्द दाखिल करें आईटीआर, 31 जुलाई की समय सीमा बढ़ाने के लिए सरकार नहीं तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने आयकर दाताओं से जल्द से जल्द अपना रिटर्न दाखिल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय 31 जुलाई की समय सीमा को बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है। पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, हमें आशा है कि फाइलिंग पिछले साल से ज्यादा होगी...हमें उम्मीद है कि यह पिछले साल से ज्यादा होनी चाहिए।

पिछले साल 31 जुलाई तक लगभग 5.83 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे, जो आकलन वर्ष 2022-23 के लिए रिटर्न दाखिल करने का आखिरी दिन था। मल्होत्रा ने कहा कि हम आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों को धन्यवाद देना चाहते हैं क्योंकि आईटीआर दाखिल करने की गति पिछले साल की तुलना में बहुत तेज है और हम उन्हें सलाह देंगे कि वे आखिरी क्षण तक इंतजार न करें और समय सीमा में किसी भी विस्तार की उम्मीद न करें। इसलिए, मैं उन्हें जल्द से जल्द अपना टैक्स रिटर्न दाखिल करने की सलाह दूंगा क्योंकि 31 जुलाई की समय सीमा तेजी से नजदीक आ रही है। कर संग्रहण लक्ष्य के संबंध में मल्होत्रा ने कहा, यह लक्ष्य कमोबेश वृद्धि दर के अनुरूप है, जो 10.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, जहां तक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की वृद्धि दर का सवाल है, तो यह अब तक 12 प्रतिशत है। हालांकि, दर में कटौती के कारण उत्पाद शुल्क के मोर्चे पर विकास दर 12 प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा, फिलहाल यह काफी नकारात्मक है। उम्मीद है कि आगे चलकर कर दरों में कमी का असर खत्म होने के बाद हम उत्पाद शुल्क के संग्रह में कुछ वृद्धि देखेंगे। कुल मिलाकर हमें लगता है कि अभी शुरुआती दिन हैं... हम लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होंगे।

जम्मू-कश्मीर की लुप्त होती नमदा आर्ट को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित कर रहा है स्किल इंडिया प्रोजेक्ट

नमदा प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के स्किल इंडिया के विज़न के निर्णायक परिणाम का उदाहरण : चन्द्रशेखर

प्रोजेक्ट के तहत छह जिलों के लगभग 2,200 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के स्किल इंडिया के पायलट प्रोजेक्ट के तहत कश्मीर के नमदा क्राफ्ट को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिसमें राज्य के छह जिलों के लगभग 2,200 उम्मीदवार प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री, श्री राजीव चंद्रशेखर ने आज यूनाइटेड किंगडम (यूके) में एक्सपोर्ट के लिए नमदा क्राफ्ट के उत्पादों के पहले बैच को हरी झंडी दिखाई। यह प्रोजेक्ट कौशल विकास के क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी

(पीपीपी) मॉडल का एक बड़ा उदाहरण स्थापित करता है, क्योंकि इसे स्थानीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से कार्यान्वित किया जा रहा है। इस पहल के तहत, लगभग 2,200 उम्मीदवारों को नमदा क्राफ्ट में प्रशिक्षित किया गया है, जो इस पारंपरिक क्राफ्ट को संरक्षित करने और स्थानीय बुनकरों और कारीगरों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस प्रोजेक्ट के द्वारा कश्मीर के छह जिलों, श्रीनगर, बारामूला, गांदरबल, बांदीपोरा, बडगाम और अनंतनाग में लोगों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। माननीय प्रधानमंत्री रेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के युवाओं की स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है। मीर हैंडीक्राफ्ट और श्रीनगर कारपेट ट्रेनिंग और मार्केट सेन्टर जैसे स्थानीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से जम्मू-कश्मीर में इस पायलट प्रोजेक्ट का सफल कार्यान्वयन, कौशल विकास को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास के लिए निवेश आकर्षित करने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की ताकत का जीवंत उदाहरण है।

इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा, हमने 2021 में नमदा परियोजना शुरू की थी, और अब इसके परिणाम को देखना बेहद संतोषजनक है जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री के नया भारत, नए अवसर, नई समृद्धि के विज़न के साथ पूरी तरह से मेल खाता है और जो इस बात पर जोर देता है कि कौशल का मतलब नए अवसर और नई समृद्धि पैदा करना है। कारीगरों और हैन्डीक्राफ्ट्स सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा किए गए इस बड़े प्रयास के एक छोटे से हिस्से के रूप में, मैं आप सभी को इस कला की जबरदस्त सफलता और समृद्धि की शुभकामना देता हूं, और इस मील के पत्थर को हासिल करना हमारे लिए गौरव का पल है। उन्होंने कहा कि नमदा प्रोजेक्ट पीएम श्री नरेंद्र मोदी के स्किल इंडिया के विज़न के बेहद संतोषजनक और निर्णायक परिणाम का उदाहरण है, जो लोगों को सशक्त बनाने और अवसर पैदा करने के बारे में है। श्री राजीव चंद्रशेखर ने 2021 में जम्मू और कश्मीर का दौरा किया था और अपनी यात्रा के बाद, उन्होंने क्षेत्र में लुप्त हो रहे पारंपरिक क्राफ्ट के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए एक प्रोजेक्ट आयोजित करने की आवश्यकता व्यक्त की क्योंकि हैंडीक्राफ्ट सेक्टर उनकी अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख योगदानकर्ता और रोजगार जनरेटर है।

नमदा क्राफ्ट सामान्य बुनाई प्रक्रिया के बजाय फेल्टिंग तकनीक के माध्यम से भेड़ के ऊन से बना गलीचा है। कच्चे माल की कम उपलब्धता, कुशल जनशक्ति और मार्केटिंग तकनीकों की कमी के कारण, 1998 और 2008 के बीच इस क्राफ्ट के एक्सपोर्ट में लगभग 100 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसलिए, पीएमकेवीवाई के तहत इस स्पेशल प्रोजेक्ट के माध्यम से, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने इस लुप्तप्राय क्राफ्ट को संरक्षित करने के लिए शार्टटर्म ट्रेनिंग पाठ्यक्रम तैयार किया है। प्रोजेक्ट को प्रशिक्षण के 3 साइकिल में 25 बैचों में लागू किया गया है। प्रत्येक ट्रेनिंग प्रोग्राम लगभग साढ़े तीन महीने का था, जिसके परिणामस्वरूप साइकिल लगभग 14-16 महीनों में पूरा हो गया।

वर्ल्ड कप से पहले भारत के लिए अहम खबर

जल्द वापसी करेंगे जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी पूरी फिटनेस हासिल करने के करीब हैं और अगले महीने आयरलैंड दौरे के दौरान उनकी बहुप्रतीक्षित वापसी की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च में पीठ की सर्जरी कराने वाले और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में सफलतापूर्वक पुनर्वास के बाद पिछले महीने गेंदबाजी फिर से शुरू करने वाले बुमराह धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ा रहे हैं।

तेज गेंदबाज एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण की निगरानी में अपना रिहैब कार्यक्रम जारी रखे हुए हैं और वह नेट्स पर पूरे जोश के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं, जहां वह 8-10 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। जबकि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन सितंबर में एशिया कप के लिए बुमराह को शामिल

करना चाह रहे थे, पिछले कुछ हफ्तों में उन्होंने जो प्रगति की है उसका मतलब है कि वह अगले महीने दूसरी पंक्ति की भारतीय टीम के साथ आयरलैंड की यात्रा कर सकते हैं। उनकी यात्रा पर फैसला आने वाले दिनों में लिया जाएगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चोट की प्रकृति को देखते हुए बुमराह को अतिरिक्त देखभाल के साथ संभाला जा रहा है और वह पिछले सितंबर से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से चूक गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, बुमराह को नेट्स पर कोई असुविधा नहीं दिख रही है, जहां वह दैनिक आधार पर प्रशिक्षण ले रहे हैं। ऐसे संकेत हैं कि बुमराह एनसीए में कुछ अभ्यास मैच भी खेल सकते हैं, जहां शिविर चल रहे हैं।

एशिया कप और आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप जैसे प्रमुख आयोजनों से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है, जिसकी मेजबानी अक्टूबर और नवंबर के महीनों में भारत द्वारा की जाएगी। इस बीच एक अन्य भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा जिनकी लम्बर स्ट्रेस फैक्चर की सर्जरी हुई थी, अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं और उन्होंने गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है।

27 वर्षीय तेज गेंदबाज कृष्णा चोट के कारण आईपीएल 2023 से चूक गए थे और आखिरी बार उन्होंने अगस्त 2022 में जिम्बाब्वे में एक प्रतिस्पर्धी मैच में भाग लिया था। तब से वह स्ट्रेस फैक्चर से जूझ रहे हैं, जिसके बाद अंततः उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। फिलहाल कृष्णा अगले महीने आयरलैंड दौरे के लिए निश्चित नहीं हैं, वह एशिया कप में भाग लेने की कतार में हैं जिससे भारत को और बढ़ावा मिल सकता है। दूसरी ओर बार-बार होने वाली पीठ की चोट के लिए सर्जरी करवाने वाले श्रेयस अय्यर ने भी अपना रिहैब पूरा करने के बाद बल्लेबाजी फिर से शुरू कर दी है। पिछले साल फरवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के दौरान चोट लगने के बाद केकेआर के कप्तान आईपीएल 2023 से चूक गए थे। अगर वह फिट हो गए तो अय्यर आयरलैंड की यात्रा कर सकते हैं।

अमनजोत कौर के डेब्यू वनडे में चार विकेट, भारत ने बांग्लादेश को 152 रन पर समेटा

मीरपुर (एजेंसी)। भारत की युवा तेज गेंदबाज अमनजौत कौर ने वनडे में पदार्पण पर 31 रन देकर चार विकेट हासिल किये जिससे बांग्लादेश की टीम रविवार को यहां बारिश से प्रभावित शुरूआती एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 43 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। इस 23 साल की गेंदबाज ने सलामी बल्लेबाज मुर्शिदा खातून, फरगना हक, कप्तान निगार सुल्ताना और राबिया खान के विकेट झटके जिससे बांग्लादेश की टीम बारिश के कारण 44-44 ओवर के किये गये मैच में जूझती नजर आयी। निगार सुल्ताना घरेलू टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने शेरे बांग्ला राष्ट्रीय स्टेडियम में 39 रन की पारी खेलने के अलावा फरगना हक (27 रन) के साथ 49 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

बांग्लादेश की अंतिम बल्लेबाज शोर्ना अख्तर 44वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरी क्योंकि वह चोटिल थीं। इससे पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। अमनजोत और बायें हाथ की स्पिनर अनुषा बारेड्डी ने वनडे पदार्पण किया जबकि शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पूनिया ने 2021 के बाद पहली बार भारतीय टीम में वापसी की। बांग्लादेश के लिए शोर्ना अख्तर ने अपना वनडे पदार्पण किया।

दलीप ट्रॉफी

दक्षिण क्षेत्र ने पश्चिम क्षेत्र को हराकर जीता खिताब

बेंगलुरु (एजेंसी)। दक्षिण क्षेत्र ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को यहां पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से करारी शिकस्त देकर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। पश्चिम क्षेत्र ने 298 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 182 रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम 222 रन बनाकर आउट हो गई।

दक्षिण क्षेत्र की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर और तेज गेंदबाज वासुकी कौशिक ने चार चार विकेट लिये। दक्षिण क्षेत्र में 14वीं बार दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे उसने पश्चिम क्षेत्र से पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। पिछले साल फाइनल में पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया था। प्रियांक पंचाल ने सुबह अपनी पारी 92 रन से आगे बढ़ाई लेकिन वह इसमें केवल तीन रन जोड़कर पवेलियन लौट गए। उन्होंने तेज गेंदबाज विदवथ कावेरप्पा की गेंद पर विकेटकीपर रिकी भुई को कैच थमाया। इससे पश्चिम क्षेत्र की रही सही उम्मीद ही समाप्त हो गई।

कावेरप्पा को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अतीत सेठ (नौ) और धर्मेंद्रसिंह जडेजा (15) ने आठवें विकेट के लिए 23 रन जोड़े लेकिन इस से वह हार का अंतर ही कम कर पाए। धर्मेंद्र जडेजा ने साई किशोर की गेंद पर लंबा शॉट खेलने के प्रयास में वाशिंगटन सुंदर को कैच थमाया। इसके बाद उन्होंने सेठ को भी आउट किया।

लंबी कूद के एथलीट श्रीशंकर ने 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया, रजत पदक जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपने करियर के 8.37 मीटर के दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रयास से रजत पदक जीतकर 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर (24 वर्ष) ने अपने अंतिम राउंड की 8.37 मीटर की कूद से ओलंपिक क्वालीफिकेशन हासिल किया। पेरिस ओलंपिक के लिए मानक 8.27 मीटर का है और क्वालीफिकेशन समय एक जुलाई से शुरु हुआ। चीनी ताइपे के यु टांग लिन ने चौथे राउंड में 8.40 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक जीता जो इस सत्र में विश्व का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। चार 20 किमी पैदल चाल के एथलीट आकाशदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट (पुरुष वर्ग) और प्रियंका गोस्वामी (महिला वर्ग) ने पहले ही पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय 10,000 मीटर, संयुक्त स्पर्धा (डेकाथलॉन और हेप्टाथलॉन), पैदल चाल और रिले 31 दिसंबर 2022 से 30 जून 2024 तक है जबकि मैराथन रेस के लिए यह समयसीमा एक नवंबर 2022 से 30 अप्रैल 2024 तक है। अन्य स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाइंग समय एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक है। श्रीशंकर अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। वह तोक्यो ओलंपिक में क्वालीफिकेशन राउंड में बाहर हो गये थे। राजेश रमेश, ऐश्वर्या मिश्रा, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन की भारतीय मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी ने तीन मिनट 14.70 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता जबकि सर्वेश अनिल कुशारे और स्वप्ना बर्मन ने क्रमशः पुरुषों की ऊंची कूद और हेप्टाथलॉन में रजत पदक जीते। कुशारे के लिए यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय पदक है। उनकी पिछली सफलताओं में 2019 दक्षिण एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक शामिल है। भारत ने अभी तक 14 पदक जीत लिए हैं जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने वाले श्रीशंकर ने पिछले महीने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप के क्वालीफिकेशन दौर के दौरान 8.41 मीटर की कूद से अगस्त में होने वाली बुडापेस्ट विश्व चैम्पियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ कूद भी रही। टीसी योहानन के 1975 चरण में पोडियम में शीर्ष पर रहने के बाद कोई भी भारतीय एशियाई चैम्पियनशिप की लंबी कूद स्पर्धा का स्वर्ण पदक नहीं जीत सका है। लंबी कूद में पदक जीतने वाले पिछले भारतीय के प्रेम कुमार थे जिन्होंने 2013 में रजत पदक जीता था। श्रीशंकर यहां स्वर्ण पदक जीतने के प्रबल दावेदार थे। वह 8.12 मीटर की तीसरी कूद से सबसे आगे चल रहे थे लेकिन चीनी ताइपे के प्रतिद्वंद्वी ने चौथे राउंड में 8.40 मीटर की कूद लगाकर बढ़त बनायी।

लक्ष्य सेन अमरीकी ओपन से बाहर, सेमीफाइनल में फेंग से हारे

काउंसिल ब्लफ्स (अमरीकी) (एजेंसी)। भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन को अमरीकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में चीन के ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त सेन दूसरी वरीयता प्राप्त फेंग के खिलाफ 17-21, 24-22, 17-21 से हार गए। शनिवार की रात को खेला गया बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट का यह मुकाबला एक घंटे 16 मिनट तक चला। विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी फेंग और 12वीं रैंकिंग के सेन के बीच यह मुकाबला काफी करीबी रहा।

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ी 17 अंकों तक बराबरी पर थे लेकिन के बाद चीन के खिलाड़ी ने आक्रामक रवैया दिखाया जबकि भारतीय खिलाड़ी ने कुछ गलतियां की। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेन ने हालांकि दूसरे गेम में अच्छी वापसी की। पहले गेम की तरह दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियां की और 22 अंक तक दोनों बराबरी पर थे। लक्ष्य ने इसके बाद लगातार दो अंक बनाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

तीसरा और निर्णायक गेम पहले गेम की पुनरावृति था। फेंग ने शुरू में बढ़त बनाई और इंटरवल तक वह 11-8 से आगे थे। सेन ने हालांकि हार नहीं मानी और 17 अंकों तक स्वयं को मुकाबले में बनाए रखा। चीन के खिलाड़ी ने इसके बाद दबाव बनाया तथा मैच अपनी झोली में डाला।

वोंद्रोसोवा विम्बलडन जीतने वाली पहली गैरवरीय खिलाड़ी

इस चैंपियनशिप में लगातार दूसरा फाइनल हारीं ट्यूनीशिया की जेबुर

लंदन (एजेंसी)। चेक गणराज्य की गैरवरीय खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने टेनिस का सबसे पुराना टूर्नामेंट विम्बलडन का खिताब जीत लिया है। वोंद्रोसोवा ने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम टाइटल जीता है। उन्होंने शनिवार शाम लेडीज सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में ट्यूनीशिया की ओन्स जेबुर को 6-4, 6-4 से हराया।

मार्केटा विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की तीसरी खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले 1998 में जाना नोवोत्ना और पेत्रा क्वितोवा (2011 और 2014) यह खिताब जीत चुकी हैं।

146 साल पुराने इस टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब गैरवरीय खिलाड़ी ने यह खिताब जीता है। चैंपियनशिप के जेंटलमैन सिंगल्स का फाइनल मुकाबला रविवार को 7:30 बजे से 7 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच और दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्करेज के बीच खेला जाएगा।

वोंद्रोसोवा ने सीधे सेटों में जीता फाइनल

चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने लेडीज सिंगल्स कैटेगरी का फाइनल मुकाबला बड़ी आसानी से जीत लिया। उन्होंने ट्यूनीशियाई स्टार को एक घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया।चेक गणराज्य स्टार वोंद्रोसोवा ने फाइनल मुकाबला एक घंटे 20 मिनट में जीता।

पिछले साल ???रिबाकिना से हारी थीं जेबुर छठी सीड जेबुर लगातार दूसरी बार विम्बलडन फाइनल हारी हैं। उन्हें पिछले साल फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना ने हराया था। उन्हें तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। साल 2022 में सितंबर में अमेरिकी ओपन के फाइनल में उन्हें इगा स्वियातेक ने हराया था। ट्यूनीशियाई स्टार जेबुर ने लगातार दूसरी बार विम्बलडन का फाइनल मैच गंवाया है। पिछली बार उन्हें एलेना रिबाकिना ने हराया था।

कभी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ीं मार्केटा

मार्केटा कभी विम्बलडन में दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाईं। और न ही आज से पहले वह कभी सेंटर कोर्ट पर खेली थीं। उन्होंने सेमीफाइनल में 9 माह पहले मां बनीं यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। मार्केटा वोंद्रोसोवा की वर्ल्ड रैंकिंग 42 है। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम है। इससे पहले वह साल 2019 के फ्रेंच ओपन की रनरअप रही हैं।

यूएसकी नवरातिलोवा ने जीते सबसे ज्यादा 9 टाइटल

अमेरिका की मार्टिना नवरातिलोवा विम्बलडन की सबसे सफल महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस चैंपियनशिप के 9 टाइटल जीते हैं। जर्मन स्टार स्टेफी ग्राफ 7 खिताब के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

वर्ल्ड कप 2023

भारत-पाक मैच का असर, होटलों के बाद अब आसमान छू रहा हवाई किराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी 2023 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 5 अक्तूबर से शुरू होने वाला है। इस टूर्नामेंट का बहुप्रतीक्षित मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में भारत बनाम पाकिस्तान के बीच होगा जिसमें अभी तीन महीने शेष हैं। लेकिन मेजबान शहर के लिए हवाई किराया आसमान छू रहा है। मैच से एक दिन पहले 14 अक्टूबर की फ्लाइट टिकटों की कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, खासकर दिल्ली-अहमदाबाद और मुंबई-अहमदाबाद रूट के बीच। इससे पहले होटलों के किराए में भी भारी इजाफा देखा गया है।

वर्तमान में दिल्ली से अहमदाबाद और मुंबई से अहमदाबाद की एकतरफा सीधी उड़ान की कीमत 15,000 से 22,000 रुपए के बीच है। भारत बनाम पाकिस्तान मैच की लोकप्रियता पर प्रकाश डालते हुए इजमाइट्रिप के सीईओ और सह-संस्थापक निशांत पिट्टी के हवाले से कहा गया, जब से घोषणा आधिकारिक तौर पर की गई है, एक रात के लिए होटल टैरिफ में 5 गुना वृद्धि हुई है। लक्जरी होटल का किराया प्रति रात 50,000 रुपए तक का शुल्क ले रहे हैं। यह सिर्फ होटल ही नहीं बल्कि फ्लाइट टिकट भी बढ़ रहे हैं। भले ही लोग तीन महीने पहले बुकिंग करें, हवाई किराया सामान्य से छह गुना अधिक महंगा है।

आगे कहा गया, अगस्त और सितंबर में इकोनॉमी क्लास का दिल्ली-अहमदाबाद टिकट लगभग 3000 रुपए का होगा। लेकिन मैच से एक दिन पहले उसी टिकट की कीमत 20,000 रुपए होगी। हमारी वेबसाइट पर उड़ान टिकटों और खोजों की मांग अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। मैच देखने के इच्छुक अधिकांश लोगों ने पहले से ही टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है।

इक्सिगो के ग्रुप सीईओ और सह-संस्थापक आलोक बाजपेयी के हवाले से कहा गया, हमने सभी मेजबान शहरों की यात्रा के लिए सर्च क्वेरी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। पिछले साल दिल्ली-अहमदाबाद के लिए एकतरफा औसत उड़ान किराया 4973 रुपए था। इस साल यह इंडिगो की उड़ानों के लिए 12,000 रुपए और विस्तारा की उड़ानों के लिए 22,000 रुपए तक है। यह 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। मांग और उपलब्धता के आधार पर मैच की तारीखों के करीब मूल्य किराया बढ़ सकता है।

शाहिद अफरीदी बोले

विश्व कप का बहिष्कार मत करो, भारत जाओ, खिताब जीतो

करांची (एजेंसी)। भारत आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है जो अक्तूबर महीने शुरू होगा। किस टीम के खिलाफ कब मैच होने हैं, इसकी सारी जानकारी पहले ही सामने आ चुकी हैं। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने जारी किए गए शेड्यूल पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विश्व कप का बहिष्कार करने का फैसला किया, साथ ही कहा कि अगर मैच के लिए उनके मुताबिक मैदान नहीं चुने गए तो वह भारत नहीं आएंगे। हालांकि, यह गीदड़भभकी है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व महान क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने पीसीबी को टर्नामेंट का बहिष्कार करने की बजाय यह सलाह दे दी है कि वह भारत जाएं, साथ ही खिताब जीतकर लाएं।

अफरीदी को लगता है कि पाकिस्तान को विश्व कप के लिए भारत जाना चाहिए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को विश्व कप का बहिष्कार नहीं करना चाहिए। उन्हें भारत जाकर विश्व कप जीतना चाहिए। मेरे लिए या किसी भी पेशेवर क्रिकेटर के लिए सबसे बड़ी चुनौती भारत में खेलने और वहां भारतीय दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने से दबाव से निपटना है।

इस पूर्व हरफनमौला ने आहे कहा, '' कुल मिलाकर हमने भारत में खेलने का लुत्फ उठाया है क्योंकि अगर आप भारत में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आपको एक अलग स्तर की संतुष्टि और पहचान मिलती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पाकिस्तान को विश्व कप मैचों के लिए अच्छे स्थल मिले हैं और टीम के लिए उचित योजना बनाना जरूरी होगा। उन्होंने कहा, '' हमारी टीम काफी अच्छी है। टीम में कुछ शानदार प्रतिभाएं भी है। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि हम भारत जाकर अहमदाबाद या किसी और स्थल पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करें।

पाकिस्तान का पूरा शेड्यूल-

पहला मैच- पाकिस्तान बनाम क्वालिफायर 1, 6 अक्टूबर, हैदराबाद
दूसरा मैच- पाकिस्तान बनाम क्वालिफायर 2, 12 अक्टूबर, हैदराबाद
तीसरा मैच- भारत बनाम पाकिस्तान, 15 अक्टूबर, अहमदाबाद
चौथा मैच- ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, 20 अक्टूबर, बेंगलुरु
पांचवां मैच- पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान, 23 अक्टूबर, चेन्नई
छठा मैच- पाकिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका, 27 अक्टूबर- चेन्नई
सांतवा मैच- पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, 31 अक्टूबर- कोलकाता
आठवां मैच, न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान, 4 नवंबर- बेंगलुरु
नौवां मैच- इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान, 12 नवंबर- कोलकाता

जोकोविच - अल्कारेज में विम्बलडन फाइनल

अल्कारेज इस टूर्नामेंट का सिर्फ 12वां मैच खेलेंगे, जोकोविच इसे 7 बार जीत चुके

यूएस (एजेंसी)। विम्बलडन 2023 का फाइनल कार्लोस अल्कारेज और नोवाक जोकोविच के बीच खेला जाएगा। मुकाबला लंदन के ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब के सेंटर कोर्ट पर शाम 7:30 बजे होगा।अल्कारेज टूर्नामेंट में अपना 12वां ही मैच खेलेंगे जबकि जोकोविच 7 बार विम्बलडन जीत चुके हैं।

इसे 2 पीढ़ियों का मुकाबला भी कह सकते हैं, क्योंकि जब स्पेन में अल्कारेज का जन्म (2003) हुआ था तब जोकोविच ने अपने प्रोफेशनल करियर का आगाज कर दिया था। जब अल्कारेज ने पहली बार रैकेट थामा, तब जोकोविच पहला ग्रैंड स्लैम मैच खेल चुके थे। जोकोविच ने एक महीने पहले ही 23वां ग्रैंड स्लैम जीता है। ऐसे में यह देखना रोचक है कि आज के विम्बलडन फाइनल में नई पीढ़ी बाजी मारेगी या एक बार फिर अनुभव ही भारी पड़ेगा।

साल 2003 में स्पेन के मर्सिया शहल में जन्मे कार्लोस को छोटी उम्र में ही टेनिस से प्यार हो गया। उन्हें टेनिस विरासत में मिली। वे एक ऐसे परिवार में पले-बढ़े, जिसका टेनिस के प्रति रुझान था। कार्लोस के दादा ने एक

टेनिस क्लब शुरू किया था, जबकि उनके पिता कार्लोस अल्कारेज सीनियर एक सेमी-प्रो टेनिस प्लेयर रहे। उनके पिता स्पेनिश चैंपियनशिप के रनर-अप रहे और एक टेनिस अकादमी भी चलाते थे।

अल्कारेज ने 4 साल की उम्र में ही टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। कार्लोस के पेरेंट्स ने उनकी क्षमता पहचानी और उन्हें अपने सपनों को जीने के लिए प्रोत्साहित किया।

राफेल नडाल एकेडमी में टेनिस की बारीकियां सीखीं

12 साल की उम्र में ही कार्लोस अपने परिवार को छोड़कर बार्सिलोना में टेनिस कोचिंग लेने चले गए। यहां उन्होंने अपनी इंस्पिरेशन दिग्गज राफेल नडाल की एकेडमी में टेनिस की बारीकियां सीखनी शुरू कर दीं।स्पेन के राफेल नडाल ही टेनिस लीजेंड हैं। अल्कारेज जब 3 साल के थे, तब नडाल पहला ग्रैंड स्लैम जीत चुके थे।

16 साल की उम्र में प्रोफेशनल टेनिस करियर शुरू किया

अल्कारेज जब 16 साल के थे, तब उन्होंने रियो ओपन खेलकर प्रोफेशनल टेनिस में कदम रखा। अल्कारेज सेकेंड राउंड में हार गए, लेकिन अगले ही साल 2021 में उन्होंने अपने पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लिया। 17 साल के अल्कारेज तब ऑस्ट्रेलियन ओपन का हिस्सा बनने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। मैड्रिड ओपन में अल्कारेज के 18वें जन्मदिन पर उनका सामना अपनी इंस्पिरेशन राफेल नडाल से हुआ। 2021 में ही उन्होंने अपना पहला एटीपी सिंगल्स टाइटल जीता। उन्होंने ओपन डी ओयरास में जीत दर्ज की। इसी साल उन्होंने फ्रेंच ओपन, विम्बलडन और यूएस ओपन में हिस्सा लिया। यूएस ओपन में तो उन्होंने वर्ल्ड नबंर-3 स्टेफानोस सितसिपास को हराया।

2022 में पहला ग्रैंड स्लैम जीता, वर्ल्ड नंबर-1 भी बने

2022 अल्कारेज का साल रहा। वह ऑस्ट्रेलिया ओपन में पहली बार 31वीं वरीयता ले कर उतरे। वह तीसरे ही राउंड में हार गए, लेकिन मियामी, मैड्रिड, रियो और कोंडे गोडो ओपन मिलाकर 4 एटीपी खिताब जीते। इसी साल यूएस ओपन फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर-5 कास्पर रुड को 4-6, 6-2, 7-6, 6-3 के अंतर से हराया और अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता। साल का अंत उन्होंने वर्ल्ड नंबर-1 बनकर किया और 2023 में भी इसी फॉर्म को जारी रख अब विम्बलडन फाइनल में जगह बनाई।

संक्षिप्त समाचार

शहरी क्षेत्रों में 79 बायोगैस प्लांटों को मंजूरी, बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया था एलान

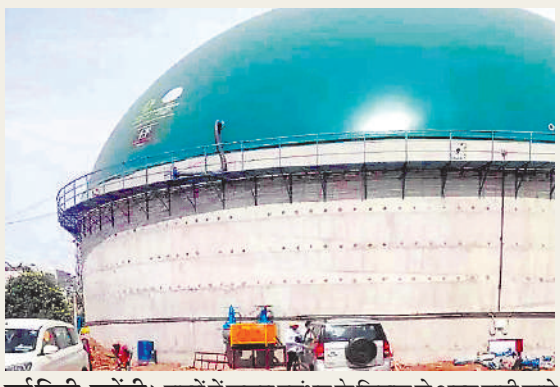

नई दिल्ली, एजेंसी। शहरों में कचरा प्रबंधन के लिहाज से अहम मानी जाने वाली गोबरधन योजना के प्रति राज्यों ने भी उत्साह दिखाया है और केंद्र सरकार भी इसके जल्द क्रियान्वयन में जुट गई है। इस योजना के तहत बायो गैस प्लांट लगाने के 79 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। पिछले दिनों राज्यों के साथ स्वच्छ भारत मिशन 2.0 की समीक्षा बैठक में इस योजना पर अब तक हुए काम का ब्योरा रखा गया है। इन प्लांट की कुल क्षमता 8449 टन कचरे का प्रतिदिन निस्तारण करने की होगी। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, अभी 13 राज्यों में बायो गैस प्लांट को मंजूरी दी गई है, लेकिन बैठक में कई अन्य राज्यों ने इस योजना से जुड़ने की इच्छा जताई है। उम्मीद है कि जल्द ही यह संख्या सौ तक पहुंच जाएगी। गौरतलब है कि इस साल के बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गोबरधन योजना के तहत पूरे देश में पांच सौ बायो गैस प्लांट लगाने का एलान किया था, जिनमें से 75 प्लांट शहरी क्षेत्रों में लगाए जाने हैं। शहरी क्षेत्रों में लगने वाले प्लांटों के लिए शहरी कार्य मंत्रालय और ग्रामीण क्षेत्रों में जलशक्ति तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय को मंजूरी देनी है। ये प्लांट गीले कचरे को बायो गैस में परिवर्तित करते हैं। जानकारी के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक प्लांट पंजाब के लिए मंजूर किए गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु हैं। शहरों के लिए बड़ी समस्या बनकर उभरे कचरे के निस्तारण के लिहाज ये प्लांट खासे अहम माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन प्लांटों की सफलता काफी कुछ इस पर निर्भर करेगी कि संबंधित शहर कचरे को अलग-अलग करने में कितना सफल हो पाते हैं। जब तक स्त्रोत के स्तर पर ही गीले और सूखे कचरे को अलग करने की व्यवस्था नहीं होती, तब तक इन परियोजनाओं का सौ प्रतिशत लाभ नहीं मिल सकेगा।

गठबंधन से पहले राजभर ने अमित शाह के सामने रखी शर्त, मांगीं तीन सीटें

नईदिल्ली, एजेंसी। करीब छह महीने से सुभासपा-भाजपा के गठबंधन को लेकर जो कयास लगाए जा रहे थे उन पर अब विराम लग चुका है। सुभासपा अध्यक्ष राजभर ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद सारे सस्पेंस खत्म कर दिए हैं। ओम प्रकाश राजभर अपने बेटे अरुण राजभर गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। एनडीए का हिस्सा बनने से पहले ओम प्रकाश राजभर ने गृहमंत्री के सामने तीन शर्तें भी रखीं। ये तीन शर्तें पूर्वांचल की तीन सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार तीन में से एक सीट पर बात भी बन गई है, जिस पर वह अपने छोटे बेटे अरुण राजभर को चुनाव लड़ाने की तैयारी में हैं। समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद से ही ओम प्रकाश राजभर दूसरे दलों के साथ गठबंधन को लेकर रास्ता खोज रहे थे। गठबंधन को लेकर राजभर ने पहले बसपा से संपर्क साधा लेकिन मायावती ने राजभर के लिए बसपा का दरवाजा ही नहीं खोला। इसके अलावा राजभर ने छोटे-छोटे दलों से भी गठबंधन किया। छह महीने पहले ही राजभर का मूड बदला और भाजपा के साथ जाने का मन बनाया। राजभर कई दिनों से भाजपा में जाने को लेकर हाथ-पांव मार रहे थे लेकिन उन्हें सही समय का इंतजार था। पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से हुई मुलाकात के बाद राजभर ने गठबंधन को लेकर तारीख तय कर दी थी, हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया था कि गठबंधन किससे होगा। शनिवार को राजभर बेटे अरुण के साथ जब दिल्ली में अमित शाह से मिलने पहुंचे तो गठबंधन की बात भी साफ हो गई। राजभर ने शाह से करीब एक घंटे तक बात की। राजभर ने शाह से पूर्वांचल की गाजीपुर, आजमगढ़ और चंदौली सीट मांगी। राजभर और अमित शाह के बीच गाजीपुर लोकसभा सीट को लेकर बात भी बन गई है। राजभर इस सीट से छोटे बेटे अरुण राजभर को लोकसभा का चुनाव लड़ाएंगे। इसको लेकर उन्होंने पूरी तैयारी कर ली है। वहीं दूसरी ओर एनडीए में शामिल हुए राजभर को एक बार फिर योगी सरकार मंत्री पद दे सकती है।

राजस्थान में रिश्वत लेने के आरोप में कांग्रेस नेता गिरफ्तार, शेखावत ने राहुल के साथ वाली तस्वीर जारी की

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में शनिवार को कांग्रेस नेता गोपाल केसावत समेत चार लोगों को 18.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रिश्वत की रकम राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) भर्ती परीक्षा में नौकरी दिलाने के लिए मांगी गई थी। इस संबंध में सीकर एसीबी को पीड़ित की ओर से शिकायत मिली थी। मामले की जांच कर रही एसीबी ने खुलासा किया कि आरपीएससी में कार्यकारी अधिकारी की भर्ती के लिए रिश्वत की मांग की गई थी। कुल 40 लाख रुपये की मांग की गई, बाद में सौदा 25 लाख रुपये में तय हुआ।शुक्रवार को सीकर में दलाल अनिल कुमार और ब्रह्मप्रकाश को 18.50 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था।इसमें से 7.5 लाख रुपये शिकायतकर्ता को वापस कर दिए गए और उसे यह राशि जयपुर में राजस्थान प्रदेश विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत को देने के लिए कहा गया।उधर, दलाल अनिल कुमार और ब्रह्मप्रकाश शुक्रवार रात दलाल रवींद्र शर्मा पुत्र बलराम को शेष 11 लाख रुपये में से 7.50 लाख रुपये की रिश्वत देने सीकर पहुंचे। एसीबी ने रवींद्र को भी गिरफ्तार कर लिया।इसके बाद परिवादी रिश्वत के 7.50 लाख रुपये लेकर गोपाल केसावत को देने गया, जिसे भी रिश्वत लेते हुए शनिवार को एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया।आरोपियों से पूछताछ में आरपीएससी के किसी सदस्य व अधिकारी कर्मचारी की मिलीभगत की जानकारी सामने नहीं आई है।एसीबी अधिकारियों ने बताया कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है। इन लोगों ने आरपीएससी में नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर पैसे मांगे।इसके बाद परिवादी ने एसीबी से शिकायत की। इस पर एसीबी की सीकर और जयपुर टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी की टीम फिलहाल केसावत के आवास और अन्य ठिकानों पर तलाशी ले रही है।इस बीच, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख गोविंद डोटासरा ने कहा, अपराधी की कोई जाति या पार्टी नहीं होती, केशवत को पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।इस बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आरोपी की कांग्रेस नेता राहुल गांधी से हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर शेयर की है।उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, तस्वीर में राहुल गांधी गोपाल केसावत से हाथ मिला रहे हैं, जिन्हें आरएएस भर्ती परीक्षा पास करने के लिए 18.5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गोपाल राज्य विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू कल्याण बोर्ड के के पूर्व अध्यक्ष हैं, जिन्हें राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त था।उन्होंने कहा, कांग्रेस नीचे से ऊपर तक एक भ्रष्ट पार्टी है। जब तक आलाकमान को काला धन मिलता रहेगा, तब तक राज्य कांग्रेस में अशोक गहलोत का दबदबा कायम रहेगा।

केंद्र के अध्यादेश पर आप का साथ दे सकती है कांग्रेस, नए बयान से मिले संकेत

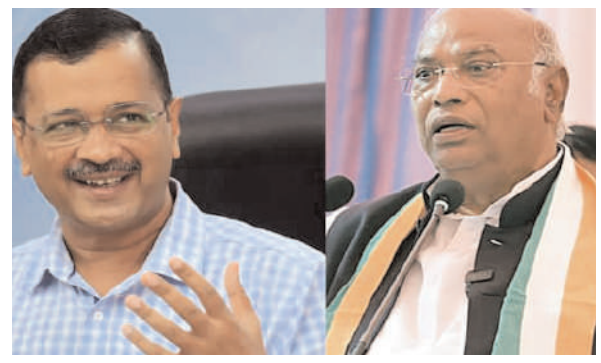

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को लेकर आए केंद्र सरकार के अध्यादेश के मामले में कांग्रेस आम आदमी पार्टी का साथ दे सकती है। इस मुद्दे पर भले ही कांग्रेस की दिल्ली यूनिट केजरीवाल सरकार पर हमला बोल रही हो, लेकिन सूत्रों से जानकारी मिली है कि संसद में कांग्रेस इस मुद्दे पर आप का साथ देगी। हालांकि, अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और आने वाले संसद के मॉनसून सत्र पर ही इस पर कोई भी निर्णय लिया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ऐसा बयान दिया है, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस ने अध्यादेश पर दिल्ली सरकार का साथ देने का मन बनाया है। शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में जयराम रमेश ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने हमेशा राज्यों में निर्वाचित सरकारों के संघीय ढांचे पर किसी भी हमले का विरोध किया है और वह ऐसा करना जारी रखेगी। संसद के अंदर भी और संसद के बाहर भी। कांग्रेस नेता के इस बयान में साफ तौर पर यह नहीं कहा गया कि क्या कांग्रेस दिल्ली में आम आदमी पार्टी का केंद्र के अध्यादेश पर समर्थन करेगी, लेकिन इससे कयास लगाए जाने लगे हैं।

बता दें कि आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार द्वारा कुछ समय पहले लाए गए अध्यादेश का पुरजोर विरोध किया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कई राज्यों के नेताओं से भी मुलाकात करते हुए उन्हें अध्यादेश का विरोध करने के लिए तैयार किया था। यहां तक कि 23 जून को पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में भी इसका जिक्र किया गया था। शुरुआत से ही कांग्रेस का कहना रहा है कि चूंकि यह संसद का मामला है, इसलिए संसद सत्र आने पर ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। वहीं, आम आदमी पार्टी का यह भी कहना है कि अगर कांग्रेस ने अध्यादेश पर अपना रुख साफ नहीं किया तो वह बेंगलुरु में आयोजित होने वाली विपक्षी दलों की अगली बैठक का हिस्सा नहीं बनेगी।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की अगुवाई में हुई कांग्रेस के संसदीय रणनीतिक समूह की बैठक के बाद मुख्य विपक्षी दल के महासचिव जयराम रमेश ने बयान दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस इस सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मणिपुर के मामले पर स्पष्टीकरण की मांग करेगी। सोनिया गांधी के आवास 10-जनपथ पर शनिवार शाम को हुई इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, करीब डेढ़ घंटे की इस बैठक में मॉनसून सत्र में सरकार की ओर से पेश होने वाले विधेयकों और हमारी ओर से उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, संघीय ढांचे पर जो आक्रमण हो रहा है, मोदी सरकार यह आक्रमण कुछ जगहों पर खुद कर रही है और कुछ जगहों पर उनके द्वारा नियुक्त राज्यपाल आक्रमण कर रहे हैं। चुनी हुई सरकारों पर आक्रमण हो रहा है। कांग्रेस पार्टी हमेशा इसके खिलाफ लड़ती रही है और लड़ती रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि संघीय ढांचे पर मोदी सरकार द्वारा रोजाना आक्रमण किए जा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं को खत्म किया जा रहा है। रमेश का कहना था।

डिजिटल माध्यम से होगा सीमा पार भुगतान, जी20 समूह के वित्त मंत्रियों की बैठक में सहमति बनाने पर फोकस करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। जी-20 समूह के वित्त मंत्रियों की बैठक में डिजिटल माध्यम से सीमा पार भुगतान को लेकर सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो भारत की सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के साथ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआइ) को बड़ा प्रोत्साहन मिल सकता है।

आगामी 17-18 को गांधीनगर में जी-20 समूह देशों के वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की बैठक होने जा रही है। इससे पूर्व बंगलुरु में वित्त मंत्रियों की बैठक में जी-20 समूह के देशों ने भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली में काफी दिलचस्पी दिखाई थी। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, डिजिटल भुगतान ब्लॉकचेन और अन्य डिजिटल उत्पाद की मदद से किए जाते हैं। दोनों ही प्रणाली पर बैठक में चर्चा होगी और सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अपनी डिजिटल करेंसी जारी की है। आरबीआइ भी थोक व रिटेल दोनों के लिए अपनी डिजिटल करेंसी जारी कर चुका है। यूपीआइ जैसी भुगतान प्रणाली को भी वैश्विक स्तर पर चलन में लाने पर चर्चा होगी। ब्राजील ने भी इस प्रकार की प्रणाली विकसित की है। अधिकारी के मुताबिक, परंपरागत तरीके से सीमा पार भुगतान की लागत अधिक होती है और इसके भुगतान में जटिलताएं भी हैं। इस भुगतान की गति धीमी होती है और इसमें पर्याप्त पारदर्शिता भी नहीं होती है। यही वजह है कि अब दो देश आपस में व्यापार करते समय में अपनी-अपनी करेंसी में भुगतान को प्राथमिकता दे रहे हैं। दो देशों के बीच व्यापार में किसी भी करेंसी को डॉलर में बदलने का एक झंझट होता है और भुगतान इतना सुगम नहीं होता है। 18 देशों के साथ रुपये में व्यापार करने की तैयारी के पीछे यह भी एक अहम वजह है। जानकारों का कहना है कि पश्चिमी देशों में यूपीआइ का चलन बढ़ने से यह मास्टरकार्ड व वीजा को चुनौती दे सकता है। दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस में यूपीआइ शुरू होने की घोषणा कर चुके हैं। स्वदेशी जागरण मंच के सह संयोजक अश्विनी महाजन ने बताया कि रुपये को वैश्विक करेंसी बनाने की तो अभी शुरुआत हुई है।

दिल्ली में निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स के गड्ढे में तीन लड़कों की डूबकर मौत, पुलिस बोली- बाढ़ से नहीं मरे

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के द्वारका सेक्टर-23 में निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स के गड्ढे में तीन लड़के डूब गए। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने बताया कि पुलिस को रात करीब आठ बजे सूचना मिली कि तीन लड़के गड्ढे में घुसे हैं लेकिन बाहर नहीं आये। यह पाया गया कि चार लड़कों का एक समूह दीवार कूदकर निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स के परिसर में घुसा था। ये लड़के सेक्टर-19 में फुटबॉल खेलकर घर लौट रहे थे। तीन लड़के अपना बैग घास पर छोड़कर पानी के गड्ढे में चले गए और डूब गए। तीनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हादसे की जांच जारी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह बारिश या बाढ़ से जुड़ी घटना नहीं है। निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स में पानी के गड्ढे सामान्य हैं। फिर भी पुलिस पूछताछ कर रही है। मृतकों की पहचान कुतुब विहार निवासी अरुण, अनुज और अभिषेक के रूप में की गई है। तीनों की उम्र लगभग 20 से 25 साल थी। चौथे लड़के ने इस घटना की सूचना अधिकारियों को दी। वह पानी के गड्ढे में नहीं घुसा था।

इस बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उफनती यमुना के जलस्तर में गिरावट आई है। कई इलाकों से बाढ़ का पानी कम होने पर अधिकारियों ने सड़कें खोल दी हैं।राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ग्रस्त इलाकों में स्थिति सुधर रही है। बीते दो दिन में हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा में कमी आई है। हालांकि दिल्ली से अभी बाढ़ का खतरा टला नहीं है। यमुना का जलस्तर अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। वहीं मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के दौरान दिल्ली में मध्यम स्तर की बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पबजी के बाद ऑनलाइन लूडो पर मोहब्बत, दोनों ने कर ली शादी, प्रेमिका को लेकर घर पहुंचा तो परिवार वालों ने भगाया

काकोरी, एजेंसी। पाकिस्तान की सीमा पबजी खेलते हुए सचिन से प्रेम कर बैठी। बंदिशों को तोड़ कर बच्चों को साथ लेकर वह सचिन से मिलने भारत आ पहुंची। ऐसा ही एक मामला काकोरी थानाक्षेत्र में भी सामने आया है। जहां ऑनलाइन लूडो खेलते हुए रिया तिवारी और रविराज के बीच दोस्ती हुई। परिवार की मर्जी के खिलाफ दोनों ने अंतरजातीय विवाह कर लिया। पत्नी को लेकर रविराज घर पहुंचा। बेटे-बहू को आशीर्वाद देने के बजाय परिवार वालों ने धक्का देकर उन्हें घर से निकाल दिया। सास-ससुर के इस रवैये से नाराज रिया ने काकोरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। बहू के थाने जाने की जानकारी मिलने पर बेटे रविराज की मां ने भी एफआईआर दर्ज कराई है।

चार महीने पहले रचाई शादी, रिश्तेदारों के घर ली पनाह: कठिंगरा निवासी किसान रामस्वरूप का बेटा रविराज देर रात तक मोबाइल पर ऑनलाइन लूडो खेलता था। करीब पांच माह पूर्व लूडो खेलते हुए बालागंज निवासी रिया तिवारी से सम्पर्क हुआ। दोनों करीब एक महीने तक चैटिंग करते रहे। फिर शादी करने का मन बना लिया। परिवार की मर्जी के खिलाफ रविराज और रिया ने शादी कर ली। रविराज के मुताबिक, वह पत्नी को लेकर घर गया तो माता-पिता ने रखने से मना कर दिया। इसके बाद नव दम्पति चार माह तक रिश्तेदारों के घर पनाह लिए रहे। शुक्रवार को वह लोग दोबारा परिवार वालों को मनाने के लिए घर पहुंचे। लेकिन रामस्वरूप और उसकी पत्नी कंचन ने बेटे-बहू को घर में प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी। इसे लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई।

हमारे रोकने पर नहीं माना...: मां कंचन के मुताबिक रविराज को उन्होंने समझाने का प्रयास किया था, लेकिन बेटे ने एक नहीं सुनी। माता-पिता को नाराज कर अपनी मर्जी से शादी कर ली। अब घर में जबरन घुसना चाहते हैं। यह बात हमें मंजूर नहीं है। कंचन का आरोप है कि रविराज को उसका चाचा नेकराम भड़का रहा है। जिसके बहकावे में आकर ही रविराज ने घर पहुंच कर झगड़ा किया है। एडिशनल इंस्पेक्टर राजीव सिंह ने बताया, बहू ने सास-ससुर के खिलाफ मारपीट और धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, किसान की पत्नी कंचन ने भी बेटे रविराज, बहू रिया के साथ देवर नेकराम के खिलाफ एफआईआर लिखवाई है। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

ट्रंप को चुनाव के लिए महिला सहयोगी की तलाश, उपराष्ट्रपति पद पर कमला को मिलेगी चुनौती?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और कार्यकाल के लिए 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर उन्हें रिपब्लिकन पार्टी से 2024 के चुनाव के लिए नामांकन भरने का मौका मिलता है तो वह उपराष्ट्रपति पद के लिए एक महिला उम्मीदवार को अपने सहयोगी के रूप में शामिल करना चाहेंगे। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप का अपने पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस के साथ मतभेद रहा है, दोनों एक-दूसरे पर कई बार मौखिक हमले कर चुके हैं।

ये तीन नाम हैं चर्चा में: मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप का प्रचार अभियान चुनाव से पहले ही तेजी पकड़ रहा है। वहीं चर्चा है कि पूर्व राष्ट्रपति के साथ तीन महिलाएं संभावित रूप से उपराष्ट्रपति पद के लिए टिकट की दावेदार हो सकती हैं। इनमें मर्जोरी टेलर ग्रीन , एलिस स्टेफनिकऔर क्रिस्टी नोएम के नाम शामिल हैं। टेलर ग्रीन और स्टेफनिक ट्रंप के मुखर समर्थक रही हैं और उन्होंने ट्रंप के खिलाफ लाए गए दोनों महाभियोगों को हटाने का प्रयास करते हुए सदन में कदम उठाए थे।

इस बीच, साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम को 2019 से गवर्नर के रूप में उनके प्रशासनिक अनुभव के कारण आम मतदाताओं के लिए सबसे आकर्षक माना जा रहा है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में कई दक्षिणपंथी उपायों के पीछे अपनी जोर आजमाइश की है। इन सबके बीच बड़ा सवाल यह है कि ट्रंप को आखिर महिला सहयोगी की जरूरत क्यों पड़ी? ट्रंप का लक्ष्य उपराष्ट्रपति पद के लिए एक महिला सहयोगी चुनकर अनिर्णीत युवा महिला मतदाताओं के बीच अपनी वोट बैंक में सुधार करना है। 2020 में महिला मतदाताओं के बीच उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, उस दौरान महिलाओं का जितना समर्थन जो बाइडन ने जुटाया था, ट्रंप उससे काफी पीछे थे।

बताया जा रहा है कि इस बार महिला मतदाताओं के बीच ट्रंप का समर्थन पिछले साल के 39 प्रतिशत के मुकाबले 44 प्रतिशत है और वह बाइडन से आगे बने हुए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए एक महिला सहयोगी युवा महिलाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा सकती है। रिपब्लिकन पार्टी के लिए जनमत सर्वेक्षण करने वाले फ्रैंक लंट्ज ने मीडिया को बताया कि यह निर्णय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैसे तो उपराष्ट्रपति आमतौर पर ज्यादा मायने नहीं रखता लेकिन जब राष्ट्रपति 80 वर्ष का होने वाला हो, तो यह विकल्प अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

भारत-चीन शक करने की बजाय एक-दूसरे का समर्थन करें

आसियान की बैठक में ड्रैगन बोला- दोनों देशों को रिश्ते बेहतर करने की जरूरत

जकार्ता, एजेंसी। चीनी डिप्लोमैट वांग यी ने भारत और चीन के बीच रिश्ते बेहतर करने की बात पर जोर दिया है। शुक्रवार को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आसियान देशों की मीटिंग हुई। इस दौरान वांग यी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। वांग यी ने कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे पर शक करने की बजाय समर्थन करना चाहिए। जयशंकर के साथ हुई मीटिंग के दौरान दोनों देशों के बीच जल्द मिलिट्री कमांडर लेवल की बातचीत करने का फैसला किया गया है। एस जयशंकर और वांग यी की मुलाकात में ट्रस्ट का मुद्दा भी उठा। एस जयशंकर ने जहां भारत-चीन बॉर्डर से जुड़े अनसुलझे विवादों का मुद्दा उठाया। वांग यी ने इस पर कहा कि सीमा विवाद को सुलझाने के लिए ऐसे समाधान की जरूरत है जिसे दोनों देश मंजूर कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि चंद मुद्दों से भारत-चीन के रिश्ते को परिभाषित नहीं किया जा सकता है। एस जयशंकर और वांग यी ने इंडो-पैसिफिक के मुद्दे पर भी चर्चा की। आसियान देशों की बैठक में एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिकंन से भी मुलाकात की। दोनों ने रूस-यूक्रेन जंग के बारे में विस्तार से चर्चा की। 2019 में जब चीन के राष्ट्रपति भारत आए तो दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होने की उम्मीद जगी थी। फिर गलवान झड़प ने सब बदल दिया। 15 जून 2020 को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी। यह टकराव करीब 3 घंटे तक चला था। वहीं, 2022 में दोनों देशों की सेनाओं में फिर टकराव हुआ। अरुणाचल के तवांग में चीनी सैनिकों ने भारतीय पोस्ट को हटाने की कोशिश की। भारत के 6 जवान घायल हुए। चीन को हमसे ज्यादा नुकसान हुआ।

भले ही वे मुझे अयोग्य घोषित कर दें और जेल में डाल दें, इसके बाद भी हमारी पार्टी ही जीतेगी- इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने भविष्य की अपनी पॉलिटिकल प्लानिंग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है, तो वह आगामी आम चुनाव लड़ने के लिए नए राजनीतिक दल का गठन करेंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी अखबार डॉन को दिए इंटरव्यू में खान ने ये बातें कहीं। मालूम हो कि 9 मई को हुए हिंसक राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद प्रदर्शनकारियों और पीटीआई कार्यकर्ताओं पर काफी सख्ती बरती जा रही है। साथ ही इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग उठी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा था कि पीटीआई पर प्रतिबंध लगाना ही एकमात्र समाधान बचा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कहा कि इसे लेकर विचार किया जा रहा है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी इसी तरह की बात कह चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के किसी भी कदम का विरोध नहीं करेगी। इसे लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में इमरान ने कहा, अगर वे पार्टी को बैन करते हैं तो हम एक नए नाम के साथ नई पार्टी बनाएंगे और फिर भी चुनाव जीतेंगे।

इमरान बोले- भले मुझे जेल में डाल दें...: इमरान खान ने कहा, भले ही वे मुझे अयोग्य घोषित कर दें और जेल में डाल दें, इसके बाद भी हमारी पार्टी ही जीतेगी। पीटीआई प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि उनके समर्थकों का आधार बरकरार है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय राजनीति मौलिक रूप से बदल गई है। अपनी पार्टी पर जारी कार्रवाई पर इमरान ने कहा कि सरकार अभी भी डरा-धमकाकर इसे तोड़ने का प्रयास कर रही है। इमरान ने कहा कि जनता का समर्थन अभी भी हमारे साथ है और आने वाले आम चुनाव में हम निश्चित तौर पर जीत हासिल करेंगे। दूसरी ओर, पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने अवमानना के मामले में इमरान खान के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ईसीपी ने समान अपराध के लिए पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी के खिलाफ भी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। ईसीपी ने इमरान और पार्टी के पूर्व नेताओं चौधरी व असद उमर के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के लिए अवमानना कार्यवाही शुरू की थी। खान और चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट आदेश ईसीपी के सदस्य निसार दुर्रानी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ द्वारा पारित किया गया, जब दोनों पीटीआई नेता कई चेतावनियों के बावजूद मंगलवार को उसके सामने पेश नहीं हुए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129